दैनिक
भीम प्रज्ञा
PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-25 Valid up to 31 dec. 2025
2009 से स्थापित
सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता
www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-11 | झुंझुनू (राजस्थान) | रविवार, 30 नवम्बर, 2025 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'जो रिश्ते मन से निभाए जाते हैं, उनमें दूरी भी मजबूती बनकर लौटती है; और जो रिश्ते दिखावे से निभाए जाते हैं, उनमें नज़दीकियां भी बोझ बन जाती हैं।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए
हेल्पलाइन - 9983040937
Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

राजस्थान की भजनलाल सरकार का बड़ा फैसलाः

6 दिसंबर को राजस्थान के सरकारी और प्राइवेट स्कूलों मनाया जाएगा शौर्य दिवस

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । राजस्थान में शिक्षा विभाग द्वारा 6 दिसंबर (बाबरी विध्वंस दिवस) के मौके पर पहली बार प्रदेशभर के सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में शौर्य दिवस मनाने के आदेश जारी किए गए हैं। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के आदेश पर जारी इस निर्देश का उद्देश्य विद्यार्थियों में देशभक्ति, वीरता, सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करना है। इस दौरान पर सभी स्कूलों में भगवान राम के भजन और आरती से विशेष प्रार्थना सभा, शौर्य यात्रा, राम मंदिर आंदोलन और भारतीय संस्कृति पर प्रतियोगिताएं, चित्रकला, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, योग-सूर्य नमस्कार और शौर्यगाथाओं का वाचन जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विभाग ने विशेष अतिथियों को आमंत्रित करने के भी निर्देश दिए हैं। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के आदेश पर माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों और स्कूलों को विस्तृत गतिविधियों

के साथ शौर्य दिवस मनाने का निर्देश दिया है।

दिलावर ने बताया कि शौर्य दिवस का उद्देश्य विद्यार्थियों में देशप्रेम, देशभक्ति, वीरता, पराक्रम, सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ावा देना है। इसके लिए सभी स्कूलों में शैक्षणिक, सांस्कृतिक, योग, प्रदर्शनी और विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान सभी स्कूलों में सुबह विशेष प्रार्थना सभा होगी। जिसमें भगवान राम के भजन और आरती से शुरुआत की जाएगी। इसके बाद स्कूल परिसर में शौर्य यात्रा और जागरूकता मार्च निकाला जाएगा। मदन दिलावर ने कहा कि प्रभु राम भारतीय संस्कृति के आदर्श पुरुष हैं। राम मंदिर आंदोलन राष्ट्र की एकता और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक है। इसे जानने से बच्चों में देशभक्ति की भावना और मातृभूमि के प्रति श्रद्धा बढ़ेगी।

6 दिसंबर को राजस्थान के स्कूलों में होंगे यह आयोजन

स्कूलों में भारतीय संस्कृति का गौरव और राम मंदिर आंदोलन पर शौर्य और बलिदान की परंपरा, राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर भाषण और निबंध प्रतियोगिता होगी। अयोध्या में राम मंदिर, राष्ट्रीय एकता, भारत के वीर योद्धा पर पेंटिंग और पोस्टर निर्माण प्रतियोगी होगी। देशभक्ति गीत, लोक नृत्य और पौराणिक - ऐतिहासिक प्रसंगों पर आधारित लघु नाटिका मंचन किया जाएगा। राम मंदिर आंदोलन, शौर्य गाथाओं और ऐतिहासिक घटनाओं पर आधारित तस्वीरें, लेख और कलाकृतियां की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। स्कूलों में विद्यार्थी सामूहिक रूप से सूर्य नमस्कार और योगासन करेंगे। विशिष्ट वक्ता और शिक्षक भारत के वीर सपूतों की शौर्य गाथाओं की जानकारी देंगे। सभी विद्यार्थी राष्ट्रीय अखंडता, देशभक्ति और सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प लेंगे। शिक्षा विभाग द्वारा शौर्य दिवस के मौके पर स्कूलों से कहा गया है कि वे सैन्य कर्मियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और इतिहास जानकारों को बुलाएं। ताकि विद्यार्थी शौर्य और देशभक्ति के महत्व को प्रत्यक्ष रूप से समझ सकें।

संस्कार सप्ताह में बजरंग दल द्वारा नशा मुक्त अभियान के तहत दौड़ प्रतियोगिता आयोजित

वरिष्ठ एडवोकेट संदीप नेहरा एवम डॉ रोबिन जी रहे मुख्य अतिथि

विशिष्ट अतिथि अनूप भारद्वाज व एडवोकेट नीरज , एसडीओ रामेश्वर दास व मनजीत कोच रहें

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल फतेहाबाद के तत्वावधान में शुक्रवार को दमकोरा स्टेडियम, टोहाना में संस्कार एवं नशा-मुक्ति अभियान के तहत दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और खेल भावना का परिचय दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एडवोकेट संदीप नेहरा जी एवम डॉ रोबिन रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि अनूप भरद्वाज जी, एडवोकेट नीरज, एस डी ओ रामेश्वर दास जी और मनजीत कोच जी की उपस्थिति में प्रतियोगिता का संचालन किया गया। उनकी देखरेख में प्रतियोगिता को सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया।प्रतियोगिता में प्रथम गुरमीत द्वितीय समीर एवं तृतीय स्थान मित्रेश को (3100 रुपए, 2100 रुपए,1100 रुपए) और सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया।अतिथियों ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों का उद्देश्य युवाओं को नशा मुक्त जीवनशैली, स्वास्थ्य, अनुशासन और राष्ट्रनिर्माण की भावना की ओर प्रेरित करना है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आगे भी ऐसे प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव

लाने में सहायक सिद्ध होंगे। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद विभाग संगठन मंत्री प्रवीण,, जिला संयोजक अंकित भलोटिया, अनु भरद्वाज, दीपक रोहिल्ला, अंश, अनिल कृष्ण भूटानी, जोगिंदर , अंकुश , शुभम बत्रा सहित बजरंग दल के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

टोहाना के होली हार्ट कान्वेंट स्कूल में हिंदी व्याकरण क्विज का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । होली हार्ट कान्वेंट स्कूल (हेलो किड्ज)में हिंदी व्याकरण क्विज प्रतियोगिता का आयोजन उत्साहपूर्ण माहौल में किया गया। प्रतियोगिता में छात्रों को चार सदनों–शिवालिक, हिमालय, अरावली और नीलगिरी–में विभाजित किया गया। प्रतियोगिता कुल आठ राउंड में आयोजित की गई, जिसमें छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ स्कूल के चेयरमैन बलदेव सैनी ने किया। प्रतियोगिता में शिवालिक सदन का प्रतिनिधित्व छात्रा रूहानी, ऑसम, कोमल और पलक ने किया। अरावली सदन में गरेंसी, निहारिका, प्रियंका और गिरिशिका शामिल थीं। हिमालय सदन की अगुवाई वर्णित, दुवंश, शिंदरपाल और हर्ष ने की। नीलगिरी सदन का नेतृत्व छात्र विहान, पारस, प्रवंश और यश ने किया। आठ राउंड पर आधारित इस प्रतियोगिता में शिवालिक सदन ने 48 अंक लेकर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि हिमालय सदन ने 43 अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता के अंत में स्कूल कोऑर्डिनेटर पायल मेहता ने विजेता टीम को बधाई दी। मंच संचालन रचना अरोड़ा और मनीषा ने किया। प्रतियोगिता सफलतापूर्वक संपन्न हुई और बच्चों में व्याकरण के प्रति नई रुचि व उत्साह देखने को मिला।

चिड़ावा महिला पतंजलि योग समिति को हरिद्वार में सम्मान, स्वामी रामदेव ने किया गौरवान्वित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा/हरिद्वार।

चिड़ावा महिला पतंजलि योग समिति द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों के लिए योग ऋषि स्वामी रामदेव ने हरिद्वार में समिति को सम्मानित किया। चिड़ावा से तहसील प्रभारी सावित्री चौधरी ने अपनी तहसील में संचालित योग कक्षाओं की विस्तृत जानकारी केंद्रीय प्रभारी देव प्रिया को प्रदान की। उन्होंने बताया कि 2019 से शुरू हुई ऑनलाइन निशुल्क योग कक्षाएं निरंतर आज तक नियमित रूप से चल रही हैं। समारोह के दौरान बाबा रामदेव द्वारा लड्डू प्रसाद, हवन कुंड और रुद्राक्ष माला का प्रेरणादायक प्रसाद भी प्रदान किया गया, जो योग को और अधिक गति देने का संबल बनेगा। ऑनलाइन योग कक्षाओं से प्रभावित होकर मीडिया प्रभारी श्याम गुप्ता ने भी समिति की सराहना की और कहा कि इस प्रयास से योग के प्रचार-प्रसार को नई ऊंचाइयां मिलेंगी।

जीण माता मंदिर में हुआ मंगलपाठ का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

मुकुंदगढ़ रोड पर स्थित जीण माता मंदिर में शुक्रार को अष्टमी के अवसर पर जीण माता परिवार की ओर से चतुर्थ मासिक मंगलपाठ व कीर्तन का आयोजन किया गया। जीण माता परिवार के जयकांत खरादी के अनुसार जीण माता मंदिर के पुजारी ठाकरसीदास पाराशर के सानिध्य में जीण माता परिवार के पवन शर्मा निर्मल, गणेश नारनोली, राकेश पारीक, नवल पाराशर, हेमंत पाराशर व मोनू मिश्रा आदि ने जीण माता के मंगलपाठ कर मैया को भजनों से रिझाया। इस अवसर पर बनवारीलाल टेलर, अनिल जोशी, प्रमोद पाराशर, राजकुमार सैन, श्याम पाराशर, जयप्रकाश पाराशर व सत्यम पाराशर सहित काफी संख्या में भक्तगण उपस्थित थे।

रेलमंत्री ने इनोग्रेशन ट्रेन को हरी झंडी दिखाईः जैसलमेर से दिल्ली के लिए नई ट्रेन शुरू,नाम मिला-स्वर्णनगरी एक्सप्रेस

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । जैसलमेर से फलौदी-जोधपुर होकर शकूर बस्ती (दिल्ली) तक एक तरफा उद्घाटन (इनोग्रेशन) स्पेशल ट्रेन नंबर 04805 को शनिवार को सुबह 11:20 बजे के निर्धारित समय से 45 मिनट देरी से जैसलमेर से रवाना होगी। जैसलमेर स्टेशन से दिल्ली की तीसरी नियमित ट्रेन को केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव तथा केंद्रीय संस्कृति व पर्यटन मंत्री गजेंद्रसिंह शेखावत ने एक समारोह में हरी झंड़ी दिखाकर रवाना की। जैसलमेर से शकूर बस्ती (दिल्ली) के लिए चली इस ट्रेन का पहले ही दिन नामकरण हो गया। रेल मंत्री ने ट्रेन को हरी झंड़ी दिखाने के साथ ही इसका नामकरण स्वर्णनगरी एक्सप्रेस कर दिया। इसके पहले 34 साल से चल रही दिल्ली-जैसलमेर-दिल्ली एक्सप्रेस का भी 15 मार्च 2019 को नाम बदलकर रूणिचा एक्सप्रेस किया गया था। यह ट्रेन जैसलमेर से रवाना होकर दोपहर 13:28 बजे आशापुरा गोमट, 13:39 बजे रामदेवरा, 14:28 बजे फलौदी बजे फलौदी पहुंची। यह ट्रेन फलौदी व मारवाड़ लोहावट पहुंचते 1 घंटे से ज्यादा लेट हुई।

गांधी कॉलोनी की तरफ बनेगा दूसरा गेट ताकि प्लेटफॉर्म से दिखे सोनार दुर्ग

ट्रेन को रवाना करने से पहले आयोजित कार्यक्रम में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पर्यटन नगरी बहुत सुंदर है। रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म से सुंदर सोनार दुर्ग दिखाई देता है। ऐसे में गांधी कॉलोनी की तरफ दूसरा गेट भी बनना चाहिए। रेलवे के अधिकारियों को दूसरा गेट बनाने के निर्देश दिए।

रेलवे स्टेशन के उद्घाटन के लिए मोदी को देंगे न्योता

रेल मंत्री ने कहा कि करीब 140 करोड़ रुपए की लागत के साथ जैसलमेर रेलवे स्टेशन का पुनर्निर्माण किया गया है। जिसका काम भी जल्द ही पूरा होने वाला है। काम पूरा होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जैसलमेर रेलवे स्टेशन के उद्घाटन का न्योता देंगे।

दिल्ली से नियमित ट्रेन कल से, जैसलमेर से परसो

नियमित ट्रेन 1 दिसंबर को शकूर बस्ती से जैसलमेर और 2 दिसंबर को जैसलमेर से शकूर बस्ती के लिए चलेगी। ट्रेन नंबर 12249 स्वर्णनगरी एक्सप्रेस शकूर बस्ती (दिल्ली) से 1 दिसंबर को जैसलमेर के लिए शाम 17:10 बजे रवाना होगी। ट्रेन शाम 19:10 बजे रेवाड़ी, रात्रि 22:40 बजे जयपुर, अगले दिन सुबह 3:50 बजे जोधपुर सुबह 9 बजे जैसलमेर पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन नंबर 12250 स्वर्णनगरी एक्सप्रेस जैसलमेर-शकूर बस्ती (दिल्ली) ट्रेन 2 दिसंबर को जैसलमेर से 17:00 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन उसी दिन रात्रि 22.15 बजे जोधपुर, अगले दिन सुबह 3:40 बजे जयपुर, सुबह 7:38 बजे रेवाड़ी होकर सुबह 9:30 बजे शकूर बस्ती (दिल्ली) पहुंचेगी।

कोचिंग डिपो का काम जल्द होगा पूरा

वैष्णव ने कोचिंग डिपो के कार्यों को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जैसलमेर से आगामी समय में ज्यादा ट्रेनों का संचालन शुरू हो जाएगा।

नई लाइन बिछने के बाद सभी ट्रेनों का पोकरण में होगा ठहराव

पोकरण स्टेशन पर रेल सुविधाओं के बारे में बताते हुए कहा कि रामदेवरा-पोकरण वाया भैरव गुफा, कैलाश टेकरी नई रेल लाइन का काम पूरा होने पर सभी गाड़ियों का ठहराव इस स्टेशन पर किया जाएगा।

सुंदरलाल मेघवाल बने राजस्थान मेघवाल संस्थान, बीकानेर के जिला महामंत्री

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । राजस्थान मेघवाल समाज संस्थान (रजि.), बीकानेर ने अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करते हुए कोलायत के सक्रिय समाजसेवी और वर्तमान पंचायत समिति सदस्य सुंदरलाल मेघवाल को महत्वपूर्ण संगठनात्मक जिम्मेदारी सौंपी है। संस्थान के जिला अध्यक्ष त्रिलोक चंद जयपाल ने सुंदरलाल मेघवाल को बीकानेर जिले का जिला महामंत्री मनोनीत किया है। कोलायत क्षेत्र के निवासी सुंदरलाल मेघवाल वर्तमान में कोलायत पंचायत समिति सदस्य के रूप में कार्यरत हैं। उनकी समाज में एक ईमानदार और प्रभावशाली पहचान है।

उनके सक्रिय सामाजिक और राजनीतिक अनुभव को देखते हुए, संस्थान ने उन्हें बीकानेर जिले में मेघवाल समाज के कार्यों को गति देने के लिए यह महत्वपूर्ण पद सौंपा है।

संगठनात्मक मजबूती की ओर एक कदम

इस मनोनयन को राजस्थान मेघवाल समाज संस्थान के कार्यों को और अधिक संगठित और व्यापक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। जिला अध्यक्ष जयपाल ने विश्वास व्यक्त किया है कि नव-मनोनीत जिला महामंत्री मेघवाल अपने अनुभव और निष्ठा के साथ समाज हित के कार्यों को नई ऊँचाई देंगे। संस्थान के सभी पदाधिकारियों ने सुंदरलाल मेघवाल को इस नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं।

झुंझुनूं के प्रतिनिधि मंडल ने महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मनगढ का किया अवलोकन

व्यवस्था पर जताई प्रसन्नता, विधार्थियों से किया संवाद से कड़ी मेहनत कर सफलता हासिल करने के लिए किया प्रेरित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

झुंझुनूं के प्रतिनिधि मंडल ने शनिवार को राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर सेठों की कोठी से बैरास जाने वाले रास्ते पर निर्माणाधीन महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मनगढ का अवलोकन किया। प्रतिनिधि मंडल में समाजसेवी राधेश्याम सैनी, वरिष्ठ पार्षद प्रदीप सैनी, संतोष सैनी शिक्षाविद दिलीप सैनी ने छात्रावास प्रांगण पहुंच कर छात्रावास की व्यवस्था, निर्माण कार्य, गतिविधियां व योजना की जानकारी ली तथा छात्रावास की व्यवस्था पर संतोष जताते हुए समिति के पदाधिकारियों को बधाई दी तथा छात्रावास निर्माण व विकास के लिए हर संभव सहयोग के लिए आश्वस्त किया। इस दौरान प्रतिदिन मंडल ने छात्रावास के विधार्थियों से संवाद कर चर्चा परिचर्चा की तथा कड़ी, मेहनत, अनुशासन व लगन के साथ तैयारी कर सफलता हासिल करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर

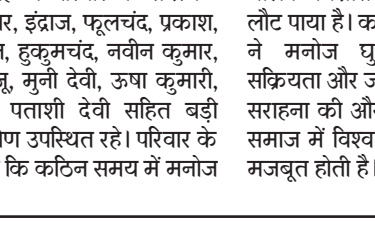

छात्रावास समिति के संयोजक सज्जन कुमार सैनी, फाइनेंस कंसल्टेंट झाबरमल माली, महामंत्री महेंद्र कुमार माली के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल का मोती माला व छात्रावास का दुपट्टा पहनाकर कर एवं छात्रावास का प्रतिक चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर बाबूलाल सैनी, राजेंद्र कुमार सैनी,उमेश कुमार सैनी, संदीप कुमार सैनी, मनीष कुमार सैनी, युवराज सैनी, अमित सैनी सहित छात्रावास के पदाधिकारी सदस्य व विधार्थी मौजूद थे।

लापता निशांत मेघवाल सुरक्षित मिला : खोज अभियान में प्रयासों के लिए खेतड़ी विधायक प्रत्याशी मनोज घुमरिया का ग्रामीणों ने किया सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज़ खेतड़ी।

पपुरना गांव के निशांत पुत्र बिरजू मेघवाल के सकुशल मिल जाने की सूचना से परिवार ही नहीं, पूरे गांव में राहत की लहर दौड़ गई। कई दिनों से लापता बालक की खोज में जुटे परिजनों और ग्रामीणों ने खेतड़ी विधायक प्रत्याशी एवं समाजसेवी के संजय नगर ऑफिस में मनोज घुमरिया को सम्मानित कर उनका आभार व्यक्त किया। गुमशुदगी की

सूचना मिलते ही मनोज घुमरिया ने लगातार कई दिनों तक सक्रिय रहकर निशांत की खोज में पूरा सहयोग दिया। उन्होंने पुलिस प्रशासन को भी गंभीरता से कार्रवाई करने के लिए जागरूक किया और आवश्यक कदम नहीं उठाए जाने पर ग्रामीणों के समर्थन से धरना-प्रदर्शन तक की चेतावनी दी। मनोज घुमारिया के प्रयासों के बाद पुलिस ने भी हाई अलर्ट करते हुए तलाश तेज की, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए और निशांत सुरक्षित मिल गया। सकुशल वापसी के बाद संजय नगर ऑफिस में आयोजित सम्मान समारोह में परिवार के सदस्य - जगदीश ठेकेदार, इंद्राज, फूलचंद, प्रकाश, रघुवीर, हेमराज, हुकुमचंद, नवीन कुमार, सीताराम, बिरजू, मुनी देवी, ऊषा कुमारी, भगवती देवी, पताशी देवी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। परिवार के सदस्यों ने कहा कि कठिन समय में मनोज घुमरिया ने जिस संवेदनशीलता और निरंतरता के साथ समर्थन दिया, वह हमेशा याद रखा जाएगा। ग्रामीणों ने साफा और माला पहनाकर उनका अभिनंदन करते हुए कहा कि उनके प्रयासों की वजह से ही बालक निशांत आज सुरक्षित अपने घर लौट पाया है। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने मनोज घुमरिया की सामाजिक सक्रियता और जनहित के प्रति समर्पण की सराहना की और कहा कि ऐसे युवाओं से समाज में विश्वास और सुरक्षा की भावना मजबूत होती है।

श्रीराम मन्दिर ध्वजारोहण पर पाकिस्तान की बौखलाहट

ललित गर्ग

पाकिस्तान चाहे कितनी भी शिकायतें कर ले, कितने भी बयान जारी कर दे, या कितनी भी झूठी कहानियां गढ़ ले, भारत की सांस्कृतिक चेतना का उभार अविराम है और यह आगे भी नए आयाम स्थापित करता रहेगा। सच यह है कि पाकिस्तान की यह बौखलाहट उसकी पराजित मानसिकता का परिचायक है। भारत की बढ़ती शक्ति, बढ़ती प्रतिष्ठा और उभरती सांस्कृतिक पहचान उसके लिए सबसे बड़ा संकट है।

पाकिस्तान की भारत-निंदा की आदत कोई नई नहीं है; यह उसकी कूटनीति एवं संकीर्ण सोच का स्थायी चरित्र बन चुकी है। ऐसा शायद ही कोई अवसर हो जब भारत की बढ़ती शक्ति, बढ़ती साख और सांस्कृतिक उन्नयन का प्रभावी दृश्य उभरे और पाकिस्तान उसमें संकुचित मानसिकता से भरी त्रासद टिप्पणियां न करे, विरोध का वातावरण न बनाए या अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अनर्गल आरोपों का पुलिंदा न खोले। हाल ही में अयोध्याजी में श्रीराम मंदिर पर हुए ध्वजारोहण समारोह को लेकर उसकी बौखलाहट इसी मानसिक दिवालियापन का ताजा उदाहरण है। भारतीयता के स्वाभाविक सद्भाव में सेंध लगाने का कोई अवसर पाकिस्तान हाथ से नहीं जाने देता। यह केवल एक धार्मिक समारोह नहीं था, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, सभ्यता-स्मृति और सांस्कृतिक स्वाभिमान का वह क्षण था जिसने पूरे विश्व का ध्यान आकर्षित किया। पाकिस्तान ने इस ऐतिहासिक घटना का विरोध ही नहीं किया बल्कि इसे संयुक्त राष्ट्र तक ले जाकर शिकायत की, जैसे उसे भारत के हर आंतरिक मामले में बाधा डालना ही अपनी कूटनीतिक जिम्मेदारी समझ में आता हो। इससे पहले भी उसने राम मंदिर निर्माण के अवसर पर अनर्गल विरोध दर्ज कराया था। यह उसका वह ढर्रा है जो भारत के सांस्कृतिक उत्थान एवं उन्नयन की किसी भी झलक को देखकर सहन नहीं कर पाता।

पूरे कुतर्क एवं कुचेष्टाओं के साथ अपने बयान में पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने आरोप लगाया है कि श्रीराम मन्दिर का ध्वजारोहण भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों पर दबाव बनाने की व्यापक प्रवृत्ति का परिणाम है। वैसे, दुनिया जानती है कि किस देश में अल्पसंख्यक ज्यादा दबाव में हैं। आज के समय में पाकिस्तान में बमुश्किल 50 लाख हिंदू बचे हैं, अन्य अल्पसंख्यक सिख और ईसाई तो न के बराबर हैं। पश्चिमी पाकिस्तान में बंटवारे से पहले करीब 15 प्रतिशत हिंदू रहा करते थे, पर बंटवारे के बाद हिंदुओं की संख्या 2 प्रतिशत के आसपास आ सिमटी। दूसरी ओर, भारत में 20 करोड़ से ज्यादा मुस्लिम हैं, इनकी संख्या अन्य अल्पसंख्यकों के साथ तेजी से बढ़ रही है। पाकिस्तान की ओर से यह फिजूल टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब पाकिस्तान खुद लंबे समय से हिंदुओं, ईसाइयों और अहमदिया मुसलमानों सहित दूसरे धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा का केंद्र बना हुआ है। संयुक्त राज्य अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग के अनुसार, 2025 की पहली छमाही में पूरे पाकिस्तान में ईसाइयों और हिंदुओं

के खिलाफ हिंसा व उत्पीड़न जारी रहा है।

सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली कहावत के अनुसार पाकिस्तान की यह दखलअंदाजी केवल अस्वीकार्य ही नहीं, बल्कि उसकी दोहरी मानसिकता और पाखंडी चरित्र को भी उजागर करती है। विडंबना यह है कि जो देश स्वयं अपने ही नागरिकों को सुरक्षित रखने में असमर्थ है, जो अपने ही अल्पसंख्यकों के मौलिक अधिकारों का हनन करता रहा है, वह भारत में मुसलमानों के अधिकारों की चिन्ता में रातभर जागने का अभिनय कर रहा है। वह देश, जहां हिंदुओं की आबादी 1947 से लेकर आज तक लगभग समाप्त होने की कगार पर पहुँच चुकी है, जहां सिखों पर अत्याचार के अनगिनत उदाहरण मौजूद हैं, जहां ईसाइयों की प्रार्थना सभाओं को अक्सर हिंसा का निशाना बनाया जाता है, वह भारत में अल्पसंख्यक अधिकारों पर प्रवचन देने का नैतिक अधिकार कैसे प्राप्त कर सकता है? पाकिस्तान की विश्वसनीयता इतनी क्षतिग्रस्त हो चुकी है कि उसकी हर शिकायत एक राजनीतिक नौटंकी से अधिक कुछ नहीं रह जाती।

पाकिस्तान के इस व्यवहार के पीछे भारत के बढ़ते आत्मविश्वास, उभरती वैश्विक प्रतिष्ठा और मजबूत होती राष्ट्र-चेतना का भय साफ दिखाई देता है। भारत आज जिस तेजी से विश्व राजनीति में प्रभावशाली भूमिका निभा रहा है, उसकी आर्थिक शक्ति जितनी तेजी से बढ़ रही है और जिसके सांस्कृतिक और सभ्यतागत विमर्शों को वैश्विक स्तर पर सम्मान मिल रहा है, वह पाकिस्तान की बेचैनी का मूल कारण है। पाकिस्तान यह समझ चुका है कि भारत केवल राजनीतिक या आर्थिक शक्ति के रूप में ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक महाशक्ति के रूप में भी उभर रहा है। अयोध्या में राम मंदिर का पुनर्निर्माण और इसके साथ जुड़ी सांस्कृतिक चेतना भारतीय समाज के भीतर एक नई एकता, नई ऊर्जा और एक नए आत्मसम्मान का निर्माण कर रही है। यही वह शक्ति है जिसे पाकिस्तान सबसे अधिक डरता है क्योंकि एक आत्मविश्वासी, एकजुट और संस्कृति-प्राण भारत उसकी कट्टरपंथी राजनीति और भारत-विरोधी साजिशों के लिए सबसे बड़ी चुनौती है।

पाकिस्तान की ओर से जो ह्यबुकलेट्सह्ल और ह्यशिकायतेंह्ल अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पेश की जाती हैं, वे वस्तुतः उसकी असफल विदेश नीति का प्रमाण-पत्र हैं। एक ऐसा देश, जो आज आर्थिक दिवालियापन, राजनीतिक अस्थिरता और आतंकवाद की जड़ों में स्वयं फंसा हुआ है, वह भारत के आंतरिक धार्मिक आयोजनों को राजनीतिक संकट बनाने का हास्यास्पद प्रयास करता है। उसका यह व्यवहार न केवल हस्तक्षेपकारी है, बल्कि उकसाने वाला भी है। भारत इन सब निराधार आरोपों को न केवल तथ्यात्मक रूप से खारिज करने में सक्षम है, बल्कि जरूरत पड़ने पर हर मंच पर सटीक जवाब देने की तैयारी भी रखता है। भारत की नीति स्पष्ट है, वह किसी भी देश के आंतरिक मामलों में दखल नहीं देता, परंतु अपने आंतरिक मामलों पर किसी की दखलंदाजी भी स्वीकार नहीं करता। भारत की आंतरिक नीतियाँ संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था से संचालित होती हैं। यहां का अल्पसंख्यक समुदाय किसी भी अन्य समुदाय की तरह समान अधिकारों का उपभोग करता है। भारत की भूमि पर हर धर्म, पंथ और विचारधारा को समान रूप से सम्मान मिलता है। यह विविधता और समभाव वाला देश है जहाँ मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे और चर्च केवल स्थापत्य संरचनाएँ नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति के बहुरंगी फूल हैं। पाकिस्तान की एकरंगी धार्मिक नीति और कट्टरपंथी दबदबा इसे समझ नहीं पाता, इसलिए वह भारत के धार्मिक आयोजनों पर आपत्ति जताकर अपनी ही सीमित सोच को उजागर करता है।

भारत ने हर चुनौती, हर आरोप और हर उत्तेजक बयान का शांतिपूर्ण और तथ्याधारित उत्तर दिया है। यह संयम उसकी शक्ति भी है और संस्कृति भी। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि भारत किसी उकसाने वाले कदम को नजरअंदाज करेगा। समय-समय पर भारत ने यह दिखाया है कि वह केवल सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रूप से ही नहीं, बल्कि सामरिक, कूटनीतिक और आर्थिक स्तर पर भी पर्याप्त सक्षम है। पाकिस्तान यह भलीभांति जानता है कि भारत अब इक्कीसवीं सदी का भारत है-आत्मनिर्भर, जागृत, संगठित और विश्व-मान्य शक्ति। अयोध्या में राम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल का पुनर्निर्माण नहीं, बल्कि भारत की आत्मा से जुड़े सांस्कृतिक पुनर्जागरण की गूंज है। इसे कोई अंतरराष्ट्रीय मंच कमतर नहीं कर सकता। पाकिस्तान चाहे कितनी भी शिकायतें कर ले, कितने भी बयान जारी कर दे, या कितनी भी झूठी कहानियां गढ़ ले, भारत की सांस्कृतिक चेतना का उभार अविराम है और यह आगे भी नए आयाम स्थापित करता रहेगा।सच यह है कि पाकिस्तान की यह बौखलाहट उसकी पराजित मानसिकता का परिचायक है। भारत की बढ़ती शक्ति, बढ़ती प्रतिष्ठा और उभरती सांस्कृतिक पहचान उसके लिए सबसे बड़ा संकट है। लेकिन भारत का रास्ता स्पष्ट है-वह आगे बढ़ेगा, अपनी सभ्यता को सशक्त करेगा, अपनी संस्कृति को विश्व-पटल पर स्थापित करेगा और किसी भी अनर्गल हस्तक्षेप का दृढ़ता से सामना करेगा। पाकिस्तान चाहे कितने ही मोर्चों पर खतरा बने, भारत हर मोर्चे पर उत्तर देने में सक्षम है-साहस से भी, और संस्कार से भी।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'बोलचाल की डोर : रिश्तों की सांसों को बचाए रखने की कला'

मानव जीवन की पूरी संरचना, उसके भावनात्मक उतार-चढ़ाव, उसकी खुशियां, उसकी थकान, उसका संघर्ष–सब कुछ रिश्तों के इर्द-गिर्द घूमता है। धन, वैभव, सम्मान, पद–ये सब जीवन को सुविधाजनक बना सकते हैं, लेकिन मन को संतुष्टि, आत्मा को शांति और जीवन को अर्थ–ये केवल रिश्ते ही दे सकते हैं। और इन रिश्तों का सबसे महत्वपूर्ण आधार – बोलचाल, संवाद, संचार की जीवंतता है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। रिश्ते तब तक सुरक्षित, मजबूत और जीवंत बने रहते हैं, जब तक उनमें संवाद की धारा बहती रहती है। जैसे नदी में पानी रुक जाए तो वह बदबू देने लगती है, वैसे ही रिश्तों में बोलचाल रुक जाए, तो गलतफहमियों, अहंकार और दूरी की काई जमने लगती है। संवाद रुकना यानी रिश्ते की सांसें रुक जाना। आज की तेज़ रफ्तार दुनिया में सबसे बड़ा संकट यही है कि लोग बात करना बंद कर रहे हैं। परिवारों में, पड़ोस में, दोस्ती में, यहां तक कि पति-पत्नी के रिश्तों में भी संवाद की जगह अब साइलेंस वार ने ले ली है। लोग गुस्सा तो कर लेते हैं, बहस भी कर लेते हैं, लेकिन मन का दरवाजा बंद कर देना–यह रिश्तों का असली अंत है।

हमारे समाज में अक्सर देखा जाता है कि बड़े लोग बच्चों के झगड़ों में, और बेटे-सास-बहू के झगड़ों में अनावश्यक रूप से कूद पड़ते हैं, जबकि ऐसा करना समस्या को हल नहीं, बल्कि और उलझा देता है। बच्चों के झगड़े उनकी मासूमियत का हिस्सा होते हैं, वे थोड़ी देर में खुद ही हंसते-खेलते मिल जाते हैं। परिवार में यदि सास-बहू के बीच कुछ कहा-सुनी हुई हो, तो उसे परिवार का युद्ध न बनाएं। पति को पत्नी की बात ध्यान से सुननी चाहिए, उसे भावनात्मक सहारा देना चाहिए, लेकिन अगले दिन इसे स्थायी द्वेष में बदल देना घर की शांति को खत्म कर देता है। रात को शिकायत का बोझ हो सकता है, लेकिन सुबह का सूरज नए समाधान का रास्ता दिखा सकता है। इसलिए कहा गया है –

'आगे पाठ, पीछे सपाट'–यही घर की एकता का सबसे सशक्त सूत्र है।

गुस्सा बुरा नहीं है। हर भावनात्मक इंसान कभी न कभी गुस्सा करता है। लेकिन गुस्से के बाद मन में उपजा बैर, द्वेष, नीरसता–ये ही वास्तविक विष हैं, जो रिश्तों को भीतर से खोखला बना देते हैं। बच्चे इसका सबसे सुंदर उदाहरण हैं। वे झगड़ते हैं, धक्का-मुक्की करते हैं, चिल्लाते हैं–लेकिन अगली ही क्षण फिर से एक साथ खेल रहे होते हैं। उनके भीतर बैर की जगह नहीं होती। उनके दिल में जगह होती है, और यही कारण है कि उनके रिश्ते लंबे चलते हैं। काश, हर इंसान अपने भीतर बैठे बच्चे को जिंदा रख सके। बड़े होने के साथ हम अहंकार, अपेक्षाएं और तुलना की दीवारें खड़ी कर लेते हैं। जहां दीवारें खड़ी होती हैं, वहां आवाज़ें टकराकर वापस लौट आती हैं–और यही बोलचाल के खत्म होने की शुरुआत होती है। रिश्ते टूटते नहीं हैं, हम उन्हें तोड़ देते हैं–अपना मन बंद करके, अपनी जुबान खामोश करके।

एक बात हमेशा याद रखनी चाहिए –

बोलचाल बंद हो जाए, तो सुलह के सारे दरवाजे बंद हो जाते हैं। कितनी ही बड़ी लड़ाई क्यों न हो, कितनी ही कड़वी बात निकल गई हो–यदि बातचीत की डोर बनी रहे, तो हर मतभेद का समाधान संभव है। लेकिन जहां संवाद रुक गया, वहां गलतफहमियों का अंधेरा स्थायी हो जाता है। परिवार को, समाज को, रिश्तों को और खुद को बचाने के लिए यह समझना ज़रूरी है कि–

दूरी गुस्से से नहीं बढ़ती,
दूरी चुप्पी से बढ़ती है।

यदि पति-पत्नी, भाई-बहन, माता-पिता, दोस्त–अपनी-अपनी नाराज़ियों को शब्दों में ढाल दें, तो वे हल्की हो जाती हैं। लेकिन दिल में दबाकर रखना, मन में गांठ बनाना–यह किसी भी सुंदर रिश्ते को धीरे-धीरे मार देता है। आज समाज में चिंता का विषय यह नहीं है कि लोग झगड़ते क्यों हैं, वास्तविक चिंता यह है कि लोग बात करना क्यों बंद कर रहे हैं। जब तक रिश्ते टूटने के बाद हम दर्द महसूस करते हैं, तब तक सब ठीक है।

इनोवेशन के लिए साइंस कम्युनिकेशन सबसे जरूरी है

संजय गोस्वामी

आज देश को विज्ञान की सही जानकारी हेतु विज्ञान संचार बहुत जरुरी है, यदि आप बेरोजगार हैं, तो इन वास्तविकताओं का सामना करने से आप अक्सर अभिभूत, उदास और निराश महसूस कर सकते हैं। वैश्विक महामारी के लिए ये वैध प्रतिक्रियाएं हैं, लेकिन इनोवेशन के लिए साइंस कम्युनिकेशन या विज्ञान संचार सबसे जरूरी है सकारात्मक बने रहेगें विज्ञान संचार को हम यूं समझ सकते है, जैसे कि वैज्ञानिक जानकारियों जहां से पैदा हो रही हैं। वहां से लेकर उन जानकारियों के प्रयोग करने वालों तक पहुंचाना। इसके लिए विभिन्न प्रकार के माध्यम अपनाए जाते हैं। विज्ञान संचार को दो भागों में बांटा जा सकता है। पहला शोधपरक विज्ञान संचार और दूसरा लोकप्रिय विज्ञान संचार। लैब में होने वाले शोधों की जानकारी तकनीकी भाषा में होती है। इसे आम आदमी सुगमता से नहीं समझ सकता। लोकप्रिय विज्ञान संचार में यह परेशानी आती है कि विज्ञान की कठिन बातों को सरल कैसे बनाया जाए और आम लोगों तक पहुंचाया जाए। सबसे बड़ी समस्या यह है कि रिसर्च पेपर की भाषा को आम लोग समझ नहीं पाते और वैज्ञानिक आम जन की भाषा को नहीं समझ पाते। यहीं पर परेशानियां पैदा होती हैं। वास्तव में विज्ञान के जटिल तर्कों को सरल भाषा में जो भी आम लोगों तक पहुंचा देगा वही एक सफल विज्ञान संचारक कहलाएगा। वास्तव में विज्ञान संचार के दो प्रमुख उद्देश्य हैं-विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की जानकारी आम जन तक पहुंचाना और उनमें वैज्ञानिक-तकनीकी दृष्टिकोण का विकास करना। किसी भी व्यक्ति में जब वैज्ञानिक दृष्टिकोण समाहित होने की बात की जाए तो इसका अर्थ यह होगा कि उसमें सोच, आचरण, व्यवहार और निर्णय लेने के स्तरों पर वैज्ञानिकता की छाप अवश्य दिखे।इसी छाप को अखिल भारतीय स्तर पर बनाये रखने के लिए हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद, मुंबई द्वारा पिछले 57 वर्ष से लगातार विज्ञान संचार किया जा रहा जिसमें किसी परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष श्री आर के मिश्र का हिंदी विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान के लिए उनके हिंदी विज्ञान में एक नई क्रांति मुंबई के वैज्ञानिकों ने 1968 में भारतीय वैज्ञानिक द्वारा हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद की नींव मुंबई में रखी और 2साल बाद वैज्ञानिक पत्रिका का सतत प्रकाशन हुआ जो आज भी ऑनलाइन माध्यम से चल रही है। अतः राष्ट्रीय अस्तर पर हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद ही एक मात्र ऐसी संस्था बची इसमें परिषद के पूर्व कार्यकारी सचिव श्री राजेश कुमार मिश्र का सबसे अधिक और अहम् योगदान रहा जो इतिहास के पन्नों में दर्ज होगा, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक और हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष राजेश कुमार मिश्र , दिनांक 30. 11.2025 मे केंद्र से सेवानिवृत्त हो रहे हैं । फिलहाल वे परिषद द्वारा प्रकाशित होने वाली राष्ट्रीय पत्रिका के संपादक मंडल मे हैं इसके पूर्व उन्होंने जून 2022 से सितम्बर 2025 तक वैज्ञानिक पत्रिका के मुख्य संपादक के रूप में सफलतापूर्ण कार्य किया।उनके कार्यकाल में जो अंक प्रकाशित हुए उसमें आजादी के अमृत महोत्सव पर देश में विज्ञान का 75 साल में विकास, टेक्नोलॉजी विशेष अंक, वैज्ञानिक अनुक्रम विशेष,विज्ञान संचार विशेष, महान वैज्ञानिक योगदान अंक, व हाल ही में महान वैज्ञानिक परमाणु वैज्ञानिक डॉ आर चिदंबरम जो पूर्व में मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार थे जिनका 1998 में भारत के पोखरण -2 में मुख्य भूमिका रही उनके निधन पर श्रद्धांजलि के रूप में डॉ आर चिदंबरम स्मृति अंक वैज्ञानिकों व विज्ञान पाठकों के लिए बहुत ही शानदार रहा जिसके लिए भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव महोदय ने अंक हेतु अपनी शुभकामना संदेश देकर वैज्ञानिक में नई संजीवनी दि, जो विज्ञान के प्रकाश से जगमगाते रहे।श्री राजेश कुमार मिश्रजी ने विज्ञान संचार हेतु वैज्ञानिक को नवाचार और देश के विज्ञान गतिविधियों को पत्रिका में स्थान देकर देश को विज्ञान संचार के क्षेत्र में अहम योगदान दिया है और लगातार अपनी सेवा निस्वार्थ भाव से देते आ रहें है।इसके पहले वे वह हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद में लगभग 18 सालों या उससे अधिक समय से सक्रिय रूप से जुड़े रहे इसके लिए उन्होंने परिषद द्वारा आयोजित कई राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी में संयोजक के रूप मे महत्वपूर्ण योगदान दिया व हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद द्वारा आयोजित प्रश्न मंच कार्यक्रम मे भी संयोजन मे सफलतापूर्वक काम किया हिंदी विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान हेतु परिषद द्वारा उन्हे हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद स्वर्ण जयंती समारोह, में भारत के महान वैज्ञानिक स्व डॉ चिदंबरम जैसे महान वैज्ञानिक को मंच पर मुख्य अथिति के रूप में बुलाये जाने का पूरा श्रेय जाता है।इसके अलावा वे विज्ञान वार्ता, स्वास्थ्य संगोष्ठी, वैज्ञानिक पत्रिका के व्यवस्थापण मे भी मुख्य भूमिका प्रदान किया गया. उन्होंने विज्ञान अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी, दोनों ही क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। एक प्रभावी विज्ञान संचारक के नाते जन सामान्य संबंधित विषयों की वैज्ञानिक जानकारी/ज्ञान के संचार तथा लोकप्रियकरण की दिशा में स्वयंसेवी भाव से लगातार कार्य करते रहे हैं और वैज्ञानिक पत्रिका मे संपादक मंडल मे बने रहेंगे। सेवानिवृत्ती के अवसर पर आपको हिंदी विज्ञान में उल्लेखनीय योगदान हेतु अनेक बधाइयां तथा भविष्य के सुखद एवं निरोगी सुदीर्घ पारिवारिक जीवन के लिए शुभकामनाएं !.हिंदी विज्ञान में उनके अहम् योगदान हेतु पूरा देश गौरव महसूस करेगा हिंदी विज्ञान के लिए किया गया उनका कार्य निश्चित रूप से सभी को प्रेरणा देगी । निश्चित तौर पर विज्ञान संचारकों के लिए वैज्ञानिकता का प्रचार प्रसार करना एक बड़ीचुनौती है। विज्ञान संचार के लिए खोजे गए सूत्रों और तत्वों के आधार पर बहुत कुछ किया जा सकता है। नए पीढ़ी के लोगों के लिए चुनौतियां काफी हैं। यह भी साफ है कि केवल विज्ञान की जानकारी रखने वाले लोग ही अच्छे विज्ञान संचारक नहीं होते बल्कि जिनमें वैज्ञानिक समझ विकसित हो जाती है ,अतः विज्ञान संचार बहुत जरुरी है ।

(यह लेखक के व्यक्तगत हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

भारतीय कानूनों में परस्पर- विरोधी प्रावधानों की जटिलता -अंतरराष्ट्रीय विश्लेषण

किशन सनमुखदास

आयकर अधिनियम की धारा 269एसएस बनाम नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट धारा 138 चेक बाउंस देनदारी...

वैश्विक स्तरपर भारतीय कानूनी ढांचा बहुस्तरीय बहु-आयामी और बहु-विषयक है।भारतीय विधिक व्यवस्था दुनियाँ की सबसे विस्तृत,जटिल और बहु-स्तरीय प्रणालियों में से एक है। यहां संविधान के अंतर्गत संसद और राज्य विधानसभाएँ कानून बनाती हैं, न्यायालय इनके अर्थ और दायरे को निर्धारित करते हैं, और विभिन्न नियामक संस्थाएँ इन कानूनों के अनुपालन की निगरानी करती हैं। इस व्यापक ढांचे में एक दिलचस्प और अक्सर विवादास्पद तथ्य यह है कि कई बार विभिन्न कानूनों की अलग-अलग धाराएँ एक ही व्यवहार को लेकर विपरीत स्थिति प्रकट करती हैं। कहीं कोई कृत्य एक कानून में प्रतिबंधित है,तो दूसरा कानून उसी कृत्य को अपराध यादायित्व का आधार मान लेता है। यही विरोधाभासी संरचना न्यायिक बहस, विधिक भ्रम, और कई बार विवादों का कारण बनती है।अक्सर एक नागरिक, एक व्यवसायी या एक संस्था एक ही घटना के परिणाम स्वरूप कई कानूनों के दायरे में एक साथ आ सकती है। इससे कई बार यह भ्रम पैदा होता है कि यदि किसी एक कानून का उल्लंघन हुआ है,तो क्या उसका प्रभाव दूसरे कानून के दायित्वों पर भी पड़ेगा? मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह रिसर्च कियाहूँ कि भारतीय कानूनी प्रणाली में ऐसे अनेक उदाहरण है (1) सिविल बनाम क्रिमिनल दायित्वः एक ही घटना, दो मुकदमे उदाहरण- धोखाधड़ी आईपीसी की धारा 420- आपराधिक धोखाधड़ी, भारतीय संविदा अधिनियम 1872-अनुबंध उल्लंघन-एक ही घटना में पीड़ित,सिविल सूट में हजार्ना ले सकता है,और आपराधिक मामला दर्ज कर सकता है।यानी एक कृत्य दो कानूनों में अलग पहचान रखता है। (2) घरेलू विवाद-पारिवारिक कानून बनाम आपराधिक कानून-धारा 498ए आईपीसी- क्रूरता एक आपराधिक अपराध- हिंदू विवाह अधिनियम,1955-क्रूरता तलाक का आधार-यहां वही व्यवहार एक कानून में अपराध है,दूसरे में वैवाहिक अधिकार समाप्ति का आधार। (3) कंपनी कानून बनाम आपराधिक कानून- कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 447-धोखाधड़ी पर कारावास आईपीसी की धारा 406/420- आपराधिक विश्वासघात/धोखाधड़ी कंपनी के निदेशक पर एक साथ दोनों लागू हो सकते हैं। इसका मतलब-एक व्यवसायिक विफलता को इस बात पर परखा जाता है कि उद्देश्य भ्रष्ट था या नहीं। (4) पर्यावरण कानून बनाम दंड संहिता- पर्यावरण संरक्षण अधिनियम,1986दंड प्रशासनिक /विशेषआईपीसी की धारा 268 (पब्लिक न्यूसेन्स), सार्वजनिक कष्ट अपराध एक ही प्रदूषणकारी कृत्य दो अलग- अलग परिणाम दे सकता है। (5) पीएमएलए बनाम आईपीसी- एक अपराध, दो कानून पीएमएलए (धनशोधन कानून) -अपराध से अर्जित धन की धुलाई, आईपीसी अपराध-मूल अपराध यहां पीएमएलए द्वितीयक अपराध है। मूल अपराध आईपीसी में दर्ज होगा, पर धनशोधन अलग अपराध है-दोहरी जिम्मेदारी।(6)कर कानून बनाम अनुबंध कानून-कई बार अनुबंध वैध होता है, पर उसमें कर चोरी हो सकती है परंतु टैक्स दंड लगेगा, पर अनुबंध जारी रहेगा।(7) इंश्योरेंस कानून बनाम फौजदारी कानून में किसी दुर्घटना में अपराध हुआ हो फिर भी बीमा कंपनी को मुआवजा देना पड़ सकता है, क्योंकि दोनों के दायरे अलग हैं।(8) दिवालियापन संहिता बनाम कंपनी अधिनियम -आईबीसी में देनदारी वसूली प्राथमिक है, जबकि कंपनी अधिनियम प्रशासनिक विनियमन को नियंत्रित करता है।(9) आपराधिक कानून बनाम सिविल कानून-एक ही घटना में व्यक्तिःसिविल क्षतिपूर्ति देने का दायित्व रख सकता हैऔर साथ ही आपराधिक मुकदमे का सामना भी यानें -एक कानून का उल्लंघन दूसरेदायित्व को खत्म नहीं करता।यही प्रश्न विशेष रूप से तब उभरता है, जब इन्कम टैक्स एक्ट,1961 की धारा 269एसएस, जो 20,000 हजार से अधिक नकद उधार/ऋण/जमा लेने पर रोक लगाती है,और नेगोटिबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट, 1881 की धारा 138, जो चेक बाउंस होने परआपराधिक दायित्व बनाती है, एक साथ सामने आएं।क्या यह संभव है कि यदि लेन-देन 20,000 हजार से अधिक नकद में हुआ और यह धारा 269एसएस का उल्लंघन था, तो चेक बाउंस के मामले में देनदारी ही समाप्त हो जाए? क्या आरोपी यह तर्क दे सकता है कि लेन-देन अवैध था, इसलिए वह चेक के भुगतान का दायित्व नहीं रखता? इस प्रश्न का उत्तर भारतीय विधि-व्यवस्था के मूल सिद्धांतों, न्यायालयों के निर्णयों, और अंतरराष्ट्रीय विधि-शास्त्रीय समझ के संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक माह पूर्व इस संबंध में दिल्ली हाई कोर्ट का एक महत्वपूर्ण निर्णय भी आया है।

साथियों बात अगर हम भारत में कानूनों की संरचना की करें तो, कानूनों की बहु-स्तरीय रचनाः विरोधाभास क्यों उत्पन्न होते हैं?भारत में कानून तीन मुख्य क्षेत्रों में निर्मित होते हैं-(1) संवैधानिक कानून (2) सामान्य/दंड कानून (जैसे आईपीसी, सीआरपीसी),(3) विशेष कानून जैसे आयकर अधिनियम, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम,कंपनियों अधिनियम बैंकिंग विनियमन अधिनियम, एफईएमए,पीएमएलए आदि।जब विभिन्न समयों, उद्देश्यों और परिस्थितियों में बनाए गए कानून समान तथ्यात्मक स्थिति पर लागू होते हैं, तो इनकी परिभाषाएँ, दंड, प्रक्रियाएँ और दायित्व एक-दूसरे से भिन्न दिखाई देते हैं। यही कानूनी विरोधाभास की अनुभूति उत्पन्न करता है।

असल में यह विरोधाभास नहीं बल्कि मल्टी-लेयर ज्यूरीडिकल स्ट्रक्चर है,जहां हर कानून का लक्ष्य अलग है।उदाहरणतः-एक कानून व्यवहार को नियंत्रित करता है, दूसरा उसी व्यवहार में विफलता को दंडित करता है।

साथियों बात अगर हम आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 एसएस व एनआई एक्ट धारा 138 को समझने की करें तो नकद लेन-देन पर रोक का उद्देश्य,यह धारा क्या कहती है?इन्कम टैक्स एक्ट की धारा 269एसएस कहती है कि कोई भी व्यक्ति 20,000 हजार से अधिक का ऋण, उधार या जमा नकद में नहीं ले सकता।ऐसा करने पर यह एक फिस्कल यानी राजस्व से संबंधित उल्लंघन माना जाता है।इस धारा का उल्लंघन कोई सिविल या क्रिमिनल कॉन्ट्रैक्ट को निरस्त नहीं करता, बल्कि केवल आयकर कानून के तहत पेनल्टी (धारा 271डी) को जन्म देता है। अर्थातःयह कर-शास्त्रीय दंड है, न कि लेन-देन को अवैध घोषित करने वाला प्रावधान। धारा 138 एनआई एक्ट-चेक बाउंस पर क्रिमिनल देनदारी-यदि कोई व्यक्ति चेक जारी करता है और वह बाउंस हो जाता है, और उसका भुगतान वैधानिक नोटिस के बाद भी नहीं किया जाता, तोः यह आपराधिक अपराध माना जाता है,सजा, जुमार्ना और देय राशि का भुगतान कानूनन अनिवार्य हो जाता है।अब मुख्य प्रश्न उठता है क्या 269रर का उल्लंघन 138 की देनदारी को खत्म करता है?भारतीय न्यायालयों ने लगातार कहा है किः (1) 269रर एक टैक्स-लॉ उल्लंघन है, न कि लेन-देन को अवैध बनाने वाला प्रावधान। (2) लेन-देन भले ही नकद हुआ हो, पर ऋण अस्तित्व में बना रहता है।

विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) अभियान के तहत उपखंड अधिकारी और तहसीलदार ने बीएलओ को किया सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । विधानसभा क्षेत्र के छापोली पंचायत के बूथ संख्या 188 के बीएलओ- गिरधारी लाल कनवाडिया, बूथ संख्या -189 के बीएलओ - जयसिंह कृषनिया,बूथ संख्या-190 बीएलओ - रामस्वरूप कीरोड़िया, बूथ संख्या -191 के बीएलओ -रामनिवास सैनी, 192 के बीएलओ -रामनिवास गोदारा बूथ संख्या 193 के बीएलओ हेतराम गुर्जर द्वारा किये गये बेहतरीन कार्य को देखते हुए उदयपुरवाटी उपखंड अधिकारी सुमन जी सोनल और तहसीलदार झंडू राम राम कुड़ी के द्वारा बीएलओ को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पीईईओ छापोली विशाल गुप्ता, मास्टर ट्रेनर नरेंद्र जालोपिया,सुपरवाइजर कैलाश चंद मीणा, अतिरिक्त प्रशाशनिक अधिकारी केशरलाल सैनी सहित सहयोगी स्टाफ आदि लोग मौजूद रहें।

खेतड़ीनगर में 36वां खान पर्यावरण सप्ताहः

अधिकारियों-कर्मचारियों ने ली पर्यावरण संरक्षण की शपथ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी।

खेतड़ीनगर में भारतीय खान ब्यूरो, अजमेर क्षेत्र की ओर 36वां खान पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण सप्ताह शुरू हुआ। इस अवसर पर केसीसी प्रोजेक्ट के सर्विस शाफ्ट मैदान में अधिकारियों और कर्मचारियों ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली। मुख्य अतिथि मनीष गवई ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बताया-इस साल का विषय 'डिजिटलाइजेशन इन माइनिंग इंडस्ट्री' रखा गया है। उन्होंने कहा कि खनन क्षेत्र के विकास, सुरक्षा और पारदर्शिता के लिए डिजिटलीकरण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। गवई ने बताया कि ड्रोन सर्वे, डिजिटल मैपिंग, वेस्ट मैनेजमेंट मॉनिटरिंग और रियल टाइम डेटा एनालिसिस जैसे तकनीकी माध्यम खदानों को सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता खेतड़ी खदान के मुख्य प्रबंधक जगदीश सिंह सोढा ने की। उन्होंने जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. गोपाल राठी ने उपस्थित अधिकारियों और खदान कर्मियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई।इस मौके पर लोकेश गोयल के नेतृत्व में 'डिजिटलाइजेशन इन माइनिंग इंडस्ट्री' विषय पर एक लघु नाटिका और नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। इसमें पानी बचाने और खदानों में तकनीकी उपयोग बढ़ाने का संदेश दिया गया। कलाकारों ने बताया कि डिजिटल तकनीक से खनिज संरक्षण, जल संचयन और प्रदूषण नियंत्रण के प्रयास अधिक प्रभावी होते हैं। पंकज कुमार ने आगंतुकों का आभार व्यक्त किया, जबकि राजूलाल जाटव ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर केटीएसएस महामंत्री बिड़दूराम सैनी, ऑफिसर्स एसोसिएशन अध्यक्ष सवाई सिंह सिराधना सहित कई अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहें।

टोहाना अदालत परिसर से बस स्टैंड तक मुख्य सड़क पर स्ट्रीट लाइटें न होने से आमजन परेशान- पार्षद रामकुमार सैनी

भाजपा के दो पूर्व विधायकों व वर्तमान में राज्य सभा सांसद का भी शहर से डांगरा गांव तक जाने का यही रास्ता होने पर भी नगर परिषद प्रशासन सो रहा है कुंभ करणी नींद

नगरपरिषद का स्ट्रीट लाइट रिपेयरिंग व नई लाईटें लगाने के ठेकेदार की लापरवाही की मुख्यमंत्री उड़न दस्ते से हो जांच

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

विजय रंगा(ब्यूरो चीफ) । टोहाना नगरपरिषद कैसे एसडीएम के आदेश के बाद भी स्ट्रीट लाइटें नहीं लगा रहा है यह बात आम जनता की समझ से परे प्रतीत होती लग रही है।आम जन का कहना है कि इतने महत्वपूर्ण स्थान व व्यक्ति की भी अनदेखी हो रही है इस बात की मुख्यमंत्री विजिलेंस टीम द्वारा जांच होनी चाहिए। नगरपरिषद टोहाना के सूत्रों के अनुसार पिछले दिनों एक हजार स्ट्रीट लाइटें अलग से खरीदी गई थी अब नगर परिषद के चेयरमैन नरेश बंसल से इस बाबत पूछा गया कि वो एक हजार स्ट्रीट लाइटें कहां गई तो चैयरमेन नरेश बंसल कोई संतुष्ट पूर्ण ज़बाब नहीं दे सके। नगर परिषद के विपक्षी पार्षद रामकुमार सैनी ने आरोप लगाते हुए कहा कि नगर परिषद टोहाना में कुछ भी व्यवस्थित नहीं है । चैयरमेन से लेकर हर कर्मचारी के कार्यकलाप की जांच होनी चाहिए जिससे आम जनता को राहत मिल सके। नगर परिषद टोहाना के ज्यादातर कर्मचारी अपने दायित्व का सही निर्वाहन नहीं कर रहे हैं तथा आफिस के निर्धारित समय पर भी अपनी सीट से नदारद रहते हैं उधर नगर परिषद टोहाना के चेयरमैन नरेश बंसल का इन कर्मचारियों पर कोई नियंत्रण तक नहीं है।आम जनता को छोटे मोटे काम के लिए भी नगर परिषद कार्यालय के की की बार चक्कर लगाने पड़ते हैं। नगरपरिषद के चेयरमैन नरेश बंसल के अधीन उठे हर टैंडर में लापरवाही की जांच विशेष सीएम विजिलेंस टीम से हो ताकि जनता की गाढ़ी कमाई का हिसाब जनता के सामने आ सके।

सांची महोत्सवः महाबोधि सोसायटी के प्रयासों से बुद्ध विरासत को वंदन

29-30 नवंबर 2025 को सांची में लगा श्रद्धालुओं का तांता, देश-विदेश से लाखों लोगों ने किए सारिपुत्त और महामोग्गलायन के पवित्र अस्थि अवशेषों के दर्शन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सांची/मध्य प्रदेश।

ऐतिहासिक बौद्ध तीर्थ स्थल सांची में 29 और 30 नवंबर 2025 को दो दिवसीय भव्य सांची महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें तथागत बुद्ध की विरासत को नमन करने के लिए देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु उमड़े। सिरीलंका की महाबोधि सोसाइटी द्वारा किया जाता है, जिसके कारण ही सांची विश्वपटल पर अपनी चमक बिखेर पाया है। महोत्सव में वक्ताओं ने जोर दिया कि सिरीलंका का भारत पर बड़ा एहसान है, जिसने भारत से विलुप्त हुए धम्म को न केवल बचाया, बल्कि अपने देश में सुरक्षित भी रखा। सांची-विदिशा वही ऐतिहासिक स्थल है जहां से भिक्षु महेंद्र और भिक्षुणी संघमित्रा धम्म के प्रचार के लिए सिरीलंका गए थे।पवित्र अस्थि अवशेषों के दर्शन महोत्सव का मुख्य आकर्षण भगवान बुद्ध के दो प्रमुख धम्म सेनापति और ज्येष्ठ भिक्षुओं, सारिपुत्त और महामोग्गलायन के पवित्र अस्थि अवशेषों का प्रदर्शन रहा। इस पावन दिन इन अवशेषों को लोगों के दर्शनार्थ रखा गया। इसके उपरांत, इन पवित्र अवशेषों को एक भव्य झांकी में सजाकर शोभायात्रा के द्वारा चेतियागिरी विहार से स्तूपों तक ले जाया गया, जहां श्रद्धालुओं ने परिदक्षिणा की। दर्शन के बाद अस्थि अवशेषों को वापस विहार में सुरक्षित बंद कर दिया गया। ये अवशेष सन् 1851 में सर अलेक्जेंडर कनिंघम द्वारा स्तूप संख्या तीन की खुदाई के दौरान प्राप्त किए गए थे। देश-विदेश से आए लाखों लोगों ने इस गौरवशाली ऐतिहासिक स्मारक के महोत्सव में शामिल होकर बुद्ध, धम्म और संघ के प्रति अपनी कृतज्ञता और गहरी श्रद्धा प्रकट की। सारिपुत्त और महामोग्गलायन राजगीर के अति अमीर ब्राह्मण परिवारों में जन्मे परममित्र थे, जिन्होंने एक साथ भिक्षु बनकर धम्म के प्रचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।श्रद्धालुओं ने उनके महान योगदान को नमन किया, जिसके कारण बुद्ध का मानव कल्याणकारी धम्म विश्व में इतना विराट स्वरूप धारण कर सका। सिरीलंका महाबोधी सोसायटी का सांची के म्यूजियम के पास एक बहुत बड़ा सुंदर विहार भी है, जहाँ सांची आने वाला कोई भी यात्री ठहर सकता है।

माली सैनी समाज संस्था झुंझुनूं ने महात्मा ज्योतिबा फुले पुण्यतिथि पर आयोजित की प्रदेश-स्तरीय ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी

सैकड़ों प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा, कमला देवी व अनूप सैनी रहे प्रथम

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

महापुरुषों की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का लक्ष्य

महात्मा ज्योतिबा फुले की पुण्यतिथि के अवसर पर माली सैनी समाज संस्था झुंझुनूं द्वारा प्रदेश-स्तरीय ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। परीक्षा प्रभारी डॉ. बी.एल. सैनी (श्रीमाधोपुर) एवं परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर हितेश सैनी ने रजिस्ट्रेशन से लेकर परीक्षा परिणाम तक पूरे आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस प्रतियोगिता में गुलामगिरी ग्रंथ, सत्यशोधक समाज की स्थापना, किसान का कोड़ा, महात्मा फुले द्वारा प्रथम कन्या पाठशाला की शुरुआत जैसे विविध और महत्वपूर्ण विषयों से जुड़े प्रश्न शामिल किए गए, जिन्होंने प्रतिभागियों को गहन चिंतन के लिए प्रेरित किया। परीक्षा नियंत्रक प्रो. हितेश सैनी ने कहा कि इस प्रकार की परीक्षाएं समाज के अंतिम छोर तक बसे लोगों तक महात्मा ज्योतिबा फुले एवं सावित्रीबाई फुले की विचारधारा पहुंचाने का सशक्त माध्यम हैं। मीडिया प्रभारी नरेश बगड़ ने बताया कि समाज सुधार के क्षेत्र में फुले दंपती द्वारा किए गए ऐतिहासिक योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने हेतु संस्था समय-समय पर इस प्रकार की शैक्षिक प्रतियोगिताओं का आयोजन करती है। संस्था के जिलाध्यक्ष महेन्द्र शास्त्री ने कहा कि प्रश्नोत्तरी में फुले दंपती द्वारा समाज में किए गए अमूल-चूल परिवर्तनों से जुड़े प्रश्न शामिल किए गए, जिससे युवाओं को वास्तविक इतिहास की जानकारी मिल सके। प्रदेशभर से सैकड़ों प्रतिभागियों ने ऑनलाइन माध्यम से अपनी सहभागिता दर्ज कराई। प्रतियोगिता के परिणाम में प्रथम स्थान कमला देवी (झुंझुनूं), अनूप सैनी, (झुंझुनूं) द्वितीय स्थान प्राप्त करने में कृष्ण टांक (जोधपुर),सुनील सैनी (झुंझुनूं),हेमराज सैनी (सीकर),गौरव सैनी (झुंझुनूं) वहीं तृतीय स्थान पर योगेश सैनी (अशोक नगर),अभिनव सैनी,दक्ष सैनी, राजकिशोर (सीकर), बनवारीलाल सैनी (कोटपुतली), कोमल सैनी (झुंझुनूं), मनीष सैनी (सीकर) आदि को संस्था ने सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भविष्य में भी ऐसे प्रेरणादायी एवं जागरूकता बढ़ाने वाले कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

उदयपुरवाटी विधायक ने की जनसुनवाईःस्टे के बाद भी जमीन पर कब्जे की शिकायत को लेकर पहुंची, विधायक ने आश्वासन दिया

भीम प्रज्ञा न्यूज

उदयपुरवाटी । उदयपुरवाटी के बागोरा की एक महिला ने विधायक भगवानाराम सैनी से मिलकर अपनी पैतृक जमीन पर भू-माफियाओं द्वारा जबरन कब्जा करने की शिकायत की है। महिला का आरोप है कि उपखंड न्यायालय के स्थगन आदेश (स्टे) के बावजूद जमीन पर कब्जा किया जा रहा है। बागौरा निवासी सुमन कुमावत ने विधायक सैनी को बताया-गांव में उनके पिता रामोतार के नाम से खातेदारी जमीन है। खसरा नंबर 244, 245, 251, 252 और 253, कुल रकबा 1.46 हेक्टेयर में उनके पिता का 1/5 हिस्सा रिकॉर्ड में दर्ज है।

सुमन कुमावत ने बताया- विवादित जमीन पर उपखंड न्यायालय का स्टे आदेश है। इसके बावजूद गीगाराम, सांवर मल, बद्री, संतोष देवी, सागरमल, छीतरमल और अनिल कुमार सहित अन्य लोग उनकी जमीन पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। वे आए दिन तारबंदी और जाळ लगाकर न्यायालय के आदेशों की अवहेलना कर रहे हैं।

पीड़ित महिला ने बताया कि उदयपुरवाटी पुलिस और न्यायालय द्वारा पाबंद किए जाने के बावजूद आरोपी न्यायालय के आदेशों का उल्लंघन कर रहे हैं। पुलिस को बार-बार शिकायत करने के बाद भी आरोपियों पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। विधायक सैनी ने इस मामले में थाना प्रभारी से बात कर महिला को मदद का आश्वासन दिया है।

गणियार में डॉक्टर बेटी का बनवारा घोड़ी पर निकाला गया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । अटेली क्षेत्र के गांव गणियार में एक बेटी का बनवारा घोड़ी पर निकाला गया। इस बेटी के जन्म होने पर भी माता-पिता ने 27 वर्ष पर खूब खुशिया मनायी थी। बेटी के पिता नरेश यादव पत्नी सरोज देवी ने अपनी बेटी को बेटे की तरह से उसको खूब पढ़ाया। लडक़ी के चाचा पीएसओं सतीश यादव ने बताया कि बेटी डा. भारती यादव को एमबीबीस के बाद एमडी करवा कर उसके विवाह पर परिवार ने खूब खुशिया मनायी गयी। बेटी के विवाह परिवार ने दहेज रहित किया लेकिन परिवार ने खूब खुशिया मना कर मान सम्मान के साथरेवाड़ी के तीन सेक्टर सुसराल में विदा किया। दूल्हा (लडक़ा) डा. हितेश स्पेशलिस्ट चिकित्सक है। लडक़ी के पिता ने नरेश यादव ने बताया कि बच्ची के जन्म के बाद ही पढ़ाने के साथ विवाह से पूर्व बनवारा घोडी पर बाजे-गाजे के साथ निकाला गया। विवाह में बेटी को आशीर्वाद देने के लिए पूर्व विधायक सीताराम यादव, मनीष मितल, विकास चेयरमैन, नरेंद्र पपु सरपंच, युवा नेता शोमेश, जगत सिंह मास्टर, बाबू बनवारी लाल, विकास पीए, चेतन देव, जितेंद्र बोहरा, नेमीचंद मास्टर, मास्टर सुंदरलाल समेत अनेक गणमान्य लोग शामिल हुए।

अटेली बीडीपीओं में लंबे समय तक सेवा देने वाले सैदपुर निवासी विजय सिंह का निधन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । अटेली बीडीपीओं में अपनी सेवा देने वाले गांव सैदपुर निवासी विजय सिंह का 78 वर्ष की आयु में निधन हो गया। विजय सिंह ने पंचायत विभाग में 25 वर्षो से अधिक सेवा दे कर ग्राम पंचायतों व सरपंचों को बड़ा सहयोग किया। उनके बेटे महेश सैन ने बताया कि उनकी बैठक गांव सैदपुर में हो रही है। वह अपने पीछे 3 लडक़े ,एक लडक़ी समेत भरा पूरा परिवार छोड़ कर चले गये है।

अध्यात्म, कला, ज्ञान व संस्कृति को समर्पित गीता जयंती महोत्सव का भव्य आगाज

पूर्व विधायक दुड़ाराम ने किया तीन दिवसीय गीता जयंती महोत्सव का शुभारंभ

- **गीता जीवन को सही दिशा देने वाला एक महान ग्रंथ : दुड़ाराम**
- **हवन, स्वस्तिवाचन व दीप प्रज्वलन से गीता जयंती महोत्सव में दिखी सांस्कृतिक विरासत**
- **गीता महोत्सव में लोक कलाकारों सहित स्कूली विद्यार्थियों ने बांधा समां**

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । जिला स्तर पर शनिवार को स्थानीय पंचायत भवन में तीन दिवसीय गीता जयंती महोत्सव का हवन, मंत्रोच्चारण व दीप प्रज्ज्वलन के साथ भव्य आगाज हुआ। गीता महोत्सव में अध्यात्म, कला, ज्ञान व संस्कृति का अनूठा संगम दिखाई दिया। गीता जयंती महोत्सव के दौरान सांस्कृतिक विधा के रूप में जहां गीता ज्ञान की गंगा प्रवाहित हुई, वहीं सरकार की जनहितकारी नीतियों व योजनाओं की जानकारी लोगों तक प्रदर्शनी के माध्यम से पहुंचाई गई। सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा व जिला प्रशासन फतेहाबाद की संयुक्त भागीदारी के साथ आयोजित तीन दिवसीय जिला स्तरीय गीता जयंती महोत्सव का शुभारंभ फतेहाबाद के पूर्व विधायक दुड़ाराम द्वारा किया गया। गीता जयंती महोत्सव में पूर्व विधायक दुड़ाराम सहित गणमान्यजनों ने हवन में आहुति डालने के बाद सांस्कृतिक मंच से गीता पूजन करते हुए दीप प्रज्ज्वलन कर गीता जयंती महोत्सव का गरिमामयी ढंग से शुभारंभ किया। इसके बाद पूर्व विधायक दुड़ाराम ने रिबन काटकर सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग सहित विभिन्न विभागों की ओर से लगाई गई अंत्योदय व जनकल्याण को समर्पित प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए अन्य विभागों व धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं द्वारा लगाई गई प्रदर्शनियों का अवलोकन किया।

श्रीमद्भगवत गीता जीवन को सही दिशा देने वाला एक महान ग्रंथ : दुड़ाराम

पूर्व विधायक दुड़ाराम ने तीन दिवसीय गीता महोत्सव पर आए हुए लोगों का स्वागत करते हुए कहा कि श्रीमद्भगवत गीता जीवन पथ पर कर्मों और नियमों के साथ चलने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि गीता जीवन को सही दिशा देने वाला एक महान ग्रंथ है और यह जीवन जीने की राह दिखाती है। गीता हमे सिखाती है के हमे कर्तव्य और ईमानदारी से कर्म करना चाहिए।इसी प्रकार गीता महोत्सव के दूसरे दिन 30 नवंबर को जहां सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी जाएंगी वहीं गीता पर आधारित सेमिनार का आयोजन होगा, जिसमें अलग-अलग स्थानों के प्रख्यात एवं बुद्धिजीवी विद्वान श्रीमद भगवत गीता में व्याप्त ज्ञान का बखान करेंगे।

सेल्फी प्वाइंट बना आकर्षण का केंद्रः-

गीता जयंती महोत्सव में जहां स्टॉलों पर लोगों की खूब भीड़ लगी रही और योजनाओं को लेकर पंजीकरण भी करवाया गया। वहीं श्रीमद भगवत गीता पर आधारित बनाया गया सेल्फी प्वाइंट भी लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा। आरटीए, महिला एवं बाल विकास और नगर परिषद द्वारा स्थापित किए गए इन सेल्फी प्वाइंट पर फोटो खिंचने के लिए युवा, महिला व बच्चों सहित बुजुर्गों की भी भीड लगी रही। जिला स्तरीय गीता महोत्सव की शुरुआत में सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के उपनिदेशक अमित पंवार ने मुख्य अतिथि पूर्व विधायक दुड़ाराम सहित गणमान्य अतिथियों और उपस्थित नागरिकों का हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने कहा कि गीता जयंती केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि संस्कृति, शिक्षा, कला व जनजागरण का व्यापक मंच है। इस दौरान उपनिदेशक अमित पंवार ने तीन दिवसीय कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी भी दी।इस अवसर पर एडीसी अनुराग ढालिया, एसडीएम राजेश कुमार, आरटीए सचिव संजय बिश्नोई, जिप सीईओ सुरेश कुमार, भाजपा के वरिष्ठ नेता महेश शर्मा, नप उपाध्यक्ष सविता टुटेजा, वाइस चेयरमेन बंसीलाल जांडवाला, मनदीप योगी, सीताराम, डीआरओ श्याम लाल, डीडीपीओ अनूप सिंह, डीईओ संगीता बिश्नोई, डीडब्ल्यूओ विनोद चावला, जगदीश शर्मा, अशोक जाखड़, जसवंत माचरा, एडवोकेट संत कुमार टुटेजा, विकास शर्मा, मेनपाल गोदारा, सीता राम पूनिया, पूनम सिंगला, सुदामा शास्त्री, अशोक शर्मा, रमेश बेनीवाल, नीलम मेहता, सुमन बजाज, भारती अरोड़ा, विजय जांगड़ा, राजेंद्र सरबटा, राजू मोटियार, शहर और ग्रामीण क्षेत्र के गणमान्य नागरिक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी व विभिन्न स्कूलों के बच्चे उपस्थित रहे।

आशा सहयोगिनियों की मासिक बैठक में योजनाओं की प्रगति पर की विस्तृत समीक्षा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

आशा सहयोगिनियों की मासिक बैठक डिप्टी कंट्रोलर डॉ शीशराम चौधरी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई।बैठक में नर्सिंग अधिकारी श्रीमती सरिता, लेखा सहायक कमल पारीक, एलएचवी सरस्वती कंप्यूटर ऑपरेटर महिपाल, सुनीता एवं समस्त एएनएम उपस्थित रहीं। बैठक में जेएसस्के लाडो योजना, सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग व संपूर्ण टीकाकरण की प्रगति पर चर्चा करते हुए आगामी माह हेतु लक्ष्यों को स्पष्ट किया गया। साथ ही योजनाओं का अधिकाधिक प्रचार-प्रसार करने तथा लाभार्थियों की संख्या बढ़ाने के निर्देश प्रदान किए गए।

राजस्थान पुरुष और महिला अंडर-23 टीम की करारी हार

71 रनों पर ऑल-आउट हुई महिला टीम, 8 खिलाड़ी 10 रन के आंकड़े को भी नहीं कर पाए पार

जयपुर

राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में जारी सियासी उठा पटक असर अब खिलाड़ियों पर नजर आने लगा है। टीम में लगातार हो रहे बदलाव और खराब खिलाड़ियों के सिलेक्शन के बाद राजस्थान की टीम भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के दो अहम टूर्नामेंट से बाहर हो गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड द्वारा आयोजित पुरुषों की अंडर-23 वनडे ट्रॉफी के सेमीफाइनल में राजस्थान को उत्तर प्रदेश ने हराकर फाइनल में जगह बना ली। जबकि महिलाओं की अंडर-23 टी - 20 ट्रॉफी में बंगाल ने राजस्थान को 71 रन पर ऑल आउट कर 59 रनों से करारी शिकस्त दी।

पिलानी शराब ठेके पर फायरिंग का पर्दाफाश, 25-25 हज़ार के दो मुख्य इनामी बदमाश गिरफ्तार

जिला पुलिस की बड़ी कार्रवाई: रोहतक का कुख्यात शूटर 'अक्षय पंडित' और स्थानीय बदमाश 'सचिन उर्फ कालू' दबोचे गए

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पिलानी।

पिलानी क्षेत्र के लिखवा गांव स्थित शराब ठेके पर बीते दिनों हुई फायरिंग की सनसनीखेज वारदात का जिला पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने लगभग 750 किलोमीटर पीछा करने और गहन तकनीकी विश्लेषण के बाद 25-25 हजार रुपये के इनामी दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान रोहतक (हरियाणा) निवासी अक्षय पंडित उर्फ माकड़ (27) और लिखवा निवासी सचिन मेघवाल उर्फ कालू (24) के रूप में हुई है। अक्षय पंडित हरियाणा में भी शराब ठेकों पर फायरिंग और रंगदारी के कई मामलों में वांछित था। जिला पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय IPS के निर्देशन में, एएसपी देवेंद्र सिंह राजावत और चिड़ावा वृताधिकारी विकास धींघरवाल के सुपरविजन में गठित 10 से अधिक विशेष टीमों ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। वारदात के बाद फरार चल रहे मुख्य आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस टीमों ने राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, फरीदाबाद और गुरुग्राम में लगातार दबिशें दीं। पुलिस ने इस दौरान 500 से अधिक सीसीटीवी फुटेज और 200 से अधिक कॉल डिटेल रिकॉर्ड (CDR) का गहन विश्लेषण किया।आखिरकार, तकनीकी व मानव आसूचना के आधार पर कुख्यात शूटर अक्षय पंडित को बुवानी खेड़ा (हरियाणा) में मोसी के बेटे के खेत में बने

मकान से गिरफ्तार किया गया। उसकी निशानदेही पर पुलिस टीम ने सचिन उर्फ कालू को भी पाथड़िया रोड स्थित पहाड़ी क्षेत्र से भागते समय पीछा कर पकड़ लिया।

दहशत फैलाकर रंगदारी वसूलने की थी साजिश

थाना पिलानी के थानाधिकारी चंद्रभान के नेतृत्व वाली टीम ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों ने 21 नवंबर 2025 की शाम करीब 7.30 बजे लिखवा के शराब ठेके पर फायरिंग की वारदात को अंजाम दिया था। मोटरसाइकिल पर आए सचिन उर्फ कालू और उसके साथी ने सेल्समैन को पहले एक धमकी भरा कागज़ थमाया, जिसमें ठेके में हिस्सेदारी व मासिक रकम नहीं देने पर जान से मारने की धमकी लिखी थी। इसके बाद ठेके के अंदर शराब की बोतलों पर फायरिंग की और खुले मैदान में चार हवाई फायर करके दहशत फैलाई थी। पूछताछ में खुलासा हुआ कि हरियाणा में रंगदारी के मामलों में फरार चल रहे मुख्य आरोपी अक्षय पंडित ने पिलानी क्षेत्र में स्थानीय युवकों की एक गैंग बनाकर शराब ठेकों से रंगदारी वसूलने की योजना बनाई थी। इसी योजना के तहत दहशत फैलाने के उद्देश्य से इस वारदात को अंजाम दिया गया था। अक्षय पंडित के खिलाफ भिवानी और रोहतक में आर्म्स एक्ट व रंगदारी के कई मामले दर्ज हैं, और वह थाना महम के एक केस में भी फरार चल रहा था। वहीं, सचिन मेघवाल के खिलाफ पिलानी थाने में चोरी एवं नकबजनी के दो प्रकरण पहले से दर्ज हैं। इस मामले में पुलिस पहले ही हिमांशु जाट और पंकज उर्फ टोनी को गिरफ्तार कर चुकी है।

संगठित अपराध को कुचला जाएगा

पुलिस अधीक्षक ने कहा है कि दोनों आरोपियों से गहन पूछताछ जारी है तथा गिरोह के अन्य संभावित सहयोगियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में संगठित अपराध और रंगदारी की हर कोशिश को सख्ती से कुचला जाएगा।

ढाणी बाढ़ान में पशु चिकित्सालय भवन को 46.50 लाख स्वीकृत

ग्रामीणों ने बांटी मिठाई, डॉक्टर की नियुक्ति की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज

जसरापुर । जसरापुर क्षेत्र के ढाणी बाढ़ान गांव में पशु चिकित्सालय भवन निर्माण के लिए राज्य सरकार ने 46.50 लाख रुपए स्वीकृत किए हैं। वर्षों से जर्जर भवन के कारण पशुपालकों को पशुओं के उपचार में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। इस स्वीकृति से ग्रामीणों ने राहत महसूस की है। स्वीकृति मिलने के बाद शनिवार को ग्रामीण पशु चिकित्सालय परिसर में एकत्र हुए। उन्होंने आपस में मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया और खेतड़ी विधायक इंजीनियर धर्मपाल गुर्जर तथा राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों ने इसे गांव के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया। पूर्व सरपंच नरेंद्र सिंह ने बताया कि ढाणी बाढ़ान स्थित राजकीय पशु चिकित्सालय का भवन कई वर्षों से दयनीय स्थिति में था। दीवारों का प्लास्टर टूट चुका था, बरसात में छत से पानी टपकता था, जिससे दवाइयों को सुरक्षित रखने में भी परेशानी आती थी। ग्रामीणों ने कई बार भवन सुधार की मांग की थी। नए भवन के निर्माण से पशुओं के उपचार के लिए एक सुरक्षित और व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध होगा। हालांकि, ग्रामीणों ने भवन स्वीकृति के साथ ही एक स्थायी पशु चिकित्सक नियुक्त करने की मांग को भी प्रमुखता से उठाया है। पूर्व सरपंच नरेंद्र सिंह शेखावत और अन्य ग्रामीणों ने बताया कि वर्तमान में केवल पशुधन सहायक और पशु परिचर ही कार्यरत हैं, जबकि पशु चिकित्सक का पद रिक्त है। डॉक्टर के अभाव में गंभीर बीमारियों से ग्रस्त पशुओं का समय पर उपचार नहीं हो पाता। गांव की गोशाला में भी बड़ी संख्या में पशु हैं, जिनके बीमार होने पर निजी डॉक्टरों को बुलाना पड़ता है, जिससे आर्थिक बोझ बढ़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि नया भवन बनना एक सकारात्मक कदम है, लेकिन डॉक्टर की नियुक्ति के बिना इसका पूरा फायदा नहीं मिल पाएगा। उन्होंने विधायक एव सरकार से मांग को शीघ्र पूरा करने की आशा व्यक्त की। इस अवसर पर शिवराज सिंह शेखावत (मंडल मंत्री भाजपा), कैप्टन पृथ्वी सिंह शेखावत, श्रीराम सिंह, विक्रम सिंह, कैप्टन भंवर सिंह, देशराज सिंह, कैप्टन इंदर सिंह, मुकेश सिंह, धर्मेंद्र सिंह, चेयरमैन रघुवीर सिंह, सुरेश सिंह, हिम्मत सिंह, नेपाल सिंह, भीम सिंह, राजवीर सिंह, लाल सिंह, शेर सिंह सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

बीकानेर कांग्रेस के दोनों जिलाध्यक्षों ने जयपुर में पूर्व सीएम अशोक गहलोत से की मुलाकात

संगठनात्मक नियुक्तियों के बाद, नए अध्यक्षों ने लिया पार्टी को मजबूत करने का मार्गदर्शन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर/जयपुर।

सोहनलाल परिहार । बीकानेर कांग्रेस में नव-संगठनात्मक नियुक्तियों के बाद, बीकानेर देहात कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष बिशनाराम सियाग और बीकानेर शहर कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष मदन गोपाल मेघवाल ने आज जयपुर में राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से शिष्टाचार मुलाकात की। दोनों अध्यक्षों ने अपनी नई जिम्मेदारी मिलने के उपलक्ष्य में पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत को बधाई और शुभकामनाएं दीं। माना जा रहा है कि इस मुलाकात के दौरान दोनों नए जिलाध्यक्षों ने अपने-अपने क्षेत्रों में पार्टी संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनौतियों का सामना करने पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री से जमीनी

स्तर पर पार्टी को फिर से सक्रिय करने के लिए महत्वपूर्ण मार्गदर्शन और सुझाव प्राप्त किए। यह मुलाकात राजस्थान कांग्रेस में नए नेतृत्व को जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करने की दिशा में सक्रिय करने का एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

टोहाना की नाबालिग दलित किशोरी के साथ हुई छेड़छाड़ के मामले में आरोपीयों पर शीघ्र कानूनी कार्यवाही हो- एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा

नाबालिग किशोरी को न्याय न मिलने पर डीजीपी हरियाणा से शिकायत करेगा परिवार

राष्ट्रीय महिला आयोग व हरियाणा महिला आयोग को भी शिकायत की ई-मेल भेजी है

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

टोहाना के राजनगर की एक दलित किशोरी से छेड़छाड़ के मामले में स्थानीय शहर थाना पुलिस में एक सप्ताह से शिकायत पर कोई संज्ञान नहीं लेने से दलित समाज में भारी रोष व्याप्त है। नाबालिग दलित किशोरी की मां शिकायत कर्ता ने अपनी नाबालिग बेटी के साथ हुई छेड़छाड़ व उसे बहला फुसलाकर कर घर से अगवा करने वाले लड़के व उसके पिता पर स्थानीय पुलिस ने

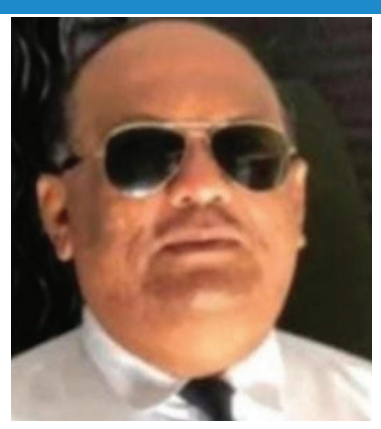

जब कोई कार्यवाही नहीं की तो शिकायत कर्ता ने जिला फतेहाबाद के एसपी सिद्धांत जैन आइपीएस को शिकायत दर्ज कराई परंतु उस पर भी लगभग एक सप्ताह होने को आ रहा है परंतु आरोपीयों पर कोई न होने से दलित समाज में भारी रोष व्याप्त है। शिकायत कर्ता ने अपनी नाबालिग बेटी को न्याय दिलाने के लिए सीएम विंडो में भी शिकायत भेजीऔर एसपी सिद्धांत जैन को भेजी शिकायत का हवाला देकर मिली परंतु स्थानीय पुलिस की महिला डेस्क की जांच अधिकारी ने शिकायत कर्ता से ही दुर्व्यवहार किया जिससे शिकायत कर्ता काफी आहत हुई। नाबालिग दलित किशोरी के साथ हुए अन्याय के बाद दलित वर्ग के संगठनों ने डीजीपी हरियाणा से मिलने के लिए समय मांगा है। भीम आर्मी हरियाणा लीगल विंग के प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा टोहाना ने कहा है कि दलित किशोरी को सोमवार तक न्याय नहीं मिला तो भीम आर्मी हरियाणा आगामी कार्रवाई को मजबूर होगी जिसकी सारी जिम्मेदारी स्थानीय पुलिस प्रशासन की होगी। स्थानीय पुलिस शहर टोहानाके एस एच ओ व महिला डेस्क की जांच अधिकारी ने लगभग एक सप्ताह बाद तक भी आरोपियों को पूछताछ तक के लिए नहीं बुलाया जिससे स्थिति साफ है कि आरोपीयों को कहीं न कहीं से संरक्षण मिल रहा है जिस कारण पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। भीम आर्मी लीगल विंग के प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा टोहाना ने डीजीपी हरियाणा को स्वयं भी ई-मेल भेज कर नाबालिग दलित किशोरी को न्याय दिलाने की मांग की है।

पूर्व सरपंच एडवोकेट सूरजभान सिंह जाखड़ ने जाट बोर्डिंग हाऊस संस्थान को एक लाख रुपए की सहयोग राशि भेंट की

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सीकर।

जाट बोर्डिंग हाऊस संस्थान में निर्माणाधीन 6 मंजिला प्रोजेक्ट त्रिलोक सिंह रिसर्च एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट भवन के निर्माण कार्यों में सहयोग के लिए जिले के अनेक समाज बंधुओं द्वारा आर्थिक सहयोग दिया जा रहा है। संस्थान के प्रेस सचिव हरिराम मील ने बताया कि दासा की ढाणी पूर्व सरपंच एडवोकेट सूरजभान सिंह जाखड़ ने संस्थान को एक लाख रुपए की सहयोग राशि भेंट की। इस अवसर पर जाट बोर्डिंग हाऊस संस्थान अध्यक्ष गणेश बेरवाल, के डी नेहरा, बनवारी लाल नेहरा, हरिराम मील, ओंकार मल मूड़, सुरेश थालोड़,

सोहन बाजियां तथा समस्त कार्यकारिणी की ओर से संस्थान को आर्थिक राशि भेंट करने वाले भामाशाह को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया तथा धन्यवाद व आभार जताया गया।

बीकानेर के मुद्दों को लेकर प्रदेश कांग्रेस सचिव रामनिवास कुकणा ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से की मुलाकात

भीम प्रज्ञा न्यूज़.जयपुर।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव रामनिवास कुकणा शनिवार को जयपुर में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से उनके राजकीय आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की। मुलाकात के दौरान कुकणा ने पूर्व मुख्यमंत्री को बीकानेर क्षेत्र के विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों और समस्याओं से विस्तार से अवगत

कराया। उन्होंने बीकानेर की वर्तमान राजनीतिक एवं सामाजिक स्थिति पर भी गहन चर्चा की और क्षेत्र के विकास तथा संगठन को मजबूत करने हेतु मार्गदर्शन प्राप्त किया। प्रदेश कांग्रेस सचिव रामनिवास कुकणा ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बीकानेर के मुद्दों को गंभीरता से सुना और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कुकणा ने इस महत्वपूर्ण चर्चा के लिए पूर्व मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

बुहाना थाने में CI बिमला बुडानिया ने संभाला पदभार, सीमा पर गश्त बढ़ाने पर जोर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

सीआई बिमला बुडानिया ने शनिवार को बुहाना थाना प्रभारी का पदभार संभाल लिया है। पूर्व थानाधिकारी उमराव सिंह जाट के शानदार कार्यकाल के बाद उन्होंने यह जिम्मेदारी संभाली है। पदभार ग्रहण करने के बाद सीआई बिमला बुडानिया ने अपनी प्राथमिकताओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि बुहाना थाना क्षेत्र हरियाणा सीमा से सटा हुआ है, जिसके कारण यहां आपराधिक गतिविधियों की संभावना अधिक रहती है। इस चुनौती को देखते हुए, हरियाणा बॉर्डर पर पुलिस गश्त बढ़ाई जाएगी और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि थाने में आने वाले हर परिवादी (शिकायतकर्ता) की समस्या का समाधान समयबद्ध एवं प्राथमिकता से किया जाएगा। यह नियुक्ति क्षेत्र में कानून व्यवस्था को और सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आगंतुकों का आभार व्यक्त किया, जबकि राजूलाल जाटव ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर केटीएसएस महामंत्री बिड़दूराम सैनी, ऑफिसर्स एसोसिएशन अध्यक्ष सवाई सिंह सिराधना सहित कई अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहें।

महाराजा सूरजमल के बलिदान दिवस पर बीकानेर में 'डे नाइट शूटिंग वॉलीबॉल' प्रतियोगिता

जाट छात्रावास में 24 और 25 दिसंबर को होगा दो दिवसीय खेल आयोजन; पोस्टर का विमोचन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । अजेय योद्धा महाराजा सूरजमल के 262वें बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में, बीकानेर में दो दिवसीय डे नाइट शूटिंग वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन महाराजा सूरजमल को श्रद्धांजलि देने और खेल भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया जा रहा है। नीरू चौधरी ने इस आयोजन की घोषणा करते हुए बताया कि 'डे नाइट शूटिंग वॉलीबॉल

प्रतियोगिता - 6' का आयोजन 24 दिसंबर और 25 दिसंबर को किया जाएगा। यह दो दिवसीय प्रतियोगिता बीकानेर स्थित जाट छात्रावास, तिलकनगर के मैदान पर होगी। हाल ही में इस दो दिवसीय खेल आयोजन के पोस्टर का विमोचन किया गया, जो इस प्रतियोगिता की आधिकारिक शुरुआत का प्रतीक है। यह प्रतियोगिता महाराजा सूरजमल के बलिदान दिवस के अवसर पर युवाओं को खेल के माध्यम से जोड़ने और उनकी वीरता को याद करने का एक प्रयास है।

बीकानेर शहर कांग्रेस ज़िलाध्यक्ष मदनगोपाल मेघवाल का भीनासर में भव्य स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । बीकानेर शहर कांग्रेस के नव-मनोनीत ज़िलाध्यक्ष मदनगोपाल मेघवाल के मनोनयन के उपलक्ष्य में उनके पहली बार भीनासर की पावन धरा पर पधारने पर एक छोटा किंतु उत्साहपूर्ण स्वागत समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ नेताओं ने गर्मजोशी से उनका अभिनंदन किया। स्वागत कार्यक्रम के दौरान, मदनगोपाल मेघवाल को माला पहनाई गई और मिठाई खिलाकर बधाई दी गई। ज़िलाध्यक्ष महोदय ने कार्यकर्ताओं के स्नेह और उत्साह के लिए उनका आभार व्यक्त किया और विश्वास दिलाया कि वे सभी को साथ

लेकर पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को ज़मीनी स्तर पर मज़बूती देंगे। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता टीकूराम मेघवंशी, मंडल अध्यक्ष बाबूलाल जल, और यूथ कांग्रेस जिला महासचिव भीखाराम मेघवाल ने ज़िलाध्यक्ष को बधाई दी। कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख कार्यकर्ताओं में कैलाश कड़ेला, सोहनलाल, पूर्व पार्षद मोहनलाल गहलोत, पोकरराम, मूलचंद, बाबूलाल सिंघल, भूराराम, लूणाराम, पूनमचंद, कमल चंद, विदीत सहित बड़ी संख्या में स्थानीय कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल थे। सभी नेताओं ने मेघवाल के नेतृत्व पर पूर्ण विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में बीकानेर शहर कांग्रेस संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी।

झुंझुनूं में 32 हजार वोटर के एड्रेस बदले:

सबसे ज्यादा पिलानी में, नौकरी और शादी की वजह से बदली लोकेशन

भीम प्रज्ञा न्यूज

झुंझुनूं । विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान झुंझुनूं जिले की मतदाता सूचियों में एक बड़ा बदलाव सामने आया है। बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा किए गए घर-घर सर्वे में यह खुलासा हुआ है कि

जिले के 32,187 से अधिक मतदाता अब स्थायी रूप से अपने मूल निवास स्थान को छोड़ चुके हैं।

बीएलओ ने इन सभी मतदाताओं की 'परमानेंट शिफ्ट रिपोर्ट' (IF फॉर्म) तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेज दी है। जिले में मतदाताओं के स्थायी रूप से शिफ्ट होने का औसत 1.74 प्रतिशत है। इनमें सबसे ज्यादा वोटर पिलानी से शिफ्ट हुए है। इन वोटर के एड्रेस बदलने का सबसे बड़ा कारण नौकरी और शादी सामने आया है।

शीतलहर का अलर्ट, 4 डिग्री तक गिर सकता है तापमान:2 जिलों में रहेगा अधिक असर, दिसंबर की शुरुआत के साथ तेज होगी सर्दी

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टरबेंस का प्रभाव खत्म होने के साथ ही मौसम खुल गया है। अब अगले सप्ताह (1 दिसंबर) से सर्दी तेज होगी। उत्तरी हवा चलने से शेखावाटी और बीकानेर संभाग में न्यूनतम तापमान में 2 से 4 डिग्री तक जाने के आसार हैं। जयपुर मौसम केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया- इसे देखते हुए 3 दिसंबर के लिए सीकर, झुंझुनूं जिलों में कोल्ड-वेव का यलो अलर्ट जारी किया है।

पिछले 24 घंटे में सबसे कम न्यूनतम तापमान लूणकरणसर में रहा राज्य के सभी शहरों में शनिवार को मौसम साफ रहा था। हालांकि दिन में धूप में थोड़ी हल्की रही। पिछले 24 घंटे के दौरान सबसे कम न्यूनतम तापमान बीकानेर के पास लूणकरणसर में 8.8 और सीकर के पास फतेहपुर में 8.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। श्रीगंगानगर में कल न्यूनतम तापमान 9.3, चूरू में 9.6, पिलानी में 10, करौली में 10.1, दौसा में 10.7, वनस्थली (टोंक) में 11.1, अलवर में 11, सीकर में 11.5, जैसलमेर में 12.1, सिरोही में 13, बीकानेर में 14.3, कोटा में 14.8 और जयपुर में 14.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। बीकानेर, सीकर, चूरू के एरिया के में सुबह-शाम हल्की सर्द हवाएं भी चली। **प्रदेश में धूप हल्की रही** - कल प्रदेश में भले ही आसमान खुल गया हो, लेकिन धूप कमजोर रही। बाड़मेर में कल दिन का सबसे अधिक अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जोधपुर में 29.5, बीकानेर में 25.4, चूरू में 25.7, गंगानगर में 24.5, जैसलमेर में 26.1, उदयपुर में 27.8, चित्तौड़गढ़ में 28.4, कोटा में 26, सीकर में 25.5, जयपुर में 26.8 और अजमेर में अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल के राष्ट्रपति ने 5 मार्च को होने वाले चुनावों के लिए सेना की तैनाती को मंजूरी दी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने गुरुवार को कैबिनेट के फैसले और प्रधानमंत्री की सिफारिश को मंजूरी दे दी, जिसमें अगले साल 5 मार्च को होने वाले संसदीय चुनावों के लिए नेपाली सेना को जुटाने की बात कही गई थी। राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने 24 नवंबर को हुई कैबिनेट बैठक के अनुरूप यह सिफारिश भेजी थी। इसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति ने चुनाव सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सेना तैनात करने के सरकार के फैसले का समर्थन किया।

श्रीलंका : 11 दिन से मूसलाधार बारिश व भूस्खलन, 31 की मौत

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका में बीते 11 दिन से जारी मूसलाधार बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के कारण 31 लोगों की मौत हो गई है। इन घटनाओं में करीब 4,000 लोग प्रभावित हुए हैं। श्रीलंका के आपदा प्रबंधन केंद्र ने बृहस्पतिवार को कहा कि अकेले मध्य पर्वतीय जिलों में 18 लोगों की मौत होने की जानकारी मिली है। एक भयावह घटना में, कुंबुक्कना में बढ़ते जलस्तर के बीच एक यात्री बस फंस गई, जिसके बाद आपात दलों ने 23 यात्रियों को बचाया। अडाडेराना समाचार पोर्टल के मुताबिक, करीब 10 लोग घायल हुए हैं जबकि 14 लोग लापता बताए जा रहे हैं।

भारतीय दूत क्वात्रा का अमेरिकी मंत्री से व्यापार समझौते पर जोर

मियामी, एजेंसी। द. अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने अगले साल मियामी में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में उनके देश को आमंत्रित न करने के अमेरिका के कदम को अफसोसजनक बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति रामफोसा और उनके प्रशासन द्वारा अमेरिका के साथ राजनयिक संबंधों को फिर से स्थापित करने के अनेक प्रयासों के बावजूद, राष्ट्रपति ट्रंप हमारे देश के बारे में गलत सूचनाओं-विकृतियों के आधार पर दंडात्मक उपाय लागू करना जारी रखे हुए हैं।

चुनाव से पहले म्यांमार सेना ने 8,665 लोगों को दी माफी

नाएप्यीडॉ, एजेंसी। म्यांमार की सैन्य सरकार ने आगामी चुनाव से पहले कुल 8,665 लोगों को माफी देने की घोषणा की है। इसमें दोषी ठहराए गए 3,085 लोगों की सजा कम करना और फरार 5,580 लोगों के खिलाफ केस खत्म करना शामिल है। हालांकि, कितने राजनीतिक बंदियों को रिहा किया जाएगा, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं है। सेना का दावा है कि यह कदम स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए है, जबकि पश्चिमी देशों और मानवाधिकार समूहों ने चुनाव को पहले ही ढोंग बताया है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में खदान विस्फोट में दो की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बाजौर जिले में छोड़ी गई लैंडमाइन फटने से दो लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना जननत शाह क्षेत्र (चर्मंग तहसील) में बुधवार शाम हुई, जब तीन लोग वहां से गुजर रहे थे। मृतकों की पहचान 18 वर्षीय शमशाद और 22 वर्षीय उस्मान के रूप में हुई। अधिकारियों ने इसे क्षेत्र की शांति भंग करने की साजिश बताया और विस्फोटक लगाने वालों की तलाश के लिए खोज अभियान शुरू किया।

व्हाइट हाउस के पास हमले में महिला सैनिक की मौत

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका में व्हाइट हाउस के पास बुधवार को हुए हमले में घायल महिला नेशनल गार्ड सारा बेकस्ट्रॉम की मौत हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को यह जानकारी दी। ट्रम्प ने बताया कि दूसरे सैनिक एंड्रयू वॉल्फ की हालत सीरियस है। दोनों वेस्ट गार्ड्स वर्जीनिया नेशनल गार्ड से जुड़े थे और अगस्त की शुरुआत में एक सुरक्षा मिशन पर वॉशिंगटन डीसी भेजे गए थे। ट्रम्प ने कहा- 'सारा अब हमारे बीच नहीं हैं और उनके माता-पिता इस समय बेहद दुख में हैं। बेकस्ट्रॉम प्रतिभाशाली नेशनल गार्ड थीं।' सारा जून 2023 में मिलिट्री पुलिस यूनिट में भर्ती हुई थीं। एक अफगानिस्तानी हमलावर ने कल फैरागट वेस्ट मेट्रो स्टेशन के पास सारा को सीने और सिर में गोली मारी थी। इसके बाद उसने एंड्रयू पर फायर किया था। उसी समय पास ही मौजूद तीसरे गार्ड ने चार गोलियां चलाईं, जिसके बाद हमलावर को काबू कर लिया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एंड्रयू वॉल्फ का गंभीर हालत में इलाज जारी है। वॉल्फ फरवरी 2019 में एयर नेशनल गार्ड में शामिल हुए थे। उन्हें अपनी सर्विस के दौरान कई मेडल भी मिल चुके हैं। ट्रम्प ने बताया कि उन्हें इस हमले के बारे में ठीक उस समय पता चला जब वे थैंक्सगिविंग के मौके पर अमेरिकी सैनिकों को वीडियो कॉल करने वाले थे।

इमरान खान के बेटे को भी होने लगा शक, कासिम ने पाकिस्तान से मांगे जिंदा होने के सबूत

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के छोटे बेटे कासिम खान ने सार्वजनिक रूप से सरकार पर अपने पिता को पूर्ण एकांत में रखने और परिवार के किसी भी सदस्य से मिलने से रोकने का आरोप लगाया है। कासिम ने एक्स पर एक पोस्ट में चेतावनी दी है कि परिवार के पास उनके पिता के जीवित होने का कोई प्रमाण नहीं है। उन्होंने जेल के अधिकारियों को उनकी सुरक्षा के लिए जिम्मेदार ठहराया है। आपको बता दें कि कासिम खान आमतौर पर फ्रंट-लाइन की राजनीति से दूर रहते हैं। उन्होंने अपने पिता की हिरासत के बारे में चौंकाने वाले विवरण दिए हैं। उन्होंने कहा कि उनके पिता 845 दिनों से गिरफ्तार हैं। पिछले छह हफ्तों से उन्हें जीरो पारदर्शिता के साथ फांसी की सजा वाले कैदियों के लिए बनी कोठरी में एकांत कारावास में रखा गया है। एक महीने से अधिक समय से परिवार के मिलने पर अघोषित प्रतिबंध लगा हुआ है। अदालत के आदेशों के बावजूद, उनकी बहनों को हर बार मुलाकात करने से रोका गया है। उन्होंने कहा, ' मेरे पिता इमरान खान कोई फोन कॉल नहीं, कोई मुलाकात नहीं और जीवित होने का कोई प्रमाण नहीं है।' उन्होंने और उनके भाई सुलेमान ने एक महीने से अधिक समय से अपने पिता से संपर्क नहीं किया है। कासिम ने इस सूचना ब्लैकाउट को जानबूझकर इमरान खान की स्थिति को छिपाने और अपने परिवार को यह जानने से रोकने का प्रयास बताया कि वह सुरक्षित हैं। कासिम ने पाकिस्तानी सरकार और उसके हैंडलर्स को चेतावनी दी है कि उन्हें मेरे पिता की सुरक्षा और इस अमानवीय अलगाव के हर परिणाम के लिए कानूनी, नैतिक और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पूरी तरह से जवाबदेह ठहराया जाएगा। उन्होंने वैश्विक संस्थानों से तत्काल हस्तक्षेप का आग्रह किया है। कासिम ने कहा, 'अंतर्राष्ट्रीय समुदाय, वैश्विक मानवाधिकार संगठनों और हर लोकतांत्रिक आवाज से मेरा आग्रह है कि वे तत्काल हस्तक्षेप करें। जीवित होने का प्रमाण मांगें, अदालत द्वारा दिए गए आदेश को लागू कराएं, इस अमानवीय अलगाव को समाप्त करें और पाकिस्तान के सबसे लोकप्रिय राजनीतिक नेता की रिहाई की मांग करें, जिन्हें केवल राजनीतिक कारणों से जेल में रखा गया है। ' इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने इन अफवाहों के बीच आधिकारिक प्रतिक्रिया और तत्काल परिवार को मिलने देने की मांग की है। हालांकि, पाकिस्तानी प्रशासन और सरकार ने आरोपों का खंडन किया है। अडियाला जेल प्रशासन ने इमरान खान के ठिकाने बदलने या उन्हें नुकसान पहुंचाने की अटकलों को खारिज कर दिया और कहा कि वह पूरी तरह से स्वस्थ हैं और उन्हें पूरा चिकित्सा ध्यान मिल रहा है। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने जोर देकर कहा कि पीटीआई संस्थापक को अधिकांश कैदियों की तुलना में बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं। उन्होंने दावा किया कि इमरान को ऐसा भोजन मेनू मिल रहा है जो फाइव-स्टार होटल में भी उपलब्ध नहीं है। साथ ही टेलीविजन, व्यायाम उपकरण और एक मखमल का गद्दा भी दिया गया है। इमरान खान की तीन बहनों और पीटीआई कार्यकर्ताओं ने बुधवार को अदियाला जेल के बाहर मुलाकात की मांग को लेकर धरना दिया। जेल अधिकारियों ने अलीमा खान को आश्वासन दिया कि मुलाकात की व्यवस्था की जाएगी, जिसके बाद विरोध समाप्त हो गया। बहनों को आज और मंगलवार को उनसे मिलने की अनुमति मिलने की उम्मीद है।

दावा- सेना के आदेश पर किया गया हमला : मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह कार्रवाई सेना के निर्देश पर की गई। जेल परिसर के बाहर भारी सुरक्षा तैनात थी और पीटीआई समर्थकों की भीड़ लगातार बढ़ रही थी। जब [illegible] के मुख्यमंत्री अफरीदी गुरुवार को खुद जेल पहुंचे, तो हालात बिगड़ गए। पुलिस ने उन्हें और उनके साथ आए नेताओं को आगे बढ़ने से रोक दिया। धक्का-मुक्की के दौरान पुलिसकर्मियों ने सीएम को लात-घूंसे भी मारे और जमीन पर गिरा दिया। [illegible] ने इस घटना को लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताया है।

अफरीदी ने बड़े विरोध-प्रदर्शन की धमकी दी : सुहैल अफरीदी का कहना है कि सरकार को इमरान खान की सेहत और सुरक्षा को लेकर उठे सभी सवालों के सही जवाब देने होंगे। अगर ऐसा नहीं किया गया तो वे जनता के साथ सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर हो जाएंगे। अफरीदी ने आरोप लगाया कि सरकार इमरान खान की हालत की सही जानकारी नहीं दे रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इमरान खान की कुछ हुआ तो इसके नतीजे की जिम्मेदारी पूरी तरह मौजूदा सरकार पर होगी।

उन्होंने पाकिस्तान सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर पर तंज करते हुए कहा कि देश के बिगड़ते हालात के लिए वही जिम्मेदार हैं। अफरीदी का कहना है कि इमरान खान तक पहुंच रोकना और उनकी सेहत की जानकारी छिपाना जनता के भरोसे के साथ खिलवाड़ है।

ऑस्ट्रेलिया में शार्क ने मचाया कोहराम; एक महिला को उतारा मौत के घाट, दूसरा शख्स गंभीर रूप से घायल

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तट पर स्थित एक राष्ट्रीय उद्यान के समुद्र तट पर गुरुवार सुबह शार्क ने दो लोगों पर हमला कर दिया। इस हमले में एक महिला की मौत हो गई और एक पुरुष गंभीर रूप से घायल हुआ। पुलिस के अनुसार यह हादसा सुबह करीब 6:30 बजे हुआ। यह घटना क्राउडी बे नेशनल पार्क के काइलिज बीच पर हुई, जो सिडनी से लगभग 360 किलोमीटर उत्तर में है और बीच कैम्पिंग, मछली पकड़ने तथा ट्रैकिंग के लिए मशहूर है।

इलाके के सभी समुद्र तट अनिश्चितकाल के लिए बंद : इस हमले के बाद इलाके के सभी समुद्र तटों को अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया गया है। पुलिस चीफ इंस्पेक्टर टिमोथी बेली ने बताया कि दोनों पीड़ित एक-दूसरे को जानते थे और तैराकी के लिए पानी में उतरे थे, तभी शार्क ने हमला कर दिया।

घायल जोड़े की एक राहगीर ने की मदद : इस घटना के बाद एक राहगीर ने घायल जोड़े की मदद की। लेकिन महिला को बचाया नहीं जा सका और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुरुष के पैर पर गंभीर चोटें आई हैं और उसे हेलीकॉप्टर से अस्पताल ले जाया गया। उसकी हालत गंभीर लेकिन स्थिर बताई जा रही है। पैरामेडिक जोश स्माइथ ने बताया कि राहगीर की तरफ से बनाया गया अस्थायी टूरनीकेट शायद पुरुष की जान बचाने में मददगार साबित हुआ। उन्होंने कहा, 'जिस व्यक्ति ने घटना के बाद तुरंत प्राथमिक उपचार दिया, उसने पुरुष के जीवन को बचाने में अहम भूमिका निभाई।'

शार्क की हुई पहचान, पकड़ने की कोशिश जारी : सरकारी अधिकारियों ने बताया कि वैज्ञानिकों ने हमले में शामिल शार्क को बड़ा बुल शार्क पहचान लिया है। शार्क को पकड़ने के लिए समुद्र में पांच ड्रमलाइन लगाई गई हैं। पहले से भी पास के मैक्वेरी और फॉर्स्टर समुद्र तटों पर ऐसी व्यवस्था मौजूद थी। शार्क विशेषज्ञ गैविन नेलर ने कहा कि एक ही शार्क का दो लोगों पर हमला करना बेहद दुर्लभ होता है। उन्होंने बताया कि 'शार्क हमले अपने-आप में दुर्लभ हैं, और एक ही शार्क द्वारा दो लोगों पर हमला होना और भी अनोखी घटना है।' पीड़ितों की पहचान जारी नहीं की गई है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार दोनों यूरोपीय पर्यटक थे।

'नेशनल गार्ड्स पर हमला करने वाला पागल हो गया था', रिपोर्टर पर भड़के ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अफगानिस्तान मूल के व्यक्ति द्वारा नेशनल गार्ड्स पर किए गए हमले को लेकर राष्ट्रपति ट्रंप खासे नाराज हैं। इसे लेकर ट्रंप ने पूर्ववर्ती बाइडन सरकार पर निशाना साधना शुरू कर दिया है क्योंकि बाइडन सरकार की पुनर्वास नीति के तहत ही हमलावर रहमानुल्ला लकनवाल अमेरिका आया था। व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि हमलावर पागल हो गया था। साथ ही उन्होंने कहा कि इस तरह के लोगों के साथ ऐसी घटनाएं होती रहेंगी।

ट्रंप ने बाइडन सरकार की नीति की आलोचना की : ट्रंप ने कहा कि बाइडन सरकार की 'ऑपरेशन अलाइस वेलकम' नीति के तहत संदिग्ध लोग अमेरिका में आ गए हैं। बाइडन सरकार ने अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद इस नीति की शुरुआत की थी, जिसके तहत कई अफगान नागरिकों को अमेरिका में शरण दी गई थी। ट्रंप ने नीति की आलोचना करते हुए कहा कि वॉशिंगटन डीसी के हमलावर जैसे कई अन्य लोग इस देश में आ गए हैं। हम उन सभी को बाहर निकालेंगे। इस दौरान एक रिपोर्टर ने कहा कि अमेरिका आए अफगान नागरिक सुरक्षा जांच के बाद ही यहां आए हैं। इस पर ट्रंप ने नाराज होते हुए कहा कि इन लोगों के साथ कई ऐसे भी लोग यहां आ गए हैं, जिन्हें यहां नहीं होना चाहिए था। इसके बाद ट्रंप ने रिपोर्टर को लगभग डांटते हुए कहा कि 'क्या आप मूर्ख हैं? आप ऐसे सवाल पूछ रहे हैं क्योंकि आप बेवकूफ हैं।'

हमले में घायल एक सैनिक की मौत : राष्ट्रपति ट्रंप ने साथ ही बताया कि हमले में घायल नेशनल गार्ड्स की सैनिक साराह बैकस्ट्रोम की मौत हो गई है। वहीं दूसरा सैनिक अपनी जिंदगी के लिए लड़ रहा है। ट्रंप ने बैकस्ट्रोम की तारीफ की और उसे युवा, सम्मानित और शानदार व्यक्ति बताया। ट्रंप ने कहा कि जिस जानवर ने नेशनल गार्ड्स के दो सैनिकों को गोली मारी, उसे इसकी भारी कीमत चुकानी होगी। हमले के तुरंत बाद ही हमलावर रहमानुल्ला लकनवाल को गिरफ्तार कर लिया गया था।

फ्रांस में भी अग्निवीर: मैक्रों ने की 10 महीने की नई स्वैच्छिक सैन्य सेवा योजना की घोषणा, भर्ती होंगे युवा

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गुरुवार को नई राष्ट्रीय सैन्य सेवा पहल की घोषणा की। यह पहल इसलिए की गई है, क्योंकि फ्रांस अपने सशस्त्र बलों को मजबूत करना चाहता है, ताकि यूरोपीय देशों पर रूस के बढ़ते खतरे का सामना किया जा सके।

मैक्रों ने घोषणा की कि 18 और 19 साल के स्वयंसेवक अगले साल 10 महीने की नई सैन्य सेवा योजना में शामिल होना शुरू करेंगे। फ्रैंच आल्प्स में वार्सेस सैन्य अड्डे पर अपने संबोधन में मैक्रों ने कहा कि अगले गर्मियों से एक नई राष्ट्रीय सेवा योजना धीरे-धीरे शुरू की जाएगी। इसमें युवा स्वयंसेवक केवल के के प्रमुख क्षेत्रों में ही सेवा नहीं करेंगे, बल्कि विदेश में भी फ्रांसीसी सैन्य अभियानों में भाग लेंगे। इस साल की शुरुआत में मैक्रों ने फ्रांसीसी युवाओं को सैन्य सेवा में स्वेच्छा से भाग लेने का नया विकल्प देने की अपनी योजना की घोषणा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि फ्रांस में 1996 में खत्म हो चुकी अनिवार्य सैन्य सेवा को फिर से लागू करने का विचार नहीं है। उन्होंने बताया कि रूस का यूक्रेन पर आक्रमण यूरोप के लिए 'बड़े खतरे' का संकेत है, इसलिए फ्रांस अपनी रक्षा को मजबूत करना चाहता है। मैक्रों ने रेडियो आरटीएल को मंगलवार को बताया, जिस दिन आप रूस के प्रति कमजोरी का संकेत देंगे, जिसने पिछले 10 वर्षों में फिर से एक साम्राज्यवादी ताकत बनने का रणनीतिक फैसला लिया है, यानी जहां भी हम कमजोर हैं, वहां वह आगे बढ़ेगा..वह आगे बढ़ता रहेगा।

ईयू के देशों में फ्रांस की सेना दूसरी सबसे बड़ी : मैक्रों ने अगले दो वर्षों में अतिरिक्त सैन्य खर्च के रूप में 6.5 बिलियन यूरो (7.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर) की घोषणा की। उन्होंने कहा कि फ्रांस 2027 में वार्षिक रक्षा खर्च में 64 बिलियन यूरो खर्च करने का लक्ष्य रखेगा, जो उनके दूसरे कार्यकाल का अंतिम वर्ष होगा। यह 2017 में राष्ट्रपति बनने के समय 32 बिलियन यूरो के वार्षिक खर्च का दोगुना होगा। फ्रांस की सेना में वर्तमान में करीब दो लाख सक्रिय सैन्य कर्मी और 40 हजार से अधिक आरक्षित कर्मी हैं, जो इसे यूरोपीय संघ (ईयू) में पोलैंड के बाद दूसरी सबसे बड़ी सेना बनाते हैं। फ्रांस 2030 तक आरक्षित कर्मियों की संख्या एक लाख तक बढ़ाना चाहता है।

फ्रांस के नए सेना प्रमुख के बयान से क्यों हुआ विवाद : फ्रांस के नए सेना प्रमुख जनरल फेबियन मंडॉन ने पिछले हफ्ते चेतावनी दी कि देश को रूस के संभावित संघर्ष की स्थिति में 'अपने बच्चों के बलिदान की तैयारी' करनी होगी। उनके इन शब्दों से विवाद भी खड़ा हुआ। जनरल मंडॉन ने कहा कि रूस ने 2008 में जॉर्जिया के 20 फीसदी क्षेत्र, 2014 में यूक्रेन का क्रीमिया और 2022 में यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण किया। दुर्भाग्य से, आज रूस 2030 तक हमारे देशों के साथ टकराव की तैयारी कर रहा है। वह इसके लिए खुद को संगठित कर रहा है और आश्वस्त है कि इसके अस्तित्व का दुश्मन उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) है। मैक्रों ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय सैन्य सेवा के स्वयंसेवकों को अग्रिम मोर्चे पर नहीं भेजा जाएगा। उन्होंने कहा, हमें किसी भी भ्रम को तुरंत दूर करना चाहिए कि हम अपने युवाओं को यूक्रेन भेजने जा रहे हैं।

बिल्लियों के आतंक से परेशान हुआ न्यूजीलैंड, अब 25 लाख को मारने की तैयारी, सरकार ने बनाई योजना

वेलिंग्टन, एजेंसी। जैव विविधता के लिए मशहूर न्यूजीलैंड पिछले कुछ समय से फेरल (जंगली) बिल्ली के आतंक से परेशान है। ऐसे में इससे छुटकारा पाने के लिए पूरे देश में इनके खात्मे की योजना बना रहा है। इस योजना का लक्ष्य आगामी ढाई दशक में न्यूजीलैंड से इन जंगली बिल्लियों को पूरी तरह से खत्म करना है। संरक्षण मंत्री तमा पोटाका ने फेरल बिल्लियों को स्टोन कोल्ड किलर्स शब्द से परिभाषित करते हुए कहा कि इन्हें प्रिडेटर फ्री 2050 की सूची में शामिल किया जाएगा। लोगों की जिज्ञासा को शांत करने के लिए उन्होंने कहा कि इस हमारा लक्ष्य केवल इन जंगली बिल्लियों को खत्म करना है, घरेलू बिल्लियां इससे बाहर हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, पोटाका ने फेरल बिल्ली के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि यह बिल्लियां हमारी घरेलू बिल्लियों से अलग होती हैं। यह इंसान का संपर्क बर्दाश्त नहीं करती हैं। यह जरूरत से ज्यादा शिकार करना पसंद करती है। इसकी वजह से इसने कई प्रजातियों को नष्ट कर दिया है। इनका आतंक इस कदर है कि न्यूजीलैंड में अब देशी प्रजाति की बिल्लियां न के बराबर रह गई हैं। पोटाका ने बताया कि इन बिल्लियों ने स्टुअर्ट द्वीप पर दक्षिणी डॉटरेल पक्षी का लगभग जड़ से मिटा दिया है, वहीं उत्तरी द्वीप के ओहाकुने इलाके में पिछले एक हफ्ते में इन्होंने 100 से ज्यादा चमगादड़ों की हत्या की है। मंत्री ने कहा कि न्यूजीलैंड अनोखी जलवायु और जैव विविधता वाला देश है। यहां पर कई ऐसी प्रजातियां मिलती हैं, जो दुनिया में कहीं भी नहीं मिलतीं। ऐसे में उन्हें बचाने के लिए इन शिकारी बिल्लियों पर नियंत्रण लगाना आवश्यक है। आपको बता दें न्यूजीलैंड में करीब 25 लाख से अधिक जंगली बिल्लियां रहती हैं। यह बिल्लियां घरेलू बिल्लियों से थोड़ी बड़ीं और 7 किलो के वजह की हो सकती हैं। न्यूजीलैंड में इनकी बढ़ती संख्या की वजह से यह बहुतायत में मिल जाती हैं। जंगलों से लेकर खेतों तक यह हर जगह नजर आती हैं। इसके अलावा इन बिल्लियों को रोगजनक भी माना जाता है। पोटाका ने कहा कि यह बिल्ली टॉक्सोप्लाजमोसिस नामक बीमारी फैलाती है, जो इंसानों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालती है और इसके अलावा दुधारू पशुओं को भी नुकसान पहुंचाती है। इन्हीं कारणों की वजह से इन्हें प्रिडेटर फ्री 2050 की सूची में शामिल किया गया है। गौरतलब है कि न्यूजीलैंड की सरकार ने यह कार्यक्रम अपने यहां की जैव विविधता के लिए खतरा बनने वाली आक्रामक प्रजातियों को खत्म करने के लिए बनाया था।

पाकिस्तान से बढ़ रही रूस की करीबी?: दोनों देशों में व्यापार-ऊर्जा सहयोग पर सहमति

इस्लामाबाद, एजेंसी। रूस और पाकिस्तान के बीच व्यापार, ऊर्जा, तकनीक, शिक्षा, स्वास्थ्य और संस्कृति समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने को लेकर सहमति बनी है। दोनों देशों ने इस बीच कई अहम ज्ञापन समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए। बताया गया है कि दोनों देशों के बीच यह समझौते पाकिस्तान-रूस अंतरसरकारी आयोग (आईजीसी) की 10वीं बैठक में हुए। बैठक की सह-अध्यक्षता पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्री अवैस लेघारी और रूस के मंत्री सर्गेई सिविलेव ने की। पाकिस्तान के द डॉन अखबार के मुताबिक, दोनों देशों के बीच जिन तीन अहम एमओयू पर हस्ताक्षर हुए, उनमें-गुणवत्ता मानकों, एकाधिकार-विरोधी नियामक और मीडिया और पेशेवर क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के एमओयू शामिल रहे। इसके अलावा दोनों पक्षों ने व्यापार बढ़ाने, निर्यात पोर्टफोलियो में विविधता लाने और व्यापारिक संपर्क मजबूत करने को लेकर हुई चर्चाओं पर भी संतुष्टि जताई। पाकिस्तानी कपड़ा उद्योग, खेल उत्पाद, आईटी सेवाएं, इंजीनियरिंग उत्पाद और कृषि वस्तुओं को रूस में बेहतर बाजार पहुंच दिलाने पर भी बात हुई। इसी के साथ दोनों ने माल ढुलाई के लिए संचालन व्यवस्था शुरू करने से जुड़ी प्रक्रिया को आगे बढ़ाने पर भी बात की। रूस और पाकिस्तान के बीच तेल और गैस क्षेत्रों में प्रगति, एलएनजी-एलपीजी सप्लाई फ्रेमवर्क और तकनीकी सहयोग पर विस्तार से बात हुई। नवीकरणीय ऊर्जा, हाइड्रोपावर और जल प्रबंधन तकनीकों, खासतौर पर बाढ़ प्रबंधन पर भी सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी।

फार्मा, स्टील और तकनीकी क्षेत्रों पर चर्चा : बैठक में फार्मास्यूटिकल क्षेत्र को लेकर भी बात हुई। खासकर इंसुलिन उत्पादन के पर बातचीत की गई। साथ ही पाकिस्तान स्टील मिल्स की आधुनिकीकरण की योजना और भारी मशीनरी, खनन और उन्नत विनिर्माण में साझेदारी की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। दोनों देशों ने वैज्ञानिक, शैक्षणिक और तकनीकी सहयोग की अहमियत को स्वीकार करते हुए इस्लामाबाद और कराची में रूसी भाषा केंद्र स्थापित करने की पहल का स्वागत किया। इसके अलावा दोनों में युवा कार्यक्रमों, स्कूल साझेदारी, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और मीडिया सहयोग को मजबूत करने पर भी चर्चा हुई।

टोक्यो को पछाड़ जकार्ता बना दुनिया का सबसे बड़ा शहर, दिल्ली टॉप 3 से बाहर

न्यूयॉर्क, एजेंसी। दुनिया के नक्शे पर शहर अब सिर्फ इमारतों का समूह नहीं, बल्कि मानव सभ्यता की धड़कन बन चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र की ताजा रिपोर्ट वर्ल्ड अर्बनाइजेशन प्रॉस्पेक्ट्स 2025 ने एक ऐसी तस्वीर पेश की है जो न केवल वर्तमान को दर्शाती है, बल्कि भविष्य की चुनौतियों को भी उजागर करती है। इस रिपोर्ट के अनुसार, इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता अब दुनिया का सबसे बड़ा शहर बन गया है, जिसकी आबादी लगभग 4.2 करोड़ है। यह खिताब दशकों से जापान की राजधानी टोक्यो के पास था, लेकिन अब टोक्यो तीसरे नंबर पर खिसक गया है। बांग्लादेश की राजधानी ढाका दूसरे स्थान पर काबिज है, जबकि भारत की राजधानी दिल्ली टॉप-3 से बाहर हो गई है। यह बदलाव सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं है। यह वैश्विक शहरीकरण की उस लहर का प्रमाण है जो एशिया को केंद्र में ला रही है। रिपोर्ट बताती है कि 2025 में दुनिया की 8.2 अरब आबादी का 80 प्रतिशत शहरों में रहता है- यह 1950 के कई गुना ज्यादा है। मेगासिटीज (1 करोड़ से अधिक आबादी वाले शहर) की संख्या 1975 के महज 8 से बढ़कर 33 हो गई है, जिनमें से 19 एशिया में हैं।

शहरों की यात्रा प्राचीन काल से आधुनिक युग तक : शहरों का इतिहास मानव सभ्यता का आईना है। लगभग 9000 वर्ष पूर्व, जब कृषि क्रांति ने शिकार-संघर्ष के जीवन को बदल दिया, तब शहरों का जन्म हुआ। संयुक्त राष्ट्र और इतिहासकारों जैसे टर्टियस चैंडलर व जॉर्ज मॉडेलस्की के अनुमानों के अनुसार, 7000 ईसा पूर्व में फिलिस्तीन का जेरिको दुनिया का सबसे बड़ा शहर था, जहां मात्र 1000-2000 लोग रहते थे। यह एक प्रोटो-सिटी था- दीवारों से घिरा, जहां कृषि ने अतिरिक्त भोजन पैदा किया और जनसंख्या बढ़ी। समय के साथ, शहर साम्राज्यों के केंद्र बने। 3100 ईसा पूर्व से

2240 ईसा पूर्व तक मिस्र का मेम्फिस सबसे बड़ा शहर रहा, आबादी लगभग 30,000। फिर मेसोपोटामिया का अक्कड़ (अब इराक) उभरा। रोमन साम्राज्य के चरम पर, 100 ईस्वी में रोम की आबादी 10 लाख तक पहुंच गई- यह यूरोप का पहला मिलियन-प्लस शहर। लेकिन मध्ययुग में एशिया ने कमान संभाली। 9वीं शताब्दी में बगदाद (इराक) पहला आधुनिक मिलियन-सिटी बना, जहां अब्बासिद खलीफा के दरबार ने विज्ञान, कला और व्यापार को पोषित किया। 19वीं शताब्दी में औद्योगिक क्रांति ने यूरोप को आगे बढ़ाया। 1800 में लंदन दुनिया का सबसे बड़ा शहर था (लगभग 9 लाख), लेकिन 1900 तक न्यूयॉर्क ने इसे पीछे छोड़ दिया। एशिया फिर लौटा: 1950 में टोक्यो पहले नंबर पर था। संयुक्त राष्ट्र के डेटा से पता चलता है कि 1950-2000 के बीच शहरों की आबादी 7.7 करोड़ से कहीं आगे बढ़ी, लेकिन अब एशिया का दबदबा है।

2025 की टॉप-10 लिस्ट: एशिया का प्रभुत्व : वर्ल्ड अर्बनाइजेशन प्रॉस्पेक्ट्स 2025 ने एक नई विधि अपनाई है- डिग्री ऑफ अर्बनाइजेशन ([illegible]) जो भौगोलिक डेटा (जैसे ग्लोबल ह्यूमन सेटलमेंट लेयर) पर आधारित है। यह राष्ट्रीय सीमाओं की बजाय घनी बस्तियों (1,500 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी से अधिक) को मापती है, जिससे आंकड़े अधिक तुलनीय बने। पुरानी रिपोर्टों में टोक्यो टॉप पर था, लेकिन नई विधि ने जकार्ता को आगे दिखाया।

2025 की दुनिया की सबसे बड़ी 10 अर्बन एग्लोमरेशन्स (शहरी समूह) की सूची इस प्रकार है: पहला स्थान इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता का है, जहां 41.9 मिलियन यानी लगभग 4 करोड़ 19 लाख लोग रहते हैं; दूसरे नंबर पर बांग्लादेश की ढाका है, जिसकी आबादी 36.6 मिलियन या 3 करोड़ 66 लाख है; तीसरा स्थान जापान के टोक्यो का है, जो 33.4 मिलियन (3 करोड़ 34 लाख) लोगों का घर है; चौथे पर भारत की नई दिल्ली 30.2 मिलियन (3 करोड़ 2 लाख) के साथ; पांचवें स्थान पर चीन का शंघाई 29.6 मिलियन (2 करोड़ 96 लाख) आबादी वाली; सातवें पर फिलीपींस का मनीला 24.7 मिलियन दसवें नंबर पर मिस्र का काहिरा 23 मिलियन (2 करोड़ 3 लाख) लोगों के साथ। यूएन के अनुसार, 2.3 करोड़ लोगों की आबादी के साथ, मिस्र का काहिरा टॉप 10 में अकेला ऐसा शहर है जो एशिया से बाहर है।

टीम इंडिया बनाम साउथ अफ्रीका वनडे सीरीज का आगाज आज से

- फैंस उत्साहित एक बार फिर मैदान पर दिखेगी रोहित और विराट की जोड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम और साउथ अफ्रीका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज 30 नवंबर से शुरू होने जा रही है। इस सीरीज का पहला मुकाबला रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। इससे पहले टेस्ट सीरीज में साउथ अफ्रीका ने भारत को 0-2 से क्लीन स्वीप किया था, ऐसे में भारतीय टीम की नजरें अब वनडे सीरीज में वापसी और बेहतर प्रदर्शन करने पर टिकी हैं।

भारतीय टीम इस सीरीज में नियमित कप्तान शुभमन गिल के चोटिल होने के कारण केएल राहुल के नेतृत्व में मैदान पर उतरेगी। वहीं, फैंस रोहित शर्मा और विराट कोहली की जोड़ी को एक बार फिर मैदान पर देखने को लेकर उत्साहित हैं। इस जोड़ी की वापसी से टीम इंडिया के बल्लेबाजी क्रम में अनुभव और मजबूती आने की उम्मीद जताई जा रही है, जो इस सीरीज में बड़े मैचों में निर्णायक साबित हो सकती है।

पहला मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 1:30 बजे से शुरू होगा, जबकि टॉस के लिए दोनों कप्तान 1 बजे मैदान पर उतरेंगे। रांची का यह मुकाबला भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए रोमांचक होने वाला है, क्योंकि टीम इंडिया यहां अपनी वनडे ताकत का प्रदर्शन करते हुए साउथ अफ्रीका के खिलाफ जीत दर्ज करने का प्रयास करेगी।

भारत को इस सीरीज में संतुलित बैटिंग और गेंदबाजी प्रदर्शन दिखाना होगा। वहीं, साउथ अफ्रीका भी टेस्ट सीरीज की हार के बाद सुधार और जीत की कोशिश करेगी, जिससे मुकाबले में रोमांच और बढ़ जाएगा। यह सीरीज क्रिकेट प्रेमियों के लिए खिलाड़ियों की फार्म और रणनीति को परखने का शानदार अवसर होगी। तीन मैचों की इस वनडे सीरीज में रांची के पहले मैच से ही हाई-टेंशन क्रिकेट देखने को मिलेगा। टीम इंडिया की रणनीति,

खिलाड़ियों की फार्म और मैच के दौरान होने वाले रोमांचक पल इस सीरीज को विशेष बनाएंगे। वनडे सीरीज में प्रदर्शन के आधार पर भारत और साउथ अफ्रीका की आगामी दौड़ और रणनीतियों का भी अंदाजा लगाया जा सकेगा।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत - रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, केएल राहुल (कप्तान, विकेट कीपर), ऋषभ पंत (विकेट कीपर), वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, रुतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल

साउथ अफ्रीका - टेम्बा बावुमा (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, डेवाल्ड ब्रेविस, नंद्रे बर्गर, क्विंटन डी कॉक, टोनी डी ज़ोरज़ी, रुबिन हरमन, केशव महाराज, मार्को जेनसेन, एडेन मार्करम, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेल्टन, प्रेनेलन सुब्रयान

डब्ल्यूपीएल 2026: एमआई और आरसीबी से शुरू होगा नया सीजन, फाइनल वडोदरा में

नई दिल्ली (एजेंसी)। विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 का आगाज़ 9 जनवरी को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में दो बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस (एमआई) और 2024 की विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच मैच से होगा। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने शनिवार को इस सीजन का शेड्यूल जारी किया। उन्होंने बताया कि नवी मुंबई में दो डबल-हेडर मुकाबले होंगे, जबकि फाइनल मुकाबला 5 फरवरी को वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में खेला जाएगा।

डब्ल्यूपीएल 2026 के पहले चरण में 9 से 17 जनवरी तक नवी मुंबई में कुल 11 मुकाबले होंगे। इसके बाद शेष 11 मैच वडोदरा में खेले जाएंगे, जिनमें प्लेऑफ भी शामिल हैं। वडोदरा लेग का आगाज़ गुजरात जायंट्स और आरसीबी के बीच मुकाबले से होगा। इसके बाद दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के बीच 2025 के फाइनल का री-मैच भी होगा। मुंबई इंडियंस इस सीजन डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में उतर रही है, जबकि आरसीबी खिताब जीतने वाली दूसरी टीम है। लीग स्टेज 1 फरवरी को समाप्त होगी। इसके बाद दूसरे और तीसरे नंबर पर रहने वाली टीमें एलिमिनेटर में हिस्सा लेंगी, जबकि टेबल टॉपर सीधे 5 फरवरी को फाइनल में पहुंचेगी। डब्ल्यूपीएल 2026 का यह नया सीजन खिलाड़ियों और फैंस दोनों के लिए रोमांचक रहने वाला है, जिसमें नवी मुंबई और वडोदरा दोनों ही स्थानों पर हाई-टेंशन मुकाबले देखने को मिलेंगे।

नवी मुंबई लेग

9 जनवरी: मुंबई इंडियंस बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
10 जनवरी: यूपी वॉरियर्स बनाम गुजरात जायंट्स
10 जनवरी: मुंबई इंडियंस बनाम दिल्ली कैपिटल्स
11 जनवरी: दिल्ली कैपिटल्स बनाम गुजरात जायंट्स
12 जनवरी: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम यूपी वॉरियर्स
13 जनवरी: मुंबई इंडियंस बनाम गुजरात जायंट्स
14 जनवरी: यूपी वॉरियर्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स
15 जनवरी: मुंबई इंडियंस बनाम यूपी वॉरियर्स
16 जनवरी: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम गुजरात जायंट्स
17 जनवरी: यूपी वॉरियर्स बनाम मुंबई इंडियंस
17 जनवरी: दिल्ली कैपिटल्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

वडोदरा लेग

19 जनवरी: गुजरात जायंट्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
20 जनवरी: दिल्ली कैपिटल्स बनाम मुंबई इंडियंस
22 जनवरी: गुजरात जायंट्स बनाम यूपी वॉरियर्स
24 जनवरी: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम दिल्ली कैपिटल्स
26 जनवरी: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम मुंबई इंडियंस
27 जनवरी: गुजरात जायंट्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स
29 जनवरी: यूपी वॉरियर्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
30 जनवरी: गुजरात जायंट्स बनाम मुंबई इंडियंस
1 फरवरी: दिल्ली कैपिटल्स बनाम यूपी वॉरियर्स
3 फरवरी: एलिमिनेटर
5 फरवरी: फाइनल

आईपीएल नीलामी से पहले पृथ्वी शॉ का धमाका

-सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में तूफानी फिफ्टी के साथ किया कमबैक का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम से बाहर चल रहे युवा सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उनका बल्ला अभी भी आग उगलने के लिए तैयार है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में शॉ ने महाराष्ट्र की ओर से खेलते हुए हैदराबाद के खिलाफ सिर्फ 23 गेंदों में तूफानी अर्धशतक जड़कर सबको चौंका दिया। इस विस्फोटक पारी की बदौलत महाराष्ट्र को आसान जीत मिली, वहीं शॉ ने आईपीएल नीलामी से पहले फ्रेंचाइजियों का ध्यान एक बार फिर अपनी ओर खींच लिया।

हैदराबाद द्वारा दिए गए 192 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पृथ्वी शॉ ने क्रीज पर आते ही आक्रामक रुख दिखाया। उन्होंने अपनी 36 गेंदों की पारी में 9 चौके और 3 छक्के जड़ते हुए कुल 66 रन बनाए। शॉ ने अर्शिन कुलकर्णी के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 117 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की और टीम को जीत की मजबूत नींव दी। यह उनके करियर का महाराष्ट्र के लिए पहला टी20 अर्धशतक रहा। ऋतुराज गायकवाड़ की गैरमौजूदगी में टीम की कप्तानी कर रहे शॉ पर दबाव था, लेकिन उन्होंने शानदार अंदाज में खुद को साबित किया। पिछले आईपीएल ऑक्शन में अनसोल्ड रहने के बाद पृथ्वी शॉ ने घरेलू क्रिकेट में जोरदार वापसी की है। मुंबई की टीम से हटने के बाद उन्होंने महाराष्ट्र की ओर से खेलना शुरू किया है और रणजी ट्रॉफी में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उनकी यह पारी बताती है कि वह एक बार फिर बड़े मंच पर वापसी को तैयार हैं।

एक समय भारतीय क्रिकेट का भविष्य माना जा रहे पृथ्वी शॉ को पिछले साल किसी भी आईपीएल टीम ने नहीं खरीदा था। लेकिन अब सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उनका शानदार प्रदर्शन आईपीएल फ्रेंचाइजियों के लिए मजबूत संदेश है। आगामी आईपीएल 2026 ऑक्शन 16 दिसंबर को अबू धाबी में आयोजित किया जाएगा, और शॉ अपने प्रदर्शन से टीमों की नजरों में जगह बनाना चाहते हैं। लगातार तीसरे वर्ष विदेश में होने वाला यह ऑक्शन रोचक होगा, और पृथ्वी शॉ के लिए यह स्वयं को साबित करने का बड़ा मौका है।

विराट कोहली के निशाने पर सचिन तेंदुलकर के दो वर्ल्ड रिकॉर्ड

-सिर्फ एक शतक से बना देंगे नया इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज रविवार, 30 नवंबर से शुरू होने जा रही है और पहला मुकाबला रांची में खेला जाएगा। इस हाई-वोल्टेज सीरीज में टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली एक बार फिर सुर्खियों में होंगे, क्योंकि उनके सामने दो बड़े वर्ल्ड रिकॉर्ड्स को तोड़ने का सुनहरा मौका होगा। ये दोनों रिकॉर्ड महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम दर्ज हैं, जिन्हें कोहली सिर्फ एक शतक लगाकर पीछे छोड़ सकते हैं। फैंस की निगाहें अब इस बात पर टिकी हैं कि क्या किंग कोहली रांची में इतिहास रचते हुए मास्टर ब्लास्टर का रिकॉर्ड तोड़ पाएंगे।

पहला रिकॉर्ड किसी भी एक फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने का है। इस समय विराट कोहली वनडे क्रिकेट में 51 शतक जड़ चुके हैं, जो सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड की बराबरी है। सचिन ने अपने करियर में टेस्ट क्रिकेट में 51 शतक लगाए, जबकि कोहली के ये 51 वनडे में हैं। जैसे ही कोहली एक और सेंचुरी बनाएंगे, वह दुनिया के पहले ऐसे क्रिकेटर बन जाएंगे जिन्होंने किसी भी एक फॉर्मेट में 52 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाए हों। यह उपलब्धि उन्हें न केवल क्रिकेट इतिहास के सबसे बड़े बल्लेबाजों में और आगे स्थापित करेगी, बल्कि वनडे फॉर्मेट में उनकी बादशाहत भी और मजबूत करेगी।

दूसरा रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक लगाने का है। इस सूची में अभी तीन खिलाड़ी संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर, जिनके नाम 5-5 शतक दर्ज हैं। हालांकि सचिन और वॉर्नर अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, ऐसे में कोहली के सामने इस मामले में अकेले रिकॉर्ड होल्डर बनने का शानदार अवसर है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक और सेंचुरी कोहली को इस टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा 6 शतक लगाने वाला अद्वितीय बल्लेबाज बना देगी।

आईसीसी वर्ल्ड कप 2025 में भारत को शानदार सफलता दिलाने के बाद कोहली की फॉर्म पहले से ज्यादा मजबूत नजर आ रही है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनके आंकड़े भी बेहद प्रभावशाली रहे हैं, और ऐसे में उम्मीद है कि रांची की पिच पर वह एक बार फिर अपने अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए नए इतिहास की इबारत लिखेंगे। भारतीय फैंस उत्सुकता से इंतजार कर रहे हैं कि क्या रविवार का मुकाबला क्रिकेट की किताब में विराट अध्याय जोड़ पाएगा।

रोहित-विराट की वापसी से मैदान में बनेगी खास ऊर्जा : साउथ अफ्रीका के कप्तान टेंबा बावुमा

रांची। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच रविवार को तीन वनडे मैचों की सीरीज की शुरुआत होने जा रही है। पहला मुकाबला रांची में खेला जाएगा। सीरीज से पहले दक्षिण अफ्रीकी कप्तान टेंबा बावुमा ने रोहित शर्मा और विराट कोहली की मैदान पर वापसी को लेकर बड़ा बयान दिया है। कप्तान बावुमा का मानना है कि इन दोनों दिग्गज खिलाड़ियों के आने से मैच का रोमांच कई गुना बढ़ जाएगा और स्टेडियम में ऊर्जा का अलग ही होगी। एक वीडियो में बावुमा ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह बेहद रोमांचक है, खासकर भारतीय फैंस के लिए होगा। दो दिग्गज खिलाड़ी वापस आ रहे हैं। वे लंबे समय बाद भारत की धरती पर खेल रहे हैं। जब ये दोनों खिलाड़ी मैदान पर मौजूद होते हैं, तब उस ऊर्जा का हिस्सा बनना हमारे लिए भी खास होता है। हम इस पल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।' बावुमा ने बताया कि उनकी टीम रोहित और विराट की मौजूदगी से दबाव महसूस नहीं कर रही, बल्कि तैयारियों में और फोकस जोड़ रही है। हम जानते हैं कि मैदान पर माहौल अलग होगा, लेकिन यह अनुभव उतना ही रोमांचक रहेगा। कप्तान के तौर पर मेरी भूमिका वही रहेगी बल्ले से योगदान देना और टीम को रणनीति के अनुसार लीड करना।' बता दें कि रोहित और कोहली ने आखिरी बार अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज खेली थी। इसके बाद कयास लगाए जा रहे थे कि यह जोड़ी आगामी वनडे वर्ल्ड कप में नहीं खेलेगी, हालांकि प्रशंसकों का विश्वास है कि 'रो-को' फिर भारत की चुनौती को मजबूत करेगी।

सुल्तान अजलान शाह कप: भारत ने कनाडा को 14-3 से हराकर फाइनल में बनाई जगह

इपो (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने कनाडा को 14-3 से रौंदते हुए पूल की शीर्ष स्थिति हासिल की और सुल्तान अजलान शाह कप के फाइनल में प्रवेश किया। जुगराज सिंह ने चार गोल किए और शानदार प्रदर्शन से टीम को जीत दिलाई।

इससे पहले भारत को टूर्नामेंट में केवल बेल्जियम से एक गोल से हार मिली थी, लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ 3-2 की रोमांचक जीत ने टीम का मनोबल बढ़ा दिया। भारत रविवार को फाइनल में बेल्जियम से भिड़ेगा।

मैच की शुरुआत चौथे मिनट में नीलकंता शर्मा के गोल से हुई, उसके बाद 10वें मिनट में राजिंदर सिंह ने गोल कर भारत को बढ़त दिलाई। कनाडा ने जल्दी गोल के जवाब में पेनल्टी कॉर्नर बनाकर 11वें मिनट में ब्रेंडन गुरालियुक के गोल से

स्कोर 1-2 किया। इसके बाद 12वें और 15वें मिनट में जुगराज सिंह और अमित रोहिदास ने गोल कर भारत को 4-1 की बढ़त दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भारतीय युवा खिलाड़ी दबाव में भी मजबूत रहे और कनाडाई डिफेंस को रोका। इस दौरान राजिंदर (24वें मिनट), दिलप्रीत सिंह (25वें मिनट) और जुगराज (26वें मिनट) ने गोल कर बढ़त 7-1 कर दी।

तीसरे क्वार्टर में कनाडा ने आक्रमण में बदलाव किया और 35वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक से स्कोर 7-2 किया। जुगराज ने 39वें मिनट में हैट्रिक पूरी की और सेल्वम कार्थी ने 43वें मिनट में गोल कर भारत को 9-2 की शानदार बढ़त दिलाई।

अंतिम क्वार्टर केवल औपचारिकता थी, लेकिन इस दौरान सबसे ज्यादा गोल हुए। रोहिदास ने 46वें मिनट में PC गोल किया, जुगराज ने 50वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक से स्कोर बढ़ाया। कनाडा ने भी 3-11 तक वापसी की, जबकि संजय (56वें मिनट) और अभिषेक (57वें और 59वें मिनट) ने गोल कर भारत को 14-3 से जीत दिलाई।

श्रीलंका के खिलाफ उतरेगी विश्व चैंपियन भारतीय महिला टीम

- भारत दिसंबर में श्रीलंका के खिलाफ 5 टी20 इंटरनेशनल मैचों की मेजबानी करेगा

नई दिल्ली। वनडे वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम एक बार फिर मैदान पर अपने जौहर का प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। बीसीसीआई ने शुक्रवार को आगामी होम सीरीज का ऐलान करते हुए बताया कि भारत दिसंबर में श्रीलंका के खिलाफ 5 टी20 इंटरनेशनल मैचों की मेजबानी करेगा। यह वही भारतीय टीम है, जिसने इसी महीने पहली बार महिला वनडे वर्ल्ड कप जीतकर पूरे देश को गर्व से भर दिया था। वर्ल्ड कप जीत के बाद यह भारतीय टीम की पहली अंतरराष्ट्रीय सीरीज होगी, जिसे लेकर क्रिकेट प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह है। दिसंबर में पहले भारत और बांग्लादेश के बीच सीरीज प्रस्तावित थी, लेकिन दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव बढ़ने के कारण उसे स्थगित कर दिया गया। इसके बाद बीसीसीआई और श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने मिलकर नई सीरीज का शेड्यूल तैयार किया और 5 मैचों की टी20 सीरीज पर सहमति बनी। यह सीरीज भारतीय टीम के लिए बेहद अहम मानी जा रही है, क्योंकि अगले साल फरवरी-मार्च में भारतीय महिला टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी, जहां दोनों देशों के बीच 1 टेस्ट, 2 टी20 और 3 वनडे मैच खेले जाएंगे। ऐसे में श्रीलंका के खिलाफ ये मुकाबले खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों के लिए बेहतर तैयारी का अवसर देंगे। साथ ही यह सीरीज महिला प्रीमियर लीग 2026 (डब्ल्यूपीएल 2026) से पहले अपने प्रदर्शन को निखारने और टीम संयोजन मजबूत करने के लिए भी महत्वपूर्ण साबित होगी। भारत-श्रीलंका टी20 सीरीज विशाखापत्तनम और तिरुवनंतपुरम में आयोजित की जाएगी। पहला मैच 21 दिसंबर को विशाखापत्तनम के डॉक्टर वाईएस राजशेखर रेड्डी स्टेडियम में खेला जाएगा, जबकि दूसरा मुकाबला भी वहीं 23 दिसंबर को होगा। तीसरा टी20 26 दिसंबर को तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा और इसके बाद चौथा और पांचवां मैच क्रमशः 28 और 30 दिसंबर को वहीं आयोजित होंगे। वर्ल्ड कप जीत से उत्साहित हरमनप्रीत कौर की अगुआई में भारतीय टीम अपनी लय बरकरार रखने के इरादे से मैदान में उतरेगी, वहीं श्रीलंका की टीम 2026 के व्यस्त सीजन से पहले शानदार प्रदर्शन के जरिए आत्मविश्वास मजबूत करना चाहेगी। कई अहम खिलाड़ियों की वापसी और युवा प्रतिभाओं की मौजूदगी इस सीरीज को रोमांचक बना देगी।

आईपीएल 2026: रवि बिश्नोई की अगली टीम पर अटकलें तेज, चहल की लाइव चैट ने बढ़ाई चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 की नीलामी नजदीक आते ही युवा लेग स्पिनर रवि बिश्नोई की नई टीम को लेकर अटकलें तेजी से बढ़ गई हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स द्वारा रिलीज़ किए जाने के बाद अब यह चर्चा गर्म है कि आखिर आगामी सीजन में वह किस फ्रेंचाइजी के साथ मैदान पर उतरेंगे। अब तक के आईपीएल करियर में बिश्नोई ने 72 से अधिक विकेट हासिल किए हैं और बीच के ओवरों में रन रोकने तथा लगातार विकेट निकालने की क्षमता ने उन्हें टूर्नामेंट के सबसे अहम भारतीय गेंदबाजों में शामिल किया है। यही कारण है कि कई टीमें उन पर बड़ा दांव लगाने के लिए तैयार दिखाई दे रही हैं। इस बीच, टीम इंडिया और आईपीएल स्टार स्पिनर युजवेंद्र चहल ने सोशल मीडिया पर एक इंस्टाग्राम लाइव के दौरान उनकी भविष्य की फ्रेंचाइजी को लेकर हल्के-फुल्के अंदाज़ में टिप्पणी की, जिसने चर्चा को और हवा दे दी। बातचीत में चहल ने मुस्कुराते हुए कहा 'बिश्नोई, मुझे फीलिंग आ रही है कि तू राजस्थान रॉयल्स जाएगा आईपीएल में।' जवाब में बिश्नोई ने भी मज़ेदार अंदाज़ में कहा 'तो बस आपकी फीलिंग के खिलाफ थोड़ी न जाएंगे।' इस संवाद के बाद सोशल मीडिया पर बिश्नोई को राजस्थान रॉयल्स जॉइन करने की संभावना को लेकर कयासों की बाढ़ आ गई है। चहल ने मज़ाक जारी रखते हुए बिश्नोई को चेतावनी भी दे डाली 'जा भाई, वरना मेरी तरह डोमेस्टिक ही खेलता रह जाएगा।' इस हल्की-फुल्की नोकझोंक ने फैंस का खूब मनोरंजन किया और कमेंट सेक्शन में लोगों ने अनुमान लगाना शुरू कर दिया कि चहल की बातें कहीं वास्तविक संकेत तो नहीं?

हालांकि पिछले सीजन में बिश्नोई का प्रदर्शन उम्मीदों के अनुसार नहीं रहा था, लेकिन बिश्नोई की स्ट्राइक-रेट, तेज़ी से बॉल को टर्न कराने की क्षमता और डेथ ओवर्स तक गेंदबाजी करने का आत्मविश्वास उन्हें हर टीम की प्राथमिकता बना सकता है। आईपीएल में भारतीय गुणवत्ता वाले स्पिनर्स की कमी को देखते हुए वह इस नीलामी के सबसे महंगे और चर्चित खिलाड़ियों में शामिल हो सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, राजस्थान रॉयल्स, मुंबई इंडियंस, पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद जैसे फ्रेंचाइजी बिश्नोई पर बड़ा दांव लगा सकती हैं। अब देखना होगा कि नीलामी की तारीख आते-आते बिश्नोई किस टीम का हिस्सा बनते हैं और उनकी अगली फ्रेंचाइजी कौन सी होती है।

वनडे सीरीज से पहले टीम इंडिया का 'कॉन्फिडेंस बूस्ट': केएल राहुल ने बताई कोहली-रोहित की अहमियत

नई दिल्ली (एजेंसी)। केएल राहुल ने कहा कि 30 नवंबर से रांची के जेएससीए स्टेडियम में शुरू होने वाली भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका वनडे सीरीज़ से पहले, विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ियों की टीम में वापसी से ड्रेसिंग रूम में आत्मविश्वास का संचार हुआ है। मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में, केएल राहुल, जो कप्तान शुभमन गिल की अनुपस्थिति में भारतीय टीम की कमान संभालेंगे, ने टीम में विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों के होने के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि उनकी मौजूदगी और अनुभव ड्रेसिंग रूम के आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं और युवा खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं।

राहुल ने कहा कि किसी भी समय उनका महत्व बहुत ज़्यादा होता है। टीम में वरिष्ठ खिलाड़ियों का होना निश्चित रूप से ड्रेसिंग रूम को और भी ज़्यादा आत्मविश्वास से भर देता है। उनकी मौजूदगी और अनुभव से ड्रेसिंग रूम के कई खिलाड़ियों और टीम को मदद मिलती है। इसलिए, हम वाकई खुश हैं कि वे यहाँ हैं। दाएँ हाथ के बल्लेबाज़ ने कहा कि जीत सबसे ज़रूरी चीज़ है। हम इसी पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश कर रहे हैं और एक हफ़्ते पहले जो हुआ उसे भूलकर कल के मैच पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश कर रहे हैं और देख रहे हैं कि हम कैसे सामूहिक प्रदर्शन कर सकते हैं जिससे हमें जीत हासिल करने में मदद मिले और फिर यहाँ से अगले मैदान पर जाकर देखें कि हम इसे फिर से कैसे कर सकते हैं और इस सीरीज़ को जीतने की कोशिश कर सकते हैं। इसलिए, यही सबसे महत्वपूर्ण चीज़ है और हम इसी के बारे में सोच रहे हैं। ज़ाहिर है, एक स्थिर टीम होने से मदद मिलती है और कुछ समान चेहरे होने से ड्रेसिंग रूम को भी मदद मिलती है।

राहुल ने विराट कोहली की स्ट्राइक रोटेट करने की क्षमता की प्रशंसा की और कहा कि वनडे और टेस्ट क्रिकेट में सिंगल लेना बाउंड्री लगाने जितना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कोहली इस कौशल में निपुण हैं, और युवा खिलाड़ी, जिनमें वह खुद भी शामिल हैं, अक्सर कोहली और रोहित शर्मा दोनों से स्ट्राइक रोटेशन में सुधार के बारे में सीखते हैं। उन्होंने कहा कि वनडे क्रिकेट और टेस्ट क्रिकेट में सिंगल लेना बाउंड्री लगाने जितना ही महत्वपूर्ण है, टी20 फॉर्मेट में शायद उतना नहीं। विराट ने अपने करियर में यह बहुत अच्छा किया है। हमने विराट को देखा है और उससे सीखने की कोशिश की है। ड्रेसिंग रूम में भी, हम सभी ने उनसे और रोहित से बात की कि हम बल्लेबाज़ के तौर पर कैसे बेहतर हो सकते हैं, कैसे हम स्ट्राइक रोटेट कर सकते हैं। ज़ाहिर है, वह वनडे क्रिकेट में ऐसा करने में माहिर हैं। इसलिए, हमें बहुत खुशी है कि वह ड्रेसिंग रूम में वापस आ गए हैं और

वह यहाँ आकर ये मैच खेलने के लिए बहुत उत्साहित हैं।

वनडे सीरीज़ में, रांची में पहले मैच के बाद, दोनों टीमें रायपुर में भिड़ेंगी, उसके बाद विशाखापत्तनम में अंतिम मैच होगा। टेस्ट सीरीज़ में 2-0 की निराशाजनक हार के बाद भारतीय टीम वनडे में वापसी करना चाहेगी।

लियोनेल मेसी अगले महीने आएंगे भारत, GOAT टूर ऑफ इंडिया 2025 में हैदराबाद भी शामिल

अर्जेंटीना। दिग्गज फुटबॉलर और विश्व कप विजेता कप्तान लियोनेल मेसी ने भारत आने की अपनी तैयारियों को लेकर बड़ा अपडेट दिया है। मेसी ने पुष्टि की है कि उनके बहुचर्चित 'GOAT Tour of India 2025' में अब हैदराबाद को भी शामिल कर लिया गया है। यह उनका भारत दौरे का चौथा पड़ाव होगा। मेसी पहले कोलकाता पहुंचेंगे, जो उनके टूर का शुरुआती शहर है। इसके बाद वे हैदराबाद आएंगे, फिर मुंबई और अंत में दिल्ली, जहां उनके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने की संभावना है। अपने सोशल मीडिया पोस्ट में मेसी ने लिखा, 'इंडिया, आपके प्यार के लिए धन्यवाद! GOAT Tour कुछ ही हफ्तों में शुरू हो रहा है। खुशी है कि हैदराबाद को भी मेरी यात्रा में शामिल किया गया है। इंडिया, जल्द मिलते हैं!'

इस डर से बिग बॉस 9 में एंट्री नहीं ले पाई थीं नोरा फतेही

एक्ट्रेस-डांसर नोरा फतेही ने रियलिटी टीवी शो बिग बॉस 9 में एक कंटेस्टेंट के तौर पर हिस्सा लिया था। यह शो अक्तूबर 2015 से जनवरी 2016 तक एयर हुआ था। उन्होंने शो के 58वें दिन वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर एंट्री की थी। क्या आप जानते हैं कि उस समय उन्हें शुरू में मेन कंटेस्टेंट में से एक के तौर पर शामिल होने के लिए अप्रोच किया गया था? इस बारे में नोरा फतेही ने अपनी बात रखी है।

गलतफहमी की वजह से हुआ बातचीत में नोरा फतेही ने बताया बिग बॉस ने शुरू में मुझे मेन कंटेस्टेंट में से एक बनने के लिए अप्रोच किया था। इस पर मैंने उन्हें मना कर दिया था। मुझे लग रहा था कि मैं इस तरह की चीजों के लिए तैयार नहीं हूं। यह गलतफहमी की वजह से हुआ। मुझे लगा कि लोग मुझे नहीं समझ पाएंगे। तब मैं छोटी थी और अपने आपको को समझने की कोशिश कर रही थी। मुझे लगा कि लोग अलग तरह से बर्ताव करेंगे इसलिए मैं मुसीबत में पड़ने के लिए तैयार नहीं थी।

वाइल्ड कार्ड के जरिए हुई एंट्री

नोरा ने आगे बताया कि जब मेकर्स ने वाइल्ड कार्ड एंट्री के जरिए उन्हें अप्रोच करने की कोशिश की तो उन्होंने हां कह दी। उन्होंने कहा तो जब वे वाइल्ड कार्ड एंट्री के लिए वापस आए, तो मुझे लगा कि ठीक है, शायद कुछ हफ्ते लगेंगे। मैं ऐसा कर सकती थी। मैं चाहती थी कि मैं दुनिया को बता दूं कि मैं यहां हूं।

झलक दिखला जा में जाना चाहती थीं नोरा

नोरा ने कहा बताया कि वह शो झलक दिखला जा में जाना चाहती थीं। उन्होंने सोचा कि वह अगर बिग बॉस में जाएंगी तो उन्हें झलक दिखला जा में जाने में मदद मिलेगी इसलिए वह बिग बॉस में गईं। बिग बॉस से बाहर आने के तुरंत बाद उन्हें झलक दिखला जा का कॉन्ट्रैक्ट मिल गया।

शुभांगी अत्रे ने रिप्लेसमेंट पर तोड़ी चुप्पी

शिल्पा शिंदे फिर बनेंगी अंगूरी भाभी

टीवी के पॉपुलर शो भाबी जी घर पर हैं में 10 साल बाद बड़ा बदलाव होने जा रहा है। शो में 10 साल से अंगूरी भाभी का रोल निभाने वाली शुभांगी अत्रे ने शो को अलविदा कह दिया है। इससे पहले एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे अंगूरी भाभी का किरदार निभाती थीं लेकिन 10 साल पहले शुभांगी ने उन्हें रिप्लेस किया था। अब खबरों की माने तो फिर से इस रोल में शिल्पा शिंदे की वापसी हो रही है। इंटरव्यू में शुभांगी ने अपनी जर्नी पर बात करते हुए कहा- मैंने हमेशा मिसेज कोहली से कहा था कि शो में मेरा सफर आन, बान और शान से शुरू होगा और वैसे ही खत्म होगा। मैं इससे अच्छे फेयरवेल की उम्मीद नहीं कर सकती थी। मुझे क्यों रिप्लेस किया जा रहा है, उसमें उलझने का कोई मतलब नहीं है। मैं इसे एक आशीर्वाद के रूप में देखती हूं। क्योंकि एक आर्टिस्ट के रूप में, मैं नए किरदारों को तलाशना चाहती हूं। यहां से निकलने के बाद फिर से काम की तलाश करूंगी। लाइफ में इतना कुछ देखने के बाद, अब मैं पूरी तरह से तैयार हूं और सिर्फ अपनी बेटी और काम पर फोकस कर रही हूं। शुभांगी ने आगे कहा- '10 साल जिस शो का हिस्सा रही हूं, उसे छोड़ना इमोशनल कर रहा है। शो छोड़ना घर छोड़ने जैसा है। शूट के आखिरी दिनों में काफी इमोशनल हो गई थी। अंगूरी का किरदार मेरे लाइफ का हिस्सा बन गया था। मैं इस शो की शुक्रगुजार हूं क्योंकि इसने मुझे बहुत कुछ दिया है।' शुभांगी ने शो में शिल्पा शिंदे की वापसी पर भी बात की। उन्होंने कहा- 'मैं अब इस

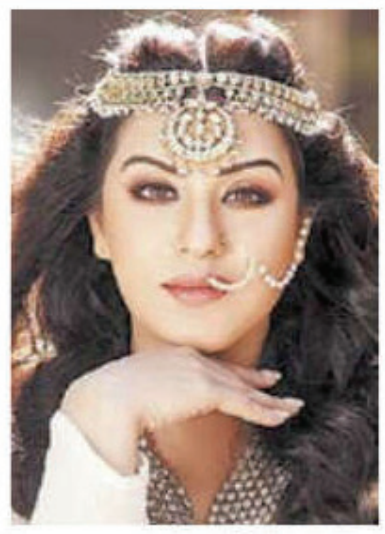

रिप्लेसमेंट गेम को खत्म कर रही हूं। मैंने अपनी मां से कहा कि शिल्पा ने इस शो को 9-10 महीने में छोड़ दिया था। उस वक्त मुझे ऐसा महसूस हुआ जैसे वो न्यूबॉर्न बेबी सौंपकर गई हैं। आज वो बच्चा 10 साल का हो गया है। अब मैं इसे वापस कर रही हूं। मैंने 10 साल तक उसे वैल्यू और संस्कार दिए। मैं शिल्पा शिंदे और पूरी टीम को इस शो के 2.0 वर्जन के लिए ऑल द बेस्ट कहूंगी।' शुभांगी ने छोटे पर्दे पर एकता कपूर के शो कसौटी जिंदगी की से करियर की शुरुआत की थी। उसके बाद कस्तूरी में मेन लीड में नजर आईं। इस शो से शुभांगी को काफी पॉपुलैरिटी मिली। भाबी जी घर पर हैं शो से जुड़ने से पहले शुभांगी दो हंसों का जोड़ा शो में भी नजर आई थीं।

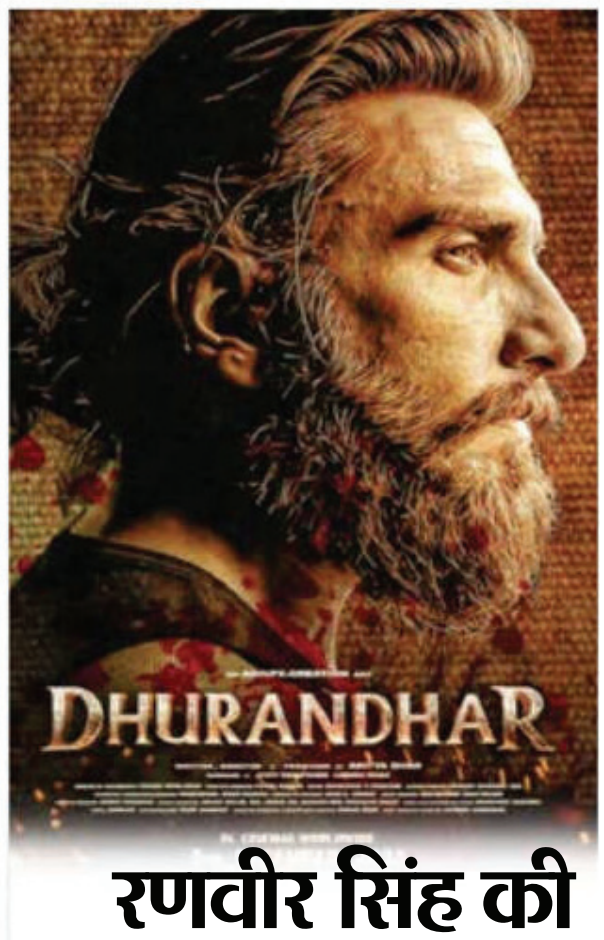

रणवीर सिंह की 'धुरंधर' तोड़ेगी 17 वर्षों का रिकॉर्ड!

आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म 'धुरंधर' के रिलीज का इंतजार दर्शकों को बड़ी बेसब्री से है। इस फिल्म के रन टाइम को लेकर बड़ी जानकारी आई है कि अब 17 वर्षों का रिकॉर्ड टूटने वाला है। यह फिल्म दो और तीन घंटे से भी अधिक अवधि की होने वाली है।

इतने घंटे की होगी फिल्म

रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म 'धुरंधर' की लंबाई लगभग 3 घंटे 32 मिनट बताई जा रही है। रिपोर्ट्स में कहा गया, 'अभी अंतिम रनटाइम को सीक्रेट रखा गया है। लेकिन उम्मीद है कि यह लगभग 3.5 घंटे लंबा होगा। सेंसर बोर्ड से सर्टिफिकेट हासिल करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। कुछ दिनों में जब सीबीएफसी फिल्म को पास कर देगा, तब इसकी सही रनटाइम पता चल पाएगी।'

अवधि लंबे होने की क्या है वजह?

आगे बताया गया कि 'फिल्म 'धुरंधर' एक लॉन्ग स्टोरी पर आधारित है। इसी वजह से इसकी अवधि लंबी है। आपको बताते चलें कि रिपोर्ट्स में उरी द सर्जिकल स्ट्राइक, आर्टिकल 370 जैसी फिल्मों का तर्क देते हुए कहा गया कि इन फिल्मों की तरह ही धुरंधर की कहानी भी दर्शकों को अंत तक बांधने वाली होगी। इसके साथ ही बता दें कि फिल्म धुरंधर को दो भागों में रिलीज किया जाएगा। ऐसी भी जानकारी है।

17 वर्षों का टूटेगा रिकॉर्ड

अगर यह जानकारी सच साबित होती है, तो फिल्म 'धुरंधर' लगभग 17 वर्षों में रिलीज हुई सबसे लंबी बॉलीवुड फिल्मों में से एक बनने वाली है। आखिरी फिल्म, जो लिस्ट में है। वह फिल्म जोधा अकबर है, जो साल 2008 में रिलीज हुई थी। इसका रनटाइम 3 घंटे 34 मिनट था।

5 दिसंबर को रिलीज होगी 'धुरंधर'

आदित्य धर द्वारा लिखित और निर्देशित 'धुरंधर' में एक भारी भरकम स्टारकास्ट नजर आने वाली है। इसमें रणवीर सिंह, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, अक्षय खन्ना, आर माधवन और सारा अर्जुन प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'धुरंधर' 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। माना जा रहा है कि यह एक स्पाई-थ्रिलर एक्शन फिल्म होगी।

किस किसको प्यार करूं 2

चार पत्नियों के चक्कर में उलझे कपिल शर्मा

कॉमेडियन कपिल शर्मा की अपकमिंग फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 की रिलीज का दर्शकों को काफी इंतजार है। इससे पहले इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया है। यह फिल्म साल 2015 में रिलीज हुई फिल्म किस किसको प्यार करूं का सीक्वल है। किस किसको प्यार करूं 2 के ट्रेलर में दिखाया गया है कि कपिल शर्मा गलतफहमी के चलते तीन शादियां कर लेते हैं। इसके बाद वह तीनों पत्नियों की डिमांड पूरी करते-करते परेशान हो जाते हैं। तीनों पत्नियों के घर वाले कपिल शर्मा को अपना दामाद समझते हैं और उन पर अपना हक जमाते हैं। इसके बाद एक पुलिस वाला कपिल शर्मा से मिलता है। पुलिस वाला कपिल से कहता है कि वह उस इंसान की तलाश में हैं, जिसने तीन शादियां की हैं और अब चौथी करना चाहता है।

रिवील हुई फिल्म की रिलीज की तारीख

कपिल शर्मा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 का ट्रेलर शेयर किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा है चार पत्नियां। इसे घर पर करने की कोशिश न करें। यह स्टंट हमारे एक्सपर्ट

ने किया है। किस किसको प्यार करूं 2 सिनेमाघरों में 12 दिसंबर 2025 को रिलीज हो रही है।

यूजर्स ने किए कमेंट

किस किसको प्यार करूं 2 का ट्रेलर दर्शकों को अच्छा लगा है। ट्रेलर में असरानी की झलक दिखी है। उन्होंने इस पर कमेंट किए हैं। एक यूजर ने लिखा है असरानी सर। एक और यूजर ने लिखा है असरानी को देखकर अच्छा लगा। एक और यूजर ने लिखा है ट्रेलर बहुत अच्छा है। फिल्म का इंतजार है।

फैंस की वजह से हफ्ते में एक बार रो पड़ती हैं अनीत पड्डा

अनीत पड्डा ने हाल ही में बताया कि वह बहुत जल्दी इमोशनल हो जाती हैं। वह हफ्ते में एक बार कुछ ऐसा देख लेती हैं कि खुद को रोने से रोक नहीं पाती हैं। उनका कहना है कि इन खास चीजों में उनको प्यार महसूस होता है। जिससे उन्हें अपने काम को और बेहतर करने का दबाव भी महसूस होता है। 23 साल की अनीत ने ग्राजिया इंडिया से बातचीत में कहा, मैं बहुत संवेदनशील हूं। जो प्यार मुझे फैंस से मिल रहा है, उसके साथ न्याय करने की जिम्मेदारी कभी-कभी भारी लगती है। ये बहुत खूबसूरत है, लेकिन कई बार बहुत ज्यादा भी हो जाता है। अनीत कहती हैं कि फैंस का इतना प्यार देखकर अच्छा लगता है, लेकिन उम्मीद भी बढ़ जाती है कि वह उस प्यार के लायक बनें। यही वजह है कि फैन एडिट्स देखकर उनकी आंखें भर आती हैं।

अनीत का करियर

अनीत ने मॉडलिंग से अपना करियर शुरू किया। 2022 में उन्होंने काजोल के साथ फिल्म सलाम वेंकी से छोटी भूमिका निभाई, लेकिन उन्हें असली पहचान नहीं मिली। इसके बाद 2024 में अनीत ने वेब सीरीज बिग गर्ल्स डोंट क्राई में अभिनय किया, लेकिन फिर भी लोगों ने उन्हें नोटिस नहीं किया। साल 2025 में फिल्म 'सैयारा' ने उन्हें रातोंरात सुपरस्टार बना दिया। अहान पांडे के साथ फिल्म सैयारा अनीत के करियर की ब्लॉकबस्टर फिल्म साबित हुई।

अनीत का वर्कफंट

अनीत पड्डा जल्द ही हॉरर-कॉमेडी फिल्म शक्ति शालिनी में नजर आएंगी। शक्ति शालिनी मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की एक आगामी हॉरर-कॉमेडी फिल्म है। इस फिल्म में अनीत पड्डा मुख्य भूमिका निभाएंगी। यह फिल्म दिसंबर 2026 में रिलीज हो सकती है।

मुंबई में समझी सेफ होना कैसा महसूस होता है

नाटक हों या विज्ञापन की दुनिया या हो फिल्में या फिर ओटीटी, निमरत कौर ने खुद को हर जगह साबित किया। द लंचबॉक्स जैसी फिल्म से सभी का दिल जीतने वाली ये एक्ट्रेस एयरलिफ्ट और दसवी जैसी फिल्मों में नजर आईं। पिछले दिनों वेब सीरीज कुल में सराही गई निमरत इन दिनों चर्चा में हैं अपनी नई वेब सीरीज द फैमिली मैन के सीजन 3 के नेगेटिव रोल से।

अब तक आप परदे पर काफी मजबूत महिला किरदारों में नजर आई हैं, मगर आम जिंदगी में आपको लड़कियों से जुड़ी कौन-सी बात सबसे ज्यादा परेशान करती है?

लड़की होने के साथ जो असुरक्षा की भावना जुड़ी है, वो दुनिया के किसी भी प्रोफेशन या जगह से बड़ी है। मैं दिल्ली में पली-बढ़ी हूं, और जब मुंबई आई, तो पहली बार समझ में आया कि 'सेफ होना कैसा महसूस होता है'। और उसी समय यह सवाल और गहरा हुआ कि मुझे पहले कभी ऐसा क्यों नहीं लगा? यह मुद्दा सिर्फ दिल्ली या किसी एक शहर का नहीं। काम, समर्पण, मेहनत, ये सब हम भी उतनी ही करती हैं, जितना कोई भी इंसान करता है, फिर हम क्यों सबसे पहले खुद को सुरक्षित रखने की जद्दोजहद में लगे रहें? क्यों किसी लड़की को यह 'फायदा' लगे कि 'अच्छा है, यहां सेफ्टी ज्यादा है'? सेफ्टी कोई सुविधा नहीं, हमारा हक है। सुरक्षित रहना मेरा और हर लड़की का, जन्मसिद्ध और मौलिक अधिकार है। इस पर सवाल ही नहीं उठना चाहिए।

एक एक्ट्रेस के रूप में आज आपके लिए रोल लिखे जाते हैं, शहर की होर्डिंग्स में आपके शोज या फिल्मों के बड़े-बड़े पोस्टर लगते हैं, मगर आपको अपने करियर का होर्डिंग पर लगा पहला पोस्टर याद है?

बिलकुल याद है। वो पोस्टर था द लंचबॉक्स का। मुंबई के जुहू सर्कल पर हमेशा विशाल होर्डिंग्स लगते थे और किसी ने बताया कि वहां हमारी फिल्म का भी एक बड़ा सा पोस्टर लगा है। उस समय सोशल मीडिया का शोर इतना नहीं था, तो मेरे उत्साह का अंदाजा आप लगा सकते हैं। मैं बार-बार सोच रही थी, अरे, मेरा इतना बड़ा पोस्टर!' और उसे देखने खुद पहुंच गई। लेकिन जब मैंने वो होर्डिंग देखा मैं उसमें उल्टी थी! इरफान चिट्ठी पढ़ते और खाना खाते दिख रहे थे, और मेरी तस्वीर उल्टी लटक रही थी।

आज एक तरफ आपके द्वारा किए जाने वाले शो जैसे लॉन्ग फॉरमेट कॉन्टेंट हैं और दूसरी तरफ आज 2-3 मिनट के माइक्रो ड्रामा के रूप में वर्टिकल शोज का चलन देखने को मिल रहा है, क्या कहना चाहेंगी?

मैं आपको बताऊं, मैंने कई सालों तक विज्ञापन फिल्मों में काम किया है और उसमें तो आप 20-30 सेकेंड्स में प्रोडक्ट को बेच कर निकल जाते हैं, तो मुझे एड्स में अनुभव है, इस तरह के काम करने का। मेरा मानना है कि लॉन्ग फॉर्मेट हो या माइक्रो ड्रामा, एंगेजिंग होना चाहिए।

खुशकिस्मत हूं कि मुझे सीरीज में नकारात्मक किरदार मिला

अदाकार के जीवन जरूर ऐसा आता है, जब वो कुछ अलग तरह की भूमिकाएं करने का इच्छुक होता है। बहुत बार ऐसा होता है कि किरदार आपको चुन रहे होते हैं न कि आप चरित्र को। मैं बहुत खुशकिस्मत मानती हूं खुद को कि मुझे इस सीरीज में नई एंट्री के रूप में एक नकारात्मक किरदार मिला है। इससे पहले भी मैं फिल्म दसवीं और कुल जैसी सीरीज में ग्रे किरदार कर चुकी हूं। मैं आपको एक दिलचस्प बात बताऊं, करियर के शुरुआती दौर में हॉलीवुड सीरीज होमलैंड में भी मेरा नेगेटिव किरदार था। किरदार पॉजिटिव हो या नेगेटिव उसे सुनकर मजा आए, तो निभाने का अलग ही मजा होता है। जाहिर है आप अपनी जिंदगी का एक बहुत बड़ा हिस्सा उस रोल को दे रहे होते हैं। मुझे साल दर साल अपनी भूमिकाओं से याद हैं कि द लंचबॉक्स मैंने 2013 में की थी, तो होमलैंड 2019 में की थी। एक एक्टर को अपना पार्ट निभाना होता है, एक शिद्दत के साथ, मगर जब आपके साथी कलाकार कमाल के हों, तो रोल को करने का मजा बढ़ जाता है। अब जैसे इस सीरीज में मैं 110 फिल्में कर चुके मनोज बाजपेयी के साथ काम करने का मौका मिला। इनके साथ काम करके बहुत कुछ सीखने को मिला कि इतना लंबा समय एक्टिंग के फील्ड में बिताने के बावजूद इनकी अप्रोच भूमिका को लेकर कितनी पैशनेट है। ऐसा लगता है जैसे उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की हो।

अजमेर में उर्स से पहले नगर निगम ने हटाया अवैध अतिक्रमण, इलाके में मचा हड़कंप

अजमेर (एजेंसी)। ख्वाजा गरीब नवाज के 814वें उर्स से पहले नगर निगम ने शनिवार सुबह दरगाह क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। नगर निगम की टीम ने दरगाह क्षेत्र के अंदरकोट, अढ़ाई दिन का झोपड़ा, दिल्ली गेट आदि इलाकों में कार्रवाई की। इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया। इस दौरान पुलिस के अधिकारी, और भारी पुलिस बल भी मौजूद था। नालियों और सड़कों से अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए यह कार्रवाई की गई। शनिवार सुबह नगर निगम के द्वारा दरगाह क्षेत्र में की गई कार्रवाई से क्षेत्र के दुकानदारों में आक्रोश था। दुकानदारों की ओर से अपनी दुकानों को बंद कर प्रदर्शन किया गया। कोर्ट से ढाई दिन का झोपड़ा के पहले से शुरू हुई यह कार्रवाई दरगाह बाजार से दिल्ली गेट तक चली। करीब दो किलोमीटर के एरिया में जेसीबी ने नालों, सड़क किनारे और दुकानों के आगे किए गए करीब 50 से ज्यादा अतिक्रमण हटाए। पुलिस ने कुछ व्यापारियों को समझाइश भी दी।

अचानक मोड़ पर बीयर से भरा ट्रक पलटा, बॉक्स लूटने सड़क पर लगी भीड़

-केबिन में फंसे ड्रायवर को निकालने के बजाय बीयर लेकर भागते रहे लोग

संभाजीनगर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के छत्रपती संभाजीनगर के वालूज इलाके में रांजणगाव रोड पर बीयर से भरा ट्रक रास्ते में एक व्यक्ति को बचाने की कोशिश में ड्राइवर ने स्टीयरिंग मोड़ा और अनियंत्रित होकर पलट गया। इससे सड़क पर बीयर की बोतलें बिखर गईं। ट्रक के केबिन में चालक फंस गया। इसके बावजूद कुछ लोग चालक को बाहर निकालने की बजाय बीयर के बॉक्स उठाने दौड़ पड़े। सड़क पर कुछ ही मिनटों में लूट मच गई। आसपास से गुजर रहे लोग भी बोतलों को उठाने में लग गए और ट्रक के पास अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इस घटना की सूचना कुछ लोगों ने तुरंत पुलिस को दी। जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने तुरंत भीड़ को काबू किया और घायल चालक को ट्रक की केबिन से बाहर निकालने की कोशिश की। अधिकारियों ने कहा कि चालक को सुरक्षित बाहर निकालने में समय लगा क्योंकि वह बुरी तरह फंसा था। पुलिस ने कहा कि इस तरह की घटनाओं में सड़क पर अफरा-तफरी मचाने वाले लोग खुद खतरे में पड़ सकते हैं। किसी भी सड़क हादसे में प्राथमिकता हमेशा घायल की मदद करना होनी चाहिए, न कि सामान लूटने की। हादसे की वजह से रास्ते में कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा। घटना के बाद वालूज इलाके में अफरा-तफरी का माहौल रहा। पुलिस इस पूरे मामले को लेकर जांच-पड़ताल में जुट गई है।

नारायण साईं के सेल से मोबाइल फोन बरामद, जेल में नया मामला दर्ज

- सूरत की लाजपोर सेंट्रल जेल में मिले फोन और सिम कार्ड

सूरत (एजेंसी)। बलात्कार के मामले में आजीवन कारावास काट रहे आसाराम के बेटे नारायण साईं की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। लाजपोर सेंट्रल जेल में हाई-सिक्योरिटी बैरक नंबर-1 में उनके पास मोबाइल फोन रखने और उसका इस्तेमाल करने का मामला सामने आया है। जेल प्रशासन को गुप्त सूचना मिली कि नारायण साईं के पास मोबाइल है। सूचना मिलते ही जेल स्क्वॉड ने तलाशी ली और उनके अलग सेल में फोन बरामद किया। तलाशी के दौरान फोन चुंबक की मदद से लोहे के दरवाजे पर चिपकाया गया था। इसके साथ जियो का सिम कार्ड भी मिला। जांच में सामने आया कि नारायण साईं बातचीत के बाद बैटरी और सिम कार्ड अलग कर लेते थे। सिम कार्ड अपने पास रखते थे और बैटरी को सुरक्षा के लिए सेंट्री रूम में छिपा देते थे। जेल स्टाफ की सतर्कता से यह बैटरी भी बरामद कर ली गई। जेल प्रशासन की शिकायत पर सचिन पुलिस ने नारायण साईं के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और गुजरात जेल मैनुअल के उल्लंघन के तहत मामला दर्ज किया। एसीपी नीरव गोहिल ने बताया कि मोबाइल रखना जेल में गंभीर अपराध है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि फोन कहां से आया और किससे संपर्क किया गया।

पान मसाला विज्ञापन करे लेकर घिरे बॉलीवुड भाईजान, सुनवाई 9 दिसंबर को

-सलमान के वकील बोले-यह इलायची का विज्ञापन, शिकायत का आधार कमजोर

जयपुर (एजेंसी)। बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान पान मसाला विज्ञापन को लेकर घिर गए हैं। बीजेपी नेता और वकील इंदर मोहन सिंह हनी ने अभिनेता के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। हाल ही में इसे लेकर सुनवाई हुई और अब अगली सुनवाई 9 दिसंबर को तय की गई है। वहीं सलमान खान के वकील आशीष दुबे ने कोर्ट को बताया कि वर्तमान शिकायत की सुनवाई का अधिकार उपभोक्ता आयोग के पास नहीं है साथ ही यह भी कहा कि सलमान खान न तो पान मसाला निर्माता हैं और न ही उसके सर्विस प्रोवाइडर। ऐसे में उन्हें इस मामले में पक्षकार बनाना उचित नहीं है। वकील ने कहा कि शिकायतकर्ता ने उन्हें झूठा घसीटकर अनावश्यक उत्पीड़न का प्रयास किया है।

अभिनेता के वकील ने दावा किया कि सलमान खान ने गुटखा या पान मसाला नहीं, बल्कि सिल्वर कोटेड इलायची का विज्ञापन किया था, जिसे पान मसाले की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। इसलिए शिकायत का आधार ही कमजोर है। उधर, शिकायतकर्ता बीजेपी नेता हनी ने सलमान खान की ओर से दाखिल जवाब पर आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि जवाब पर किए गए साइन सलमान खान के असली साइन नहीं लगते। उन्होंने अदालत से मांग की है कि सलमान खान को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर जवाब देने का निर्देश दिया जाए और प्रस्तुत हस्ताक्षरों की जांच कराई जाए। यह मामला उस विज्ञापन से जुड़ा है, जिसमें पान मसाला कंपनी ने केसर युक्त इलायची और केसर युक्त पान मसाला का दावा किया था। कोटा के बीजेपी नेता और वकील इंदर मोहन सिंह हनी ने उपभोक्ता फोरम में शिकायत दायर कर आरोप लगाया कि कंपनी और उसके ब्रांड एंबेसडर सलमान खान जनता को गुमराह कर रहे हैं, क्योंकि पांच रुपए के पाउच में असली केसर डालना संभव ही नहीं है। इसके अलावा परिवाद में कहा गया है कि ऐसे विज्ञापन युवाओं को पान मसाला और तंबाकू की लत की ओर धकेल रहे हैं और स्वास्थ्य पर गंभीर असर डालते हैं।

आखिर झुक गईं ममता, अब वक्फे संशोधन कानून लागू करने के दिए निर्देश

-विपक्ष के साथ बनर्जी ने कहा था इस कानून को बंगाल में लागू नहीं होने देंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने इस साल अप्रैल में वक्फद कानून में संशोधन किया था। इसमें कई नए प्रावधान जोड़े गए हैं, जिनका विपक्षी दलों और उनके द्वारा शासित राज्यों की सरकारों ने कड़ा विरोध किया था। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने इसकी जमकर विरोध किया था। उन्होंने कहा था कि वे इस संशोधित कानून को पश्चिम बंगाल में लागू नहीं होने देंगी। अब उनका रुख बदल गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ममता सरकार ने वक्फ संशोधन कानून-2025 को बंगाल में लागू करने को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए हैं। वक्फ? संपत्तियों को केंद्रीय पोर्टल पर अपलोड करने को लेकर डेडलाइन जारी कर दी है। प्रदेश के माइनॉरिटी डिपार्टमेंट की ओर से आठ बिंदुओं में प्रोग्राम भी जारी किया है। अधिकारियों के मुताबिक ममता सरकार ने सभी जिलों को निर्देश दिया है कि राज्य की करीब 82,000 वक्फ़ संपत्तियों का विवरण 5 दिसंबर से पहले केंद्र के पोर्टल पर अपलोड कर दिया जाए।

बता दें यह कानून इस साल अप्रैल में संसद के दोनों सदनों से पारित हुआ था। बंगाल के अल्पसंख्यक विकास विभाग के सचिव पीबी सलीम ने सभी जिला मजिस्ट्रेटों को पत्र भेजकर कहा कि हर जिले की वक्फ़ संपत्तियों की जानकारी तय समय में अपलोड की जाए। डेटा एंट्री दो हिस्सों में की जाएगी। पहला, व्यक्तिगत मुतवल्लियों द्वारा ओटीपी-आधारित प्रारंभिक रजिस्ट्रेशन और दूसरा, वक्फ संपत्ति से जुड़े विवरणों का पंजीकरण।

विवादित वक्फ संपत्तियों को इस चरण में रजिस्टवर्ड करने की जरुरत नहीं है।

यह भी निर्देश दिए हैं कि कार्य के लिए अधिकारियों को विशेष रूप से नियुक्त करें और दैनिक प्रगति की निगरानी करें। राज्य स्तर के दफ्तरों से वरिष्ठ अधिकारियों को अपने-अपने जिलों के दौरे पर भेजा जाए। आठ जिलों में हेल्प डेस्क बनाए जा चुके हैं और बाकी जिले भी ऐसे ही हेल्प डेस्क बना सकते हैं। राज्य वक्फ बोर्ड की ओर से हर दिन दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक वर्चुअल मोड में प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसमें राज्यभर के सभी दफ्तरों से लोग जुड़ सकते हैं।

ममता सरकार का यह फैसला राजनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है। कानून के मुताबिक देश की सभी रजिस्टरर्ड वक्फ संपत्तियों की जानकारी छह महीने के भीतर केंद्र के पोर्टल पर डालना अनिवार्य है। राज्य सरकार के पत्र में कहा गया है कि बंगाल में 8,000 से ज्यादा वक्फ एस्टेट हैं और उनसे संबंधित सभी विवरण संबंधित मुतवल्लियों द्वारा अपलोड किए जाने चाहिए।

8.2 प्रतिशत जीडीपी में जयराम रमेश ने कहा- आंकड़े 'सी ग्रेड' वाले, टिकाऊ नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने शुक्रवार को जुलाई-सितंबर 2025 तिमाही के जीडीपी आंकड़े जारी किए। वैश्विक मंदी और ट्रंप प्रशासन के नए टैरिफ दबाव के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने शानदार वापसी की है और 8.2 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की है। पिछले साल की इसी तिमाही में यह दर मात्र 5.6 प्रतिशत थी। इन आंकड़ों का प्रधानमंत्री मोदी सहित भाजपा नेताओं ने जोरदार स्वागत किया और इसे 'विकसित भारत' की दिशा में बड़ा कदम बताया। लेकिन कांग्रेस ने तुरंत हमला बोल दिया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, यह बड़ी विडंबना है कि जिस दिन तिमाही जीडीपी के आंकड़े जारी हुए, उसी दिन आईएमएफ की रिपोर्ट में भारत के राष्ट्रीय लेखा-जोखा सांख्यिकी को दूसरा सबसे निचला 'सी' ग्रेड दिया गया है उन्होंने आगे आरोप लगाया, संख्याएँ लगातार निराशाजनक हैं। सकल स्थिर पूंजी निर्माण (जीएफसीएफ) में कोई उछाल नहीं आया। निजी निवेश में कोई नई गति नहीं दिख रही। बिना निजी निवेश के इतनी ऊंची जीडीपी वृद्धि दर टिकाऊ नहीं हो सकती। सरकार मुद्रास्फीति को जानबूझकर कम करके दिखा रही है ताकि नाममात्र की जीडीपी वृद्धि ज्यादा लगे। जयराम रमेश ने आईएमएफ की ताजा डेटा क्वालिटी असेसमेंट रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि भारत के आधिकारिक सांख्यिकी की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। इससे पहले वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया था कि 8.2प्रतिशत वृद्धि में निर्माण, विनिर्माण और सेवा क्षेत्र का मजबूत योगदान है। अब जीडीपी आंकड़ों पर यह नया राजनीतिक विवाद छिड़ गया है।

विवाह पवित्र बंधन है पर, दहेज ने इसे व्यापार बना दिया: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने दहेज की सामाजिक बुराई पर तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि विवाह एक पवित्र और महान संस्था है जो आपसी विश्वास और सम्मान पर टिकी होती है।

लेकिन दहेज के लालच ने इसे महज एक 'व्यावसायिक लेन-देन' बना दिया है। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने इसे 'समाज के खिलाफ अपराध' करार दिया। पीठ ने कहा, यह अदालत इस कड़वे सच से मुंह नहीं मोड़ सकती कि आज विवाह का पवित्र बंधन एक कारोबारी सौदा बन गया है। दहेज को अक्सर 'उपहार' या 'स्वैच्छिक भेंट' का नाम देकर छिपाया जाता है, लेकिन हकीकत में यह सिर्फ सामाजिक दिखावा और भौतिक लालच पूरा करने का जरिया बन चुका है। कोर्ट ने यह टिप्पणियां एक ऐसे मामले में कीं जिसमें शादी के सिर्फ चार महीने बाद पति पर दहेज के लिए पत्नी को जहर देकर मारने का आरोप है। हाई कोर्ट ने आरोपी को जमानत दे दी थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उस आदेश को ''प्रतिकूल और अव्यावहारिक' बताते हुए तुरंत रद्द कर दिया। अदालत ने कहा कि हाई कोर्ट ने अपराध की गंभीरता, मरने से पहले महिला के पुख्ता बयान और दहेज हत्या की कानूनी धारणा (प्रिजम्प्शन) को पूरी तरह नजरअंदाज किया। पीठ ने कड़ा संदेश देते हुए कहा, ''दहेज हत्या इस कुप्रथा की सबसे घिनौनी शक्ल है। एक युवती का जीवन सिर्फ इसलिए छीन लिया जाता है क्योंकि कुछ लोग अपना लालच पूरा नहीं कर पाते। यह न केवल विवाह की पवित्रता को तहस-नहस करता है, बल्कि महिलाओं के व्यवस्थित उत्पीड़न और गुलामी को बढ़ावा देता है।' अदालत ने स्पष्ट किया कि ऐसे जघन्य अपराध मानव गरिमा पर सीधा हमला हैं और संविधान के अनुच्छेद-14 (समानता) तथा अनुच्छेद-21 (सम्मानजनक जीवन) का खुला उल्लंघन हैं। सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी को दहेज के खिलाफ चल रहे सामाजिक और कानूनी अभियान के लिए बड़ा समर्थन माना जा रहा है।

कांग्रेसी उम्मीदवारों ने आरजेडी को बताया हार का जिम्मेदार, क्या टूटेगा गठबंधन?

-पटना में तेजस्वी के घर महागठबंधन की बैठक, विधानसभा सत्र की बनेगी रणनीति

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में हार के बाद महागठबंधन में टूट की अटकलें लगने लगी हैं। हाल ही में समीक्षा के दौरान कांग्रेस के ज्यादातर उम्मीदवारों ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) से गठबंधन को चुनावी हार का जिम्मेदार बताया। इनमें से कई ने तो कांग्रेस आलाकमान को आरजेडी से गठबंधन तोड़ने की वकालत भी की। इसके बाद से सियासी पारा गर्मा गया है। हालांकि पार्टी के किसी भी बड़े नेता का गठबंधन के भविष्य को लेकर कोई बयान नहीं आया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दिनों संपन्न हुए बिहार चुनाव के नतीजों में कांग्रेस, आरजेडी और अन्य विपक्षी दलों के गठबंधन को शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। कांग्रेस 71 सीटें पर चुनाव लड़कर महज 6 सीटें जीतीं। आरजेडी ने भी 143 सीटें लड़ी और 25 पर ही जीत हासिल की। अन्य घटक दलों की स्थिति भी खराब रही। महागठबंधन कुल 243 में से महज 35 विधानसभा सीटों पर जीत हासिल कर सका। बता दें बीते गुरुवार को नई दिल्ली में कांग्रेस ने बिहार चुनाव की हार की समीक्षा बैठक बुलाई थी। इसमें सभी 61 सीटों पर चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों के

अलावा प्रदेश स्तर के नेता भी मौजूद थे। बैठक में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सभी उम्मीदवारों से 10-10 के समूह में बात की थी।

सूत्रों के मुताबिक अधिकतर उम्मीदवारों ने आलाकमान को बताया कि तेजस्वी यादव की पार्टी राजद से गठबंधन की वजह से कांग्रेस को बुरी हार का सामना करना पड़ा। अगर कांग्रेस इस चुनाव में अकेले चुनाव लड़ती तो परिणाम बेहतर हो सकते थे। प्रत्याशियों ने कहा कि कांग्रेस को आरजेडी से गठबंधन खत्म कर देना चाहिए। उन्होंने महागठबंधन में सीट बंटवारे में देरी होने और करीब एक दर्जन सीटों पर फ्रेंडली फाइट को भी हार की वजह माना।

हालांकि, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता इस पर कुछ नहीं बोल रहे हैं। दिल्ली में समीक्षा बैठक के बाद बिहार कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह से जब आरजेडी से गठबंधन तोड़ने के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि इसका फैसला आलाकमान करेगा। फिलहाल महागठबंधन में शामिल घटक दल अपने-अपने स्तर पर हार की समीक्षा कर रहे हैं। आरजेडी में प्रमंडलवार प्रत्याशियों से फीडबैक लिया जा रहा है। चुनाव में विरोधियों के हित में काम करने वाले भितरघातियों की पहचान भी की जा रही है। इस बीच बिहार विधानसभा का सत्र 1 दिसंबर से होगा। इसमें नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी। नीतीश सरकार अपना अनुपूरक बजट भी सदन में पेश करेगी। पटना में तेजस्वी यादव के घर पर महागठबंधन की बैठक बुलाई है। इसमें राजद, कांग्रेस और वाम दलों के विधायक शामिल होंगे। इसमें विधानसभा सत्र की रणनीति को लेकर चर्चा की जाएगी।

राहुल गांधी मानहानि केस: मुख्य सबूत वाली सीडी कोर्ट में निकली खाली, सुनवाई स्थगित

पुणे (एजेंसी)। पुणे की सांसद-विधायक विशेष अदालत में कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ विनायक दामोदर सावरकर को कथित तौर पर अपमानित करने के मानहानि मामले की सुनवाई गुरुवार को उस समय नाटकीय मोड़ ले लिया जब अभियोजन का सबसे अहम सबूत मानी जा रही सीडी पूरी तरह खाली निकली।

मामला 2023 में राहुल गांधी के लंदन भाषण से जुड़ा है। सावरकर के परपौत्र सत्यकी सावरकर ने शिकायत दर्ज कराई थी कि राहुल गांधी ने ब्रिटेन में आयोजित एक कार्यक्रम में स्वतंत्रता सेनानी सावरकर के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। इसी शिकायत पर अदालत ने संज्ञान लिया और राहुल गांधी को समन जारी किया था। संज्ञान लेते समय अदालत ने एक सीलबंद सीडी में मौजूद कथित वीडियो देखने का उल्लेख किया था। गुरुवार को जब वही सीलबंद सीडी अदालत कक्ष में खोलकर चलाई गई तो उसमें एक भी फाइल नहीं थी। सीडी पूरी तरह ब्लैंक थी। यह देख शिकायतकर्ता के वकील एडवोकेट संग्राम कोल्हटकर भी स्तब्ध

रह गए। उन्होंने तुरंत अदालत को याद दिलाया कि यही सीडी पहले चलाई गई थी और उसी के आधार पर समन जारी हुआ था। कोल्हटकर ने पूछा कि आखिर पहले देखी गई सामग्री अब गायब कैसे हो गई?

खाली सीडी के खुलासे के बाद कोल्हटकर ने वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर यूट्यूब पर उपलब्ध उसी भाषण का लिंक सीधे अदालत में चलाने की अनुमति मांगी। राहुल गांधी की ओर से पेश वकील मिलिंद दत्तात्रय पवार ने इसका पुरजोर विरोध किया। मजिस्ट्रेट अमोल शिंदे ने पवार की दलील मानते हुए कहा कि यूट्यूब यूआरएल भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 65-बी के तहत जरूरी प्रमाणीकरण प्रमाणपत्र के बिना सबूत के रूप में स्वीकार्य नहीं है। कोल्हटकर की यह अर्जी भी खारिज हो गई। इसके बाद सत्यकी सावरकर ने एक अतिरिक्त याचिका दायर कर दो अन्य सीडी चलाने का अनुमति मांगी, जिनमें वही भाषण होने का दावा किया गया। अदालत ने स्पष्ट किया कि रिकॉर्ड में ऐसी कोई सीडी जमा नहीं है, इसलिए याचिका नामंजूर की जाती है।

न्यायिक जांच और स्थगन की मांग

कोल्हटकर ने खाली सीडी के रहस्य की न्यायिक जांच कराने और मामले में गड़बड़ी की संभावना जाहिर करते हुए सुनवाई स्थगित करने का अनुरोध किया। राहुल गांधी के वकील ने इसका विरोध किया, लेकिन अंततः अदालत ने सुनवाई शुक्रवार तक के लिए टाल दी। यह घटना अब कई गंभीर सवाल खड़े कर रही है कि जिस सीडी के आधार पर राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का पूरा मामला खड़ा किया गया, वह अचानक खाली कैसे हो गई? क्या यह तकनीकी खामी थी या कुछ और? मामले में अब अगली सुनवाई में इन सवालों के जवाब तलाशे जाएंगे।

जब-जब कहा आतंकवाद को दफना दिया, तब-तब आतंकियों ने जलवा दिखाया

-कांग्रेस नेता ने दिल्ली ब्लास्ट को लेकर मोदी सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता उदित राज ने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जब भी कहा जाता है कि आतंकवाद को दफन कर दिया, तब-तब आतंकवादी अपना कुछ जलवा दिखा देते हैं। उन्होंने दिल्ली धमाके का जिक्र करते हुए यह बात कही। 10 नवंबर की शाम लाल किले के पास कार में हुए जोरधार धमाके में हमलावर समेत 15 लोगों की जान चली गई, जबकि 20 गंभीर रुप से घायल हो गए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा को लेकर सीएम उमर अब्दुल्ला की ओर से दिए बयान से जुड़े सवाल के जवाब में उदित राज ने कहा कि उमर क्या गलत कह रहे हैं, स्टेटहुड का प्रॉमिश था। कई बार बेईमानी हो रही है, लूट रहे हैं वहां। लूटने के लिए ही रखा गया है। संभल तो रहा नहीं है। अभी कश्मीर में भी बम ब्लास्ट हुआ

था, जब भी यह कहते हैं कि हमने आतंकवाद को दफन कर दिया पाकिस्तान में घुसकर मारा तब आतंकवादी कुछ ना कुछ अपना जलवा दिखा देते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक जलवा शब्द कहने के बाद संभलते हुए उदित राज ने अपना वाक्य बदला और कहा कुछ ना कुछ आतंकवादी गतिविधि करके दिखा देते हैं कि तुम्हारी बात में दम नहीं है। उन्होंने कहा मोदी सरकार ने कुछ दिन पहले ही कहा था कि देखो जम्मू कश्मीर के बाहर देश में कहीं आतंकवादी हमला नहीं हुआ। आतंकियों ने धड़ाक से लाल किला में बम ब्लास्ट करके दिखा दिया। पहले भी यही कहते थे कि कश्मीर में आतंकवाद का सफाया हो गया, पहलगाम करके दिखा दिया।

आर्थिक महाकेंद्र बनी अयोध्या ने पकड़ी रफ्तार, सालाना 50 करोड़ पर्यटक पहुंचने की उम्मीद

अयोध्या (एजेंसी)। भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या अब सिर्फ आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि तेजी से उभरता आर्थिक महाकेंद्र बन चुकी है। 22 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों प्राण-प्रतिष्ठा और धर्म ध्वज फहराए जाने के बाद से रामलला के दर्शन को आने वाले श्रद्धालुओं-पर्यटकों की बाढ़ सी आ गई है। दो साल पहले जहां सालाना 5.5-6 करोड़ लोग आते थे, वहीं इस साल के अंत तक 50 करोड़ का आंकड़ा छूने की संभावना है। अकेले जनवरी से जून 2025 तक करीब 23 करोड़ लोग अयोध्या पहुँच चुके हैं।

पर्यटकों की इस अभूतपूर्व आमद ने स्थानीय अर्थव्यवस्था को रॉकेट की रफ्तार दे दी है। होटल-रिसॉर्ट, रेस्तरां, फुटकर दुकानें, टैक्सी-ऑटो से लेकर हस्तशिल्प कारोबार तक हर क्षेत्र में उछाल आया है। पिछले दो वर्षों में एक दर्जन से ज्यादा तीन व पांच सितारा होटल परियोजनाएँ शुरू हो चुकी हैं। डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए अयोध्या अब युवाओं की पहली पसंद बन रही है। अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया सहित दुनिया भर से श्रद्धालु यहाँ पहुँच रहे हैं। आधारभूत संरचना के मामले में अयोध्या ने विश्व के बड़े धार्मिक पर्यटन स्थलों को पछाड़ दिया है। चमचमाता राम पथ, धर्म पथ, भव्य घाट, पुनर्जनित कुंड, संस्कृति से सजे चौराहे और स्वच्छ-सुघड़ सड़कें शहर की नई पहचान हैं। महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अब 30 से अधिक उड़ानें संचालित हो रही हैं, जिनकी सालाना यात्री क्षमता 60 लाख है। नया रेलवे स्टेशन विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस है, जबकि बस अड्डों का भी कायाकल्प हो चुका है।

आर्थिक आँकड़े और भी चौंकाने वाले हैं। वर्तमान में अयोध्या उत्तर प्रदेश के कुल जीएसडीपी में करीब 1.5 प्रतिशत का योगदान दे रही है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले 4-5 वर्षों में यहाँ सालाना कारोबार 4 लाख करोड़ रुपये तक पहुँच सकता है। पर्यटन, हॉस्पिटैलिटी, परिवहन और रियल एस्टेट सेक्टर में हजारों नए रोजगार सृजित हो रहे हैं। राम मंदिर ने न सिर्फ आस्था को नया आयाम दिया, बल्कि अयोध्या को विश्व के नक्शे पर एक चमकता आर्थिक सितारा बना दिया है। दीपावली, राम नवमी और अन्य पर्वों पर यहाँ आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या देखते हुए लगता है कि 2026 तक अयोध्या विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक पर्यटन स्थल बनने की राह पर है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com